धनबाद
रविवार 05.07.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-133 पृष्ठ- 12
आषाढ़ कृष्ण पक्ष-6
संवत 2083

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

ऊर्जा संकट में दुनिया ने देखा भारत की कूटनीति का जलवा : पीएम मोदी

संकट के समय कुछ ताकतें अफवाह और आशंका फैलाने में व्यस्त थी

जयपुर (ईएमएस): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राजस्थान के पचपदरा में भारत के पहले ग्रीनफील्ड एकीकृत रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल परिसर का उद्घाटन किया। इस मौके पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिमी एशिया में जारी युद्ध से उत्पन्न वैश्विक ऊर्जा संकट का जिक्र कर कहा कि इस संकट के समय भारत की कूटनीतिक शक्ति का जलवा दुनिया को दिखा, इस शक्ति ने देश को चुनौती से सफलतापूर्वक निपटने में मदद की।

पीएम मोदी ने बताया कि पश्चिमी एशिया में जारी संघर्ष ने २१वीं सदी का सबसे बड़ा ऊर्जा संकट पैदा किया था। इस चुनौती के बावजूद, भारत ने सही फैसलों, सटीक आकलन, प्रभावी रणनीति और कूटनीतिक शक्ति का सकारात्मक इस्तेमाल करके सफलतापूर्वक स्थिति संभाली। उन्होंने कहा कि संकट से पहले भारत २५-२६ देशों से ईंधन आयात करता था, लेकिन युद्ध के दौरान भारत की कूटनीति के कारण यह संख्या ४० से अधिक देशों तक पहुंच गई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस अवधि में भारत ने दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया कि उसके लिए राष्ट्रहित और राष्ट्र के नागरिकों का हित सर्वोपरि है।

प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्षी दलों पर निशाना साधा, उन पर ईंधन संकट के बीच अफवाहें फैलाने और राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि गलत इरादे वाले सफल नहीं हुए और देश में दूर-दराज के इलाकों में भी छोटी-मोटी अड़चनों के अलावा ईंधन आपूर्ति में कोई बड़ी चुनौती नहीं आई। पीएम मोदी ने कहा कि जब सार्वजनिक तौर पर कुछ ताकतें अफवाह और आशंका फैलाने में व्यस्त थीं, तब पर्दे के पीछे किस स्तर पर दिन-रात काम हो रहा था और स्थिति को संभाला जा रहा था, यह कभी न कभी इतिहास में लिखा जाएगा।

अपने संबोधन में, पीएम मोदी ने १४० करोड़ देशवासियों का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस मुश्किल समय में देश के साथ मजबूती से खड़े रहकर अफवाहों, डर और भ्रम फैलाने वालों की साजिशों को नाकाम किया। उन्होंने कहा कि देशवासियों के इसी विश्वास के भरोसे देश आगे बढ़ रहा है।

पचपदरा रिफाइनरी के उद्घाटन को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भाजपा सरकारें परियोजनाओं का शिलान्यास करके उन्हें अधूरा नहीं छोड़तीं, बल्कि ▶▶ 8

दिल्ली में झारखंड का डिजिटल विजन पेश करेंगे सीएम हेमंत सोरेन

एआई मिशन और आईटी पार्क पर रहेगा फोकस

रांची (एजेंसी): झारखंड सरकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डिजिटल गवर्नेंस और आईटी निवेश के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी नई पहचान बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है। ८ और ९ जुलाई को नई दिल्ली में आयोजित नेशनल स्टेकहोल्डर्स कंसल्टेशन-२०२६ में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन राज्य का डिजिटल रोडमैप प्रस्तुत करेंगे। इस दौरान झारखंड की आईटी, आईटीईएस, एआई और डिजिटल गवर्नेंस से जुड़ी भविष्य की रणनीति देश-विदेश की प्रमुख टेक कंपनियों और नीति-निर्माताओं के सामने रखी जाएगी।

कार्यक्रम में लगभग १०० अग्रणी टेक एवं आईटी कंपनियों के प्रतिनिधि और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भाग लेंगे। सरकार का उद्देश्य झारखंड को डिजिटल नवाचार, एआई आधारित सुशासन और भविष्य की तकनीकों के क्षेत्र में अग्रणी राज्यों की श्रेणी में स्थापित करना है।

रांची आईटी पार्क को मिलेगा राष्ट्रीय मंच

कंसल्टेशन के दौरान पहली बार रांची आईटी पार्क को निवेश परियोजना के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। करीब १००.९७ एकड़ में विकसित होने वाला यह आईटी पार्क राजधानी के कोर कैपिटल एरिया में, आईआईएम रांची और बिरसा मुंडा एयरपोर्ट के निकट स्थित होगा। सरकार उद्योग जगत के सामने राज्य की आईटी नीति-२०२३ के तहत उपलब्ध आकर्षक प्रोत्साहनों, जैसे ५० प्रतिशत पूंजीगत निवेश प्रतिपूर्ति, १०० प्रतिशत स्टांप शुल्क छूट और १०० प्रतिशत बिजली ▶▶ 8

बंगाल पुलिस ने ड्रोन से नाकाम की मानव तस्करी, 17 लड़कियां बचाईं, 4 गिरफ्तार

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल पुलिस ने मानव तस्करी के बड़े प्रयास को ड्रोन तकनीक की मदद से विफल किया है। उत्तर दिनाजपुर जिले में चलाए विशेष अभियान में १७ नाबालिग लड़कियों को सुरक्षित बचाया गया और चार संदिग्ध मानव तस्करों को गिरफ्तार किया है। यह इस्लामपुर पुलिस जिला क्षेत्र में अपनी तरह का पहला ऑपरेशन है, जहाँ मानव तस्करी गिरोहों पर निगरानी के लिए ड्रोन का प्रभावी उपयोग किया गया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बिहार, असम और गुजरात की कई नाबालिग लड़कियों की तस्करी की जा रही है और उन्हें इस्लामपुर के चंपाबाग इलाके में एक गुप्त स्थान पर छिपाकर रखा गया है। जानकारी मिलने के बाद, पुलिस ने विशेष अभियान दल गठित किया और पूरे इलाके की निगरानी के लिए पहली बार ड्रोन का इस्तेमाल करने का ▶▶ 8

भारत ने 23 और आतंकियों को किया नामित अब सूची में कुल 80 आतंकी शामिल

नई दिल्ली (ईएमएस): भारत सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी कार्रवाई को और सख्त करते हुए गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत २३ और आतंकियों को आधिकारिक रूप से आतंकवादी घोषित किया है। इसके साथ ही देश की घोषित आतंकियों की सूची में अब कुल ८० नाम शामिल हो गए हैं।

नई सूची में बेंगलुरु का रहने वाला ४० वर्षीय इंजीनियर मोहम्मद शाहिद फैसल भी शामिल है। जांच एजेंसियों के अनुसार, वह वर्तमान में पाकिस्तान के रावलपिंडी में रह रहा है और ऑनलाइन माध्यमों से आतंकियों की भर्ती करने के साथ लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद तथा इस्लामिक स्टेट से जुड़े नेटवर्क के लिए काम कर रहा है। उस पर बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले में आतंकियों का हैंडलर होने का भी आरोप है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) उसे वर्ष २०१२ से तलाश रही है और उस पर १० लाख रुपये का इनाम घोषित है। सरकार द्वारा घोषित आतंकियों में मोहम्मद मुसद्दीक का नाम भी शामिल है, जो पाकिस्तान में जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ा बताया गया है। जांच के मुताबिक उसने नागपुर स्थित आरएसएस मुख्यालय, अयोध्या के राम मंदिर और पानीपत स्थित इंडियन ऑयल रिफाइनरी की रेकी की थी तथा भारत में आतंकियों की घुसपैठ और ड्रोन भेजने की ▶▶ 8

टीएमसी का चुनाव चिन्ह कोई नहीं छीन सकता:ममता बनर्जी

पूर्व सीएम ममता का भाजपा पर हमला, बागियों पर भाजपा से मिलीभगत का आरोप

कोलकाता,(ईएमएस): तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख और पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी के भीतर असंतोष और बगावत को बढ़ावा देने की कोशिश की जा रही है तथा कुछ लोग भाजपा के साथ मिलकर तृणमूल कांग्रेस को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि पार्टी के चुनाव चिन्ह को लेकर भी साजिश रची जा रही है, लेकिन इसमें किसी को सफलता नहीं मिलेगी।

पूर्व सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस का चुनाव चिन्ह सुरक्षित है और उसे कोई नहीं छीन सकता। उन्होंने कहा, अगर जरूरत पड़ी तो मैं चुनाव चिन्ह को गले में टांगकर जनता के बीच चली जाऊंगी। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी के प्रतीक को लेकर किसी भी तरह की आशंका का कोई आधार नहीं है। इस दौरान ममता बनर्जी ने संगठन में बदलाव का भी ऐलान किया। ▶▶ 8

Nalanda Developers Presents
NALANDA ATMOSPHERE
(Commercial Cum Residential Project)
At Binod Bihari Chowk, Pandarpala, Beside Vishal Mega Mart, Dhanbad.

Available for Shops, Office, Resturents & Residential Flats (Map Approved by DMC, Dhanbad.)
Contact No. - 9334016016 / 9431121066 / 9835105510 / 7992436244

संपादकीय | सुस्त पड़ी अर्थव्यवस्था और विनिर्माण ने बढ़ाई चिंता

पश्चिम एशिया में संघर्ष समाप्त होने को लेकर बनी अनिश्चितता के बीच भारत की अर्थव्यवस्था के फिर से रफ्तार पकड़ने की संभावना फिलहाल नजर नहीं आ रही है। बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर में गिरावट और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के साथ अब देश में विनिर्माण गतिविधियों की वृद्धि भी धीमी पड़ गई है।

एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, विनिर्माण में वृद्धि का आंकड़ा इस वर्ष मई के 55.0 से घटकर जून में 54.2 पर पहुंच गया। यही नहीं, नई कारोबारी मांग और अंतरराष्ट्रीय बिक्री की वृद्धि दर सुस्त रहने से वस्तुओं की खरीद, रोजगार सृजन और उत्पादन की रफ्तार भी कम हो गई है। यानी कुछ उपक्रमों को छोड़ दिया जाए, तो देश के ज्यादातर क्षेत्रों की वृद्धि में गिरावट देखी जा रही है, जिसका सीधा असर अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है।

हालांकि, महंगाई से राहत दिलाने के लिए तेल कंपनियों ने बुधवार को वाणिज्यिक एलपीजी के 19 किलोग्राम वाले सिलेंडर पर 183.50 रुपये और विमान ईंधन में पांच रुपये प्रति लीटर की कटौती की है, लेकिन पिछले दिनों बढ़ाए गए दामों के मुकाबले यह राहत बेहद कम है।

इसमें दोराय नहीं कि पश्चिम एशिया में संघर्ष से उपजे संकट का असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ना तय था, लेकिन सवाल यह है कि सरकार की ओर से इसके प्रभाव को कम करने के लिए समय रहते वैकल्पिक उपाय तलाशने पर ध्यान क्यों नहीं दिया गया? ऐसा भी नहीं है कि सरकार इस संकट की संभावनाओं से अनभिज्ञ थी। दावे किए जाते रहे कि स्थिति को संभालने के लिए

आवश्यक कदम उठाए जाएंगे, मगर इन प्रयासों के सकारात्मक परिणाम धरातल पर कहीं नजर नहीं आते हैं। एचएसबीसी की मासिक सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक, इस वर्ष जून में भारतीय वस्तुओं की अंतरराष्ट्रीय मांग में वृद्धि की रफ्तार 39 महीनों में सबसे कमजोर रही। इससे यह अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि भारतीय निर्यात कारोबार पर कितना गहरा असर पड़ा है। सर्वेक्षण में कई कंपनियों ने माना है कि उन्हें हाल के दिनों में नई नियुक्तियां रोकनी पड़ीं या उन्हें कम कर दिया गया। इससे स्पष्ट है कि लोगों को रोजगार के मोर्चे पर भी नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

इसके अलावा मांग और बाजार की स्थिति को लेकर चिंता के कारण जून में निवेशकों और कारोबारियों का भरोसा भी कमजोर पड़ा है। खासकर विदेशी निवेशकों का भारतीय बाजार को लेकर रुख असमंजस भरा रहा है, जिस कारण विदेशी निवेश की निकासी का सिलसिला जारी है। सर्वेक्षण से पता चलता है कि आने वाले दिनों में स्थिति सामान्य होने को लेकर भी भरोसा घट रहा है। यही वजह है कि अगले एक वर्ष में उत्पादन बढ़ने का अनुमान लगाने वाली कंपनियों का अनुपात इस वर्ष मई की तुलना में जून में आधा रह गया है।

वहीं, तेल कंपनियों ने पश्चिम एशिया में संघर्ष से कीमतों में आई तेजी के बाद वाणिज्यिक एलपीजी और विमान ईंधन के दामों में पहली बार कटौती की है। मगर सवाल है कि क्या महंगाई से यह राहत अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और गैस के दामों में आई कमी के समान अनुपात में है? अक्सर यह देखा जाता है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें बढ़ने का हवाला देकर देश में ईंधन के दामों में बढ़ोतरी कर दी जाती है, लेकिन जब वैश्विक बाजार में कीमतें कम होती हैं, तो उनका पूरा लाभ उपभोक्ताओं को नहीं मिल पाता है।

500 करोड़ के घोटाले ने खोली भ्रष्टाचार की परतें

भ्रष्टाचार एक ऐसी दीमक है, जो किसी भी देश की प्रगति, अर्थव्यवस्था और लोकतांत्रिक मूल्यों को अंदर से खोखला कर देती है। व्यवस्था में यह रोग न केवल आम जनता के विश्वास को तोड़ता है, बल्कि विकास के अवसरों को सीमित कर समाज में असमानता की खाई को और गहरा कर देता है। देश में राजनीतिक दल चुनाव के दौरान भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाने का भरोसा दिलाते हैं, मगर सत्ता में आने के बाद उनकी नाक के नीचे करोड़ों रुपये के घोटालों की जमीन तैयार हो जाती है। इसका ताजा उदाहरण हरियाणा में करीब पांच सौ करोड़ रुपये का वह घोटाला है, जिसमें संलिप्तता के आरोप में बीते मंगलवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो ने एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी को उनकी सेवानिवृत्ति के दिन गिरफ्तार किया है। जाहिर है कि यह वित्तीय हेराफेरी एक-दो दिन या फिर सप्ताह भर में तो नहीं हुई होगी। ऐसे में सवाल है कि शासन-प्रशासन में उच्च पदों पर बैठे लोगों और सतर्कता एजेंसियों को इसकी भनक पहले क्यों नहीं लगी? देश में वित्तीय गड़बड़ियों पर अंकुश लगाने के लिए कानून

बनाए गए हैं। इसके बावजूद अगर भ्रष्टाचार का सिलसिला थम नहीं रहा है, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? सरकारी विभागों में कई ऐसे मामले होते हैं, जो कभी पकड़ में ही नहीं आते या फिर उन्हें जानबूझकर दबा दिया जाता है। जो मामले सामने आते हैं, उनमें भी ज्यादातर का खुलासा तब होता है, जब करोड़ों रुपये इधर से उधर कर दिए जाते हैं। हरियाणा में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक घोटाले में भी यही हुआ। गिरफ्तार किए गए वरिष्ठ आईएएस अधिकारी पर आरोप है कि उन्होंने राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में रहते हुए करीब 169 करोड़ रुपये का गबन किया है। इस मामले में दो बैंक अधिकारियों को भी गिरफ्तार किया गया है। इससे पता चलता है कि वित्तीय हेराफेरी को अंजाम देने के लिए साठगांठ के जरिए किस तरह एक तंत्र खड़ा कर दिया जाता है। जांच में सामने आया है कि संबंधित महकमे के जो करोड़ों रुपये बैंक खाते में भेजे गए, बाद में उन्हें फर्जी तरीके से निकाल लिया गया। इससे स्पष्ट है कि सरकारी विभागों में पारदर्शिता और जवाबदेही का किस कदर अभाव है।

आज का कार्टून

थोक महंगाई ने दी खतरे की घंटी...

> जब किसी छोटे कारखाने को कच्चे माल के लिए ज्यादा कीमत चुकानी पड़ती है और साथ ही उसे परिवहन और बिजली का भी भारी बिल चुकाना पड़ता है, तो उसका थोड़ा-बहुत मुनाफा भी खत्म हो जाता है। अगर वह अपनी चीजों की कीमत बहुत बढ़ा देता है, तो आम ग्राहक उसे खरीदना बंद कर देते हैं और बड़ी कंपनियों के उत्पाद खरीदने लगते हैं। इस दोहरी मार से कई छोटे कारखाने बंद होने के कगार पर पहुंच जाते हैं। जब ये बंद होते हैं, तो वहां काम करने वाले श्रमिकों का रोजगार भी छिन जाता है। किसी व्यक्ति का रोजगार जाने का मतलब है कि उस पूरे परिवार की सामान खरीदने की क्षमता खत्म हो जाना। जब लोग बाजार से सामान खरीदना कम कर देते हैं, तो मांग तेजी से घट जाती है और जब मांग घटती है, तो अर्थव्यवस्था की रफ्तार स्वाभाविक रूप से धीमी पड़ने लगती है। थोक महंगाई की यह नई रिपोर्ट केवल बढ़ती कीमतों का एक साधारण संकेत नहीं है, बल्कि यह हमारे उद्योग जगत के सामने खड़े एक बड़े आर्थिक संकट की चेतावनी भी है।

रंजना मिश्रा

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की ओर से हाल में जारी एक रिपोर्ट के आंकड़ों से पता चलता है कि मई 2026 में थोक महंगाई दर में भारी उछाल दर्ज किया गया और यह 9.68 प्रतिशत पर पहुंच गई है। अगर हम इसकी तुलना अप्रैल 2026 से करें, तो तब यह दर लगभग 8.3 प्रतिशत के करीब थी। केवल एक महीने के भीतर महंगाई का इतनी तेजी से ऊपर जाना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि देश की अर्थव्यवस्था में सब कुछ सामान्य नहीं चल रहा है। यह आंकड़ा देश के हर एक नागरिक, हर छोटे-बड़े व्यापारी और हर उद्योग पर पड़ने वाले सीधे असर की ओर इशारा करता है। महंगाई ने न केवल देश के शीर्ष नीति-निर्माताओं और अर्थशास्त्रियों को सोचने पर मजबूर कर दिया है, बल्कि आम जनता के घर के बजट को भी पूरी तरह बिगाड़ दिया है।

दरअसल, थोक महंगाई मुख्य रूप से वह दर है, जिस पर थोक बाजार में चीजों की बड़े पैमाने पर खरीद-बिक्री होती है। यानी जब कोई बड़ा कारखाना या उत्पादक अपना तैयार माल थोक विक्रेताओं या वितरकों को बेचता है, तो वस्तुओं की कीमतों में जो बदलाव आता है, उसे इसी दर से मापा जाता है। हालांकि, आम आदमी सीधे तौर पर थोक बाजार से सामान नहीं खरीदता है, लेकिन अर्थशास्त्र का यह नियम है कि जब थोक में सामान महंगा होता है, तो कुछ ही समय बाद खुदरा बाजार में भी उसी अनुपात में दाम बढ़ जाते हैं। थोक महंगाई आज की कड़वी सच्चाई है, जिसकी आंच कल आम आदमी की रसोई और जेब तक तेजी से पहुंचने वाली है।

केंद्र सरकार ने हाल ही में महंगाई को मापने के इस पारंपरिक तरीके में एक बड़ा बदलाव किया है। लगभग 14 वर्षों बाद थोक महंगाई सूचकांक के आधार वर्ष को पूरी तरह बदल दिया गया है। पहले यह आधार वर्ष 2011-12 हुआ करता था, लेकिन अब इसे अद्यतन कर वर्ष 2022-23 कर दिया गया है। इस बदलाव का मुख्य उद्देश्य आज की बदलती अर्थव्यवस्था की असली तस्वीर को सामने लाना है।

इतना ही नहीं, पहले के सूचकांक में सिर्फ 697 वस्तुओं की कीमतों पर नजर रखी जाती थी, लेकिन अब नई प्रणाली में 957 अलग-अलग वस्तुओं को शामिल कर लिया गया है। इस नए सूचकांक में सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और परमाणु बिजली को पहली बार शामिल किया गया है। इसके साथ ही, कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस को प्राथमिक वस्तुओं की श्रेणी से हटाकर 'ईंधन और ऊर्जा' के समूह में डाल दिया गया है। सरकार ने इस मूल्य निर्धारण प्रणाली को दुनिया के विकसित देशों के मानकों के अनुरूप बनाने के लिए और अधिक पारदर्शी तरीके से 'प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स' (पीपीआई) की शुरुआत भी की है।

सवाल है कि थोक महंगाई ने अचानक इतनी तेज छलांग क्यों लगाई? दरअसल, थोक महंगाई की इस आग में सबसे ज्यादा घी डालने का काम ईंधन की कीमतों ने किया है। नई रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि मई 2026 में ईंधन और ऊर्जा क्षेत्र की महंगाई दर 30.33 प्रतिशत के चिंताजनक स्तर पर पहुंच गई, जो अप्रैल में 24.89 प्रतिशत थी। इसका प्रमुख कारण पश्चिम एशिया में चल रहा भू-राजनीतिक तनाव और देशों के बीच का संघर्ष है। जब भी दुनिया के उस संवेदनशील हिस्से में अशांति होती है, जहां से पूरी दुनिया को कच्चा तेल मिलता है, तो ईंधन की कीमतें आसमान छूने लगती हैं। भारत अपनी जरूरत का ज्यादातर कच्चा तेल विदेश से ही खरीदता है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आए भारी उछाल ने भारत की घरेलू अर्थव्यवस्था की रफ्तार को धीमा कर दिया है।

दूसरी ओर, खाद्य महंगाई हमेशा से भारत जैसे विशाल आबादी वाले देश में संवेदनशील मुद्दा रही है, क्योंकि एक आम भारतीय परिवार की आय का बहुत बड़ा हिस्सा सिर्फ खाने-पीने की बुनियादी चीजों पर ही खर्च होता है। रिपोर्ट के अनुसार, मई 2026 में खाने-पीने की चीजों की थोक महंगाई दर भी तेजी से उछलकर 4.49 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जो अप्रैल में 3.11 प्रतिशत के स्तर पर थी। अगर हम सिर्फ प्राथमिक खाद्य वस्तुओं के सूचकांक को देखें, तो यह दर 3.60 प्रतिशत तक जा पहुंची है। यानी अनाज, फल और दूध जैसी बुनियादी चीजों के दाम भी थोक मंडियों में तेजी से बढ़ रहे हैं। विशेष रूप से तिलहन और मसालों की कीमतों में भारी उछाल देश भर में चिंता का विषय बना हुआ है।

इसके पीछे मुख्य रूप से दो बड़े कारण जिम्मेदार हैं। पहला, माल ढुलाई का महंगा होना, क्योंकि किसानों के खेतों से निकलकर मंडियों और फिर दुकानों तक अनाज पहुंचाने में डीजल का भारी मात्रा में इस्तेमाल होता है। दूसरा बड़ा कारण मौसम की अनिश्चितता और जलवायु परिवर्तन है। पिछले कुछ समय में कम बारिश, बेमौसम बरसात और बढ़ते तापमान ने कृषि उत्पादन पर काफी बुरा असर डाला है।

इस महंगाई का एक और बेहद गंभीर पहलू हमारे देश के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) से सीधे तौर पर जुड़ा है। ये छोटे उद्योग हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाते हैं और सबसे अधिक रोजगार इन्हीं क्षेत्रों से पैदा होता है। जब बड़े कारखानों में महंगाई बढ़ती है, तो उनके पास अक्सर इतना पैसा और बाजार की शक्ति होती है कि वे उस झटके को सह सकें या उसे आसानी से ग्राहकों तक पहुंचा सकें, लेकिन छोटे उद्योगों के पास यह सुविधा नहीं होती।

जब किसी छोटे कारखाने को कच्चे माल के लिए ज्यादा कीमत चुकानी पड़ती है और साथ ही उसे परिवहन और बिजली का भी भारी बिल चुकाना पड़ता है, तो उसका थोड़ा-बहुत मुनाफा भी खत्म हो जाता है। अगर वह अपनी चीजों की कीमत बहुत बढ़ा देता है, तो आम ग्राहक उसे खरीदना बंद कर देते हैं और बड़ी कंपनियों के उत्पाद खरीदने लगते हैं। इस दोहरी मार से कई छोटे कारखाने बंद होने के कगार पर पहुंच जाते हैं। जब ये बंद होते हैं, तो वहां काम करने वाले श्रमिकों का रोजगार भी छिन जाता है।

किसी व्यक्ति का रोजगार जाने का मतलब है कि उस पूरे परिवार की सामान खरीदने की क्षमता खत्म हो जाना। जब लोग बाजार से सामान खरीदना कम कर देते हैं, तो मांग तेजी से घट जाती है और जब मांग घटती है, तो अर्थव्यवस्था की रफ्तार स्वाभाविक रूप से धीमी पड़ने लगती है।

थोक महंगाई की यह नई रिपोर्ट केवल बढ़ती कीमतों का एक साधारण संकेत नहीं है, बल्कि यह हमारे उद्योग जगत के सामने खड़े एक बड़े आर्थिक संकट की चेतावनी भी है। जब तक ऊर्जा की अपनी जरूरतों के लिए भारत की निर्भरता दूसरे देशों के कच्चे तेल पर ज्यादा बनी रहेगी, तब तक देश की अर्थव्यवस्था इसी तरह विदेशी झटकों का शिकार होती रहेगी। इस समस्या का एकमात्र स्थायी समाधान यही है कि भारत को सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन जैसे वैकल्पिक एवं स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों की तरफ अपने कदम मजबूती से बढ़ाने होंगे, ताकि वह ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सके।

मोदी के ट्रेड विजन से देश के लिए खुले वैश्विक द्वार

> ब्रिटेन के साथ ऐतिहासिक व्यापार समझौता, जो 15 जुलाई से लागू हो रहा है, भारतीय किसानों, लघु एवं मध्यम उद्यमों, मछुआरों, स्टार्टअप्स और कारीगरों के लिए वैश्विक अवसर पैदा करेगा और समृद्धि लाएगा. इससे रोजगार के ढेरों अवसर सृजित होंगे और भारतीय नागरिकों को उचित मूल्य पर उच्च गुणवत्ता वाले सामान उपलब्ध होंगे, जिससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 मिशन को आगे बढ़ाया जा सकेगा. भारत और ब्रिटेन के बीच हुए व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) से ब्रिटेन में भारतीय वस्तुओं की सभी क्षेत्रों, विशेषकर श्रम-प्रधान क्षेत्रों में व्यापक बाजार पहुंच सुनिश्चित होगी. इस पारस्परिक लाभ वाले समझौते के तहत लगभग 99 प्रतिशत भारतीय उत्पादों पर टैरिफ तुरंत समाप्त हो जाएंगे, जिससे लगभग 100 प्रतिशत व्यापार मूल्य कवर होगा और भारतीय निर्यात के लिए अपार अवसर पैदा होंगे.

पीयूष गोयल

सीईटीए एक जन-केंद्रित समझौता है जिस पर पिछले वर्ष प्रधानमंत्री मोदी और ब्रिटिश प्रधानमंत्री सर कीर स्टारमर की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए थे. इससे समाज के सभी वर्गों को लाभ मिलता है. किसानों को अपने घरेलू हितों से समझौता किए बिना उच्च गुणवत्ता वाले निर्यात बाजारों तक पहुंच प्राप्त होती है. मछुआरों को विशाल ब्रिटिश बाजार में सी-फूड के निर्यात में वृद्धि का लाभ मिलता है. श्रमिकों को श्रम-प्रधान क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर मिलते हैं. महिला उद्यमियों, युवाओं, स्टार्टअप्स और लघु एवं मध्यम उद्यमों को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं तक बेहतर पहुंच प्राप्त होती है. पेशेवरों को गतिशीलता और मान्यता के बेहतर अवसर मिलते हैं. सीईटीए समझौते से भारतीय किसानों के लिए ब्रिटेन का प्रीमियम बाजार खुल जाएगा, जिससे उन्हें अन्य यूरोपीय देशों के बराबर या उससे भी अधिक लाभ प्राप्त होंगे. हल्दी, काली मिर्च, इलायची और आम का पल्प, अचार और दालों जैसे प्रसंस्कृत उत्पादों पर कोई शुल्क नहीं लगेगा. कृषि निर्यात में वृद्धि से किसानों की आय बढ़ेगी और गुणवत्ता, पैकेजिंग और प्रमाणीकरण के लिए प्रोत्साहन मिलेगा. इससे कृषि से संबंधित क्षेत्र में अनेक रोजगार सृजित होंगे. साथ ही, सीईटीए से घरेलू किसानों, विशेष रूप से डेयरी उत्पादों, अनाज, बाजरा, सेब, जई और खाना पकाने के तेल उत्पादन से जुड़े किसानों की सुरक्षा के लिए भारत के सबसे संवेदनशील कृषि क्षेत्रों को इससे बाहर रखा गया है. ये बहिष्करण मोदी सरकार की खाद्य सुरक्षा, घरेलू मूल्य स्थिरता और कमजोर कृषि समुदायों को प्राथमिकता देने की रणनीति को दर्शाते हैं. ब्रिटेन के विशाल बाजार में तत्काल शुल्क-मुक्त प्रवेश से भारतीय विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा, जिससे पारंपरिक कारीगरों, बड़े कारखानों और क्षेत्रीय औद्योगिक केंद्रों को प्रभावी ढंग से प्रतिस्पर्धा करने में मदद मिलेगी. भारतीय उत्पादों को प्रतिद्वंद्वियों पर स्पष्ट प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिलने से छोटे व्यवसायों को भी लाभ होगा. शुल्क हटाने से लंबे समय से चली आ रही टैरिफ संबंधी बाधाओं का समाधान हो जाएगा, खासकर श्रम-प्रधान क्षेत्रों में, और इससे निर्यात प्रतिस्पर्धा में तत्काल लाभ होने की उम्मीद है. ब्रिटेन ने भारत के लिए अब तक की सबसे व्यापक सेवा प्रतिबद्धताओं में से एक प्रदान की है, जिसमें सभी प्रमुख सेवा क्षेत्र और निर्यात के लिए महत्वपूर्ण 137 उप-क्षेत्र शामिल हैं. बेहतर बाजार पहुंच और नियामकीय निश्चितता से आईटी और आईटी-सक्षम सेवाओं, वित्तीय सेवाओं, पेशेवर सेवाओं, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, इंजीनियरिंग, दूरसंचार और परामर्श सेवाओं में भारतीय सेवा प्रदाताओं को सहायता मिलेगी.

भारत ने संविदा सेवा प्रदाताओं, व्यावसायिक यात्रियों, निवेशकों, योग प्रशिक्षकों, संगीतकारों और रसोइयों सहित कुशल पेशेवरों के लिए अनुकूल आवागमन प्रावधान सुनिश्चित किए हैं. यह समझौता व्यावसायिक आगंतुकों, कंपनी के भीतर स्थानांतरित कर्मचारियों, संविदा सेवा आपूर्तिकर्ताओं, स्वतंत्र पेशेवरों और निवेशकों के लिए भी सुगम आवागमन मार्ग प्रदान करता है. प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वस्तुओं और सेवाओं से कहीं आगे बढ़कर नए मानक स्थापित करते हैं. ईएफटीए देशों (यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ) - स्विट्जरलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड और लिकटेंस्टीन - के साथ भारत ने 100 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता हासिल की है, जिससे दस लाख प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की उम्मीद है. न्यूजीलैंड के साथ एफटीए में, देश ने 15 वर्षों में 20 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता प्राप्त की, जबकि ऑस्ट्रेलिया के साथ एफटीए ने दोहरे कराधान के मुद्दे को हल किया, जिससे भारतीय आईटी कंपनियां परेशान थीं.

ब्रिटेन के साथ हुए समझौते का एक महत्वपूर्ण पहलू दोहरा सामाजिक सुरक्षा अंशदान है. सीईटीए के साथ लागू होने वाली यह ऐतिहासिक व्यवस्था, भारतीय श्रमिकों और नियोक्ताओं को अस्थायी कार्य के दौरान ब्रिटेन में दोहरा सामाजिक सुरक्षा अंशदान करने से छूट देती है. 2014 में, अर्थव्यवस्था संघर्ष कर रही थी और संभावित निवेशकों का विश्वास कम हो रहा था. नीतिगत अस्थिरता और भारी-भरकम रकम से जुड़े भ्रष्टाचार घोटालों से भरे एक दशक के बाद भारत को 'कमजोर पांच' अर्थव्यवस्थाओं में से एक माना जाता था. मोदी सरकार ने भारतीय अर्थव्यवस्था में वैश्विक विश्वास को फिर से स्थापित करने और इसे निवेशकों के लिए आकर्षक बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित दृष्टिकोण अपनाया. विकसित देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर करना अगला कदम था. एफटीए व्यापार नीतियों को लेकर अनिश्चितता को कम करके निवेशकों के विश्वास को भी बढ़ाते हैं. सरकार ने विकसित अर्थव्यवस्थाओं के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) किए, जो बड़े बाजार उपलब्ध कराते हैं और भारत के मूल व्यापारिक हितों से सीधे तौर पर प्रतिस्पर्धा नहीं करते. इससे दोनों पक्षों को लाभ होता है, जबकि पिछली सरकार ने प्रतिस्पर्धियों के लिए भारत के दरवाजे लापरवाही से खोलकर भारतीय व्यवसायों को खतरे में डाल दिया था.

अस्थिर वैश्विक अर्थव्यवस्था में, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत को आज एक मजबूत अर्थव्यवस्था और एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में व्यापक सम्मान प्राप्त है. इसने एक आकर्षक बाजार के साथ एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में अपनी पहचान स्थापित की है और विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है. क्रांतिकारी सुधारों, व्यापार करने में आसानी में सुधार और प्रधानमंत्री की वैश्विक प्रतिष्ठा ने भारत को एक आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने में मदद की है.आज, दुनिया भारत के विकास की गाथा में भागीदार बनना चाहती है और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर हस्ताक्षर करना चाहती है. इन व्यापार समझौतों ने घरेलू बाजार के क्रमिक रूप से खुलने को भी सुनिश्चित किया है. इससे भारतीय बाजार अधिक प्रतिस्पर्धी बनता है और स्थानीय निर्माताओं को प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाले सामान बनाने के लिए प्रोत्साहन मिलता है, जो प्रधानमंत्री के विकसित भारत मिशन का एक प्रमुख तत्व है. सीईटीए प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच न्यायसंगत और महत्वाकांक्षी व्यापार समझौतों का एक आदर्श है. यह भारत के मूल हितों से समझौता किए बिना वंचित देशों के लिए आकर्षक वैश्विक अवसर खोलता है. यह इस बात का एक उत्कृष्ट उदाहरण है कि नया भारत किस प्रकार व्यापार करता है.

भगोड़े गैंगस्टर प्रिंस के घर पर चला बुलडोजर

धनबाद (कासं) : धनबाद पुलिस ने भगोड़े गैंगस्टर प्रिंस खान के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए वासेपुर स्थित उसके घर पर बुलडोजर चलाया। कोर्ट के कुर्कीजब्ती आदेश के तहत की गई। इस कार्रवाई के दौरान पूरे इलाके को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया। तीन डीएसपी, छह थानों की पुलिस और भारी सुरक्षा बल की मौजूदगी में मकान को ध्वस्त किया गया।

पुलिस का कहना है कि लगातार जब्ती की कार्रवाई के कारण मकान जर्जर हो चुका था, जिसे सुरक्षा के मद्देनज़र गिराया गया। पूरे अभियान की वीडियोग्राफी भी कराई गई। सुबह धनबाद पुलिस की टीम भारी सुरक्षा व्यवस्था के साथ वासेपुर पहुंची। एसएसपी प्रभात कुमार के निर्देश पर कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए भगोड़े गैंगस्टर प्रिंस खान के घर की कुर्कीजब्ती की कार्रवाई की गई। इस दौरान बुलडोजर से जर्जर मकान को ध्वस्त किया गया। कार्रवाई के दौरान इलाके में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए और मीडिया को भी सुरक्षा कारणों से निर्धारित दूरी पर रखा गया।

सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने बताया कि न्यायालय के आदेश के तहत प्रिंस खान के घर की कुर्कीजब्ती की प्रक्रिया पूरी की गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि लगातार जब्ती की कार्रवाई के कारण मकान जर्जर हो चुका था, इसलिए उसे बुलडोजर से गिराया गया। पुलिस के अनुसार यह पूरी कार्रवाई कानून के दायरे में की गई है और इसकी वीडियोग्राफी भी कराई गई। माना जा रहा है कि हाल ही में निरसा विधायक अरूप चटर्जी को कथित धमकी मिलने के बाद पुलिस ने प्रिंस खान के खिलाफ कार्रवाई और तेज कर दी है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से कार क्षतिग्रस्त

कतरास (सासे) : ईस्ट कतरास में देर रात करीब १:३० बजे एक अज्ञात वाहन की टक्कर से स्विफ्ट डिजायर (जे एच१० एस११४९) दुर्घटनाग्रस्त हो गई। कार में पांच लोग सवार थे, जिनमें कुछ को आंशिक चोटें आई हैं। घायलों को इलाज के लिए स्थानीय नर्सिंग होम भेजा गया। बताया जा रहा है कि कार कतरास से सिनीडीह की ओर जा रही थी। हादसे के बाद टक्कर मारने वाला वाहन चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि अज्ञात वाहन और उसके चालक की पहचान की जा सके। पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

अज्ञात युवक का शव बरामद, हत्या की आशंका

महुदा (सासे) : महुदा थाना अंर्तगत तेलमोद्धो पंचायत के नूतनडीह कुंजी के जंगल में सुबह २२ वर्षीय अज्ञात युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव नीम के पेड़ की टहनी से शर्ट के सहारे लटक रहा था।

शव के पैर से टपक रहे खून को देख लोग हत्या की आशंका जता रहे थे। सूचना पाकर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और तहकीकात की। शव मिलने की सूचना पाकर आसपास गांव से काफी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव की पहचान कराने की कोशिश की, लेकिन समाचार लिखे जाने तक किसी ने भी शिनाख्त नहीं की। पुलिस ने पंचनामा तैयार कर शव को कैंजे में लेकर थाना ले आई है। जानकारी के अनुसार एक महिला धान का बीज डालने के लिए खेत गयी थी। उसकी नजर पेड़ की टहनी से लटकता शव पर पड़ी। महिला की सूचना पर ग्रामीणों की भीड़ वहां जुट गई। शव के पैर से खून टपक रहा था। मृतक का पैंट पेड़ के पास पड़ा हुआ था। मृतक के लाल रंग की शर्ट को ही फंदा बनाया गया था, जबकि उसके शरीर पर मात्र अंडरवीयर था। शव की इस स्थिति को देख ग्रामीण कयास लगा रहे थे कि किसी दूसरे जगह हत्या कर साक्ष्य छिपाने की नीयत से हत्यारों ने शव को यहां लटका दिया है। पुलिस हर बिंदु को ध्यान में रखकर जांच में जुटी है।

विधायक अरूप पहुंचे निरसा थाना, धमकी मामले में दिया आवेदन

निरसा (कासं) : निरसा के विधायक निरसा थाना पहुंचे और कथित तौर पर मिली धमकी के मामले में थाना प्रभारी को लिखित आवेदन सौंपा। विधायक ने आवेदन के माध्यम से आरोप लगाया कि उन्हें लगातार धमकी भरे संदेश मिल रहे हैं, जिससे उनकी और उनके समर्थकों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। विधायक ने आवेदन में धमकी देने के पीछे कुख्यात अपराधी प्रिंस खान का नाम लेते हुए उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों की जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

थाना परिसर में मीडिया से बातचीत के दौरान विधायक ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनप्रतिनिधियों को इस तरह की धमकियां मिलना बेहद गंभीर मामला है। उन्होंने कहा कि कानून अपना काम करेगा और दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाना चाहिए। वहीं, निरसा थाना पुलिस ने आवेदन प्राप्त होने की पुष्टि करते हुए बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। आवेदन में लगाए गए आरोपों के आधार पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके अनुरूप आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इस घटना के बाद क्षेत्र में राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर भी चर्चा तेज हो गई है। स्थानीय लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

मेरे साथ कुछ भी हुआ तो सांसद व प्रिंस खान होंगे जिम्मेदार : विधायक अरूप

धनबाद (कासं) : निरसा विधायक अरूप चटर्जी ने धनबाद परिसदन में आयोजित प्रेस वार्ता में सांसद ढुलू महतो और फरार गैंगस्टर प्रिंस खान पर गंभीर आरोप लगाया। विधायक ने कहा कि उन्हें मिली रंगदारी और जान से मारने की धमकी के पीछे सांसद ढुलू महतो का हाथ है। इस मामले में उन्होंने निरसा थाना में सांसद ढुलू महतो और प्रिंस खान के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

अरूप चटर्जी ने कहा कि दो दिन पहले उन्होंने प्रेस वार्ता कर सांसद ढुलू महतो के कथित अवैध कारोबार और गैंगस्टर प्रिंस खान से उनके संबंधों की जांच की मांग की थी। उनका आरोप है कि इन सवालों का जवाब देने के बजाय उन्हें प्रिंस खान के माध्यम से धमकी दिलाई गई। विधायक ने कहा कि एफआईआर में उन्होंने स्पष्ट उल्लेख किया है कि ढुलू महतो के इशारे पर ही प्रिंस खान धनबाद में लोगों को धमकाकर रंगदारी वसूलता है और उनकी कथित अवैध संपत्ति की सुरक्षा करता है।

विधायक ने बताया कि बीती शाम जब वह रांची में विधानसभा में मौजूद थे, तभी उनके मोबाइल पर प्रिंस खान का धमकी भरा संदेश आया। इसके बाद उन्होंने तत्काल धनबाद के एसएसपी और मीडिया को इसकी जानकारी दी तथा अब इस पूरे मामले में एफआईआर दर्ज कराई है। अरूप चटर्जी ने सांसद ढुलू महतो के बयान पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यदि उन्हें विगत १ जुलाई को धमकी मिली थी तो इसकी जानकारी तुरंत क्यों नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि या तो दोनों के बीच संबंध हैं या फिर सांसद को मिला धमकी का संदेश फर्जी है। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र में उनकी सरकार होने के बावजूद यदि उन्हें धमकी मिलती है और वे चुप रहते हैं, तो यह कई सवाल खड़े करता है। विधायक ने कहा कि प्रिंस खान की गिरफ्तारी राज्य सरकार अकेले नहीं कर सकती, क्योंकि वह भारत में नहीं बल्कि पाकिस्तान में छिपा हुआ है। ऐसे में उसकी गिरफ्तारी इंटरपोल जैसी अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों की मदद से ही संभव है। उन्होंने मांग की कि प्रिंस खान के पूरे नेटवर्क और उसके कथित संरक्षकों की भी निष्पक्ष जांच कर उन्हें बेनकाब किया जाए। अरूप चटर्जी ने कहा कि यदि भविष्य में उनके साथ कोई अप्रिय घटना होती है तो उसके लिए सांसद ढुलू महतो और प्रिंस खान जिम्मेदार होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि अपनी कथित ४० से ५० हजार करोड़ रुपये की संपत्ति बचाने के लिए ढुलू महतो किसी भी हद तक जा सकते हैं। प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने यह भी कहा कि मुंबई की तर्ज पर धनबाद में भी भाई संस्कृति विकसित की जा रही है और ढुलू भाई पहला भाई बनेगा धनबाद का।

विधायक को धमकी मिलना चिंताजनक : माकपा

धनबाद (कासं) : माकपा का राज्य सचिवमंडल विधायक अरूप चटर्जी को दुबई से प्रिंस खान के नाम पर धमकी मिलने पर इसे काफी चिंताजनक घटना माना है।

सीपीआई (एम) का झारखंड सचिवमंडल राज्य के डीजीपी और गृह सचिव से इस घटना की उच्चस्तरीय जांच कर अरुप चटर्जी को सुरक्षा दिए जाने की मांग करता है। एक निर्वाचित जन प्रतिनिधि और ट्रेड यूनियन नेता को इस प्रकार की धमकी मिलना राज्य में कानून व्यवस्था के कमजोर होने और अपराधियों के मनोबल के बढ़ने का संकेत है। माकपा इस घटना की भर्त्सना करते हुए अरूप चटर्जी की सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने की मांग करता है।

शहीद हीरा झा की पुण्यतिथि मनी

धनबाद (कासं) : सीआरपीएफ के वीर शहीद कमांडेंट हीरा कुमार झा की १२वीं पुण्यतिथि पर हीरापुर स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर सीआरपीएफ के अधिकारियों, जवानों, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने उनके अदम्य साहस एवं सर्वोच्च बलिदान को याद किया। इसके साथ ही पार्क मार्केट मैदान में पौधारोपण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जेएमएम नेत्री डॉ. नीलम मिश्रा, भाजपा कार्यकर्ता संजय झा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

इस मौके पर १५४वीं बटालियन सीआरपीएफ के उप कमांडेंट अमित कुमार झा ने बताया कि शहीद हीरा कुमार झा वर्ष २०१४ में सीआरपीएफ की ७ वीं बटालियन में गिरिडीह में तैनात थे। विगत ३ जुलाई २०१४ को सूचना मिली थी कि एक शीर्ष माओवादी जमुई क्षेत्र में छिपा हुआ है। सूचना के सत्यापन और अभियान के लिए झारखंड पुलिस, बिहार पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम रवाना हुई, जिसका नेतृत्व कमांडेंट हीरा कुमार झा कर रहे थे। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान माओवादियों ने सुरक्षा बलों पर अचानक फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने भी मोर्चा संभाला। इसी दौरान हीरा कुमार झा गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उपचार के दौरान उन्होंने वीरगति प्राप्त की। उप कमांडेंट अमित कुमार झा ने कहा कि इस अभियान में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली थी।

कई नक्सलियों को मार गिराया गया तथा भारी मात्रा में हथियार और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई थी। उन्होंने कहा कि शहीद हीरा कुमार झा का बलिदान केवल उनके परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे धनबाद और देश के लिए गर्व का विषय है।

शिवलिंग स्थापना व प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव शुरू

पुटकी (सासे) : लोयाबाद पावर हाउस स्थित नवनिर्मित श्री श्री विशेश्वर नाथ सार्वजनिक शिव मंदिर एवं श्री श्री माँ काली मंदिर का पांच दिवसीय शिवलिंग स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ धूमधाम से हुआ। आचार्य राजेन्द्र मिश्रा, अजित कुमार मिश्रा, भुवन मिश्रा, गोविन्द मिश्रा, मुन्ना तिवारी एवं काली मंदिर के पुरोहित रामलाल तिवारी के द्वारा प्रथम दिवस पूरे विधिविधान से गौरी गणेश आवाहन, नवग्रह पूजन, जलाधिवास, रमायण पाठ, शिव श्रोत पाठ संध्या आरती के साथ संपन्न हुआ। मुख्य यजमान सत्यनारायण भद्रा सह पत्नी देव जानी भद्रा उपस्थित थे। पूरे मंदिर परिसर को आर्कषक विद्युत लाइटों और फूलों से सजाया गया। भक्तिमय संगीत से पूरा क्षेत्र भक्ति मय हो गया। आयोजन को सफल बनाने मे मातृशक्ति मंदिर समिति, नारायण सेवा संघ, मंदिर कमिटी के सदस्यों का अहम योगदान रहा।

फिर फटी झमाडा की पाइप, हजारों लीटर पानी बर्बाद

जोइापोखर/कालीमेला (सासे) : झमाडा द्वारा डुमरी काली मेला के पास क्षतिग्रस्त पानी की पाइपलाइन की मरम्मत विगत शुक्रवार को ही की गई थी, लेकिन मरम्मत के महज एक दिन बाद ही पाइप दोबारा फट गई। पाइप फटने से हजारों लीटर पेयजल सड़क पर बह गया, जिससे पानी की भारी बर्बादी हो रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पाइपलाइन की मरम्मत सही तरीके से नहीं की गई, जिसके कारण यह फिर से क्षतिग्रस्त हो गई। लोगों ने झमाडा से जल्द स्थायी समाधान निकालने और पानी की बर्बादी रोकने की मांग की है। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें तेज़ धार के साथ पानी बहता हुआ दिखाई दे रहा है। हालांकि, इस संबंध में झमाडा की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

बीसीसीएल के परियोजना प्रभावित विद्यार्थियों में आईएसएम ने जगाई विज्ञान के प्रति रुचि

धनबाद (कासं) : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान धनबाद आईआईटीआईएसएम ने बीसीसीएल के कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) कार्यक्रम के तहत जी.एन.एम. प्लस२ स्कूल, कतरासगढ़ में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) आधारित जागरूकता एवं प्रेरणा कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें कक्षा ९ से १२ तक के २२० विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन आईआईटीआईएसएम के प्रबंधन अध्ययन एवं औद्योगिक अभियांत्रिकी विभाग की प्रो. रश्मि सिंह ने कार्यक्रम समन्वयक के रूप में किया, जबकि प्रो. नीलाद्रि दास कार्यक्रम सह-समन्वयक रहे।

यह पहल बीसीसीएल के परियोजना प्रभावित परिवारों (प्रोजेक्ट अफेक्टेड पर्सन्स-पीएपी) के बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने और उन्हें प्रयोगों के माध्यम से सीखने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को बैलून ब्लोअप, कैंडल वाटर राइजिंग, टर्मरिक इंडिकेटर, एलीफेंट टूथपेस्ट और लावा लैंप जैसे रोचक वैज्ञानिक प्रयोग कराए गए। इन प्रयोगों के माध्यम से रासायनिक अभिक्रिया, गैस का निर्माण, वायु दाब, घनत्व, पीएच संकेतक और उत्प्रेरक जैसी वैज्ञानिक अवधारणाओं को सरल तरीके से समझाया गया। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ इन गतिविधियों में भाग लिया। प्रो. रश्मि सिंह ने कहा, हमारा उद्देश्य विज्ञान को बच्चों के लिए रोचक, सरल और सभी की पहुंच में लाना है।

प्रयोगों के माध्यम से सीखने से बच्चों में जिज्ञासा बढ़ती है और वे विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होते हैं। हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण एसटीईएम शिक्षा का अवसर मिलना चाहिए।

प्रो. नीलाद्रि दास ने कहा, यह कार्यक्रम केवल विज्ञान की जानकारी देने तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में तार्किक सोच, विश्लेषण करने की क्षमता और समस्या समाधान का कौशल विकसित करने का भी प्रयास है। हमारा लक्ष्य ऐसे युवाओं को तैयार करना है जो भविष्य में नवाचार और नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ सकें। कार्यक्रम में जी.एन.एम. प्लस२ स्कूल की प्राचार्य रेखा साहू, विद्यालय के शिक्षक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल की सराहना की। इस अवसर पर बीसीसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया, महाप्रबंधक (कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी) सुरेंद्र भूषण, महाप्रबंधक (कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी) कुमार मनोज, कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी प्रबंधक अभिजीत मित्रा तथा बीसीसीएल के सीएसआर विभाग के अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि परियोजना प्रभावित परिवारों के बच्चों तक गुणवत्तापूर्ण एसटीईएम शिक्षा पहुंचाने के लिए ऐसे कार्यक्रम आगे भी विभिन्न विद्यालयों में आयोजित किए जाएंगे।

जेएलकेएम ने किया केंद्रीय महिला मोर्चा का गठन, अंजु बनीं कोषाध्यक्ष

धनबाद (कासं) : झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) ने संगठन को महिला स्तर पर मजबूत करने की दिशा में केंद्रीय महिला मोर्चा का गठन कर विभिन्न पदों पर पदाधिकारियों की घोषणा की है। पार्टी ने राज्य के विभिन्न जिलों से महिला कार्यकर्ताओं का चयन कर उन्हें संगठनात्मक जिम्मेदारियां सौंपी हैं। धनबाद जिले की महिलाओं को भी महत्वपूर्ण स्थान मिला है। लक्ष्मी महतो और कुंती देवी को वरीय उपाध्यक्ष बनाया गया है, जबकि शहनाज प्रवीण को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है।

आरती कुमारी को सचिव तथा अंजु कुमारी को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसके अलावा कार्यकारिणी सदस्य एवं अन्य पदों पर भी विभिन्न जिलों की महिला कार्यकर्ताओं को शामिल किया गया है। पार्टी नेतृत्व ने कहा कि केंद्रीय महिला मोर्चा के गठन का उद्देश्य संगठन को गांव और पंचायत स्तर तक मजबूत बनाना तथा महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। नेतृत्व ने विश्वास जताया कि नई टीम संगठन की नीतियों और कार्यक्रमों को जनजन तक पहुंचाने के साथ महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी प्रभावी भूमिका निभाएगी।

स्वास्थ्य व जागरूकता शिविर का आयोजन

धनबाद (कासं) : नारायणी चैरिटेबल ट्रस्ट और भारतीय स्टेट बैंक के संयुक्त तत्वावधान में उड़िया पट्टी धनबाद में एक दिवसीय स्वास्थ्य एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी सीमांत क्षेत्रों के बच्चों, युवाओं और महिलाओं को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ना तथा उनके बीच स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देना था। शिविर में फिजियोथेरेपी, आॅक्युपेशनल थेरेपी, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट परामर्श तथा स्वास्थ्य मार्गदर्शन जैसी विभिन्न सेवाएं पूर्णतः निःशुल्क प्रदान की गई। विशेष रूप से गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले परिवारों को सभी सुविधाएं बिना किसी शुल्क के उपलब्ध कराई गईं। इस अवसर पर स्थानीय निवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया। आयोजन ने स्वास्थ्य जागरूकता और महिलाओं को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ना और समुदाय में आत्मनिर्भरता की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। शिविर में संयुक्त पहल का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य एवं जागरूकता की सुविधा पहुँचाना था, ताकि अधिक से अधिक लोग इस पहल का लाभ उठा सकें।

कोई भी पात्र मतदाता छूटे नहीं, प्रत्येक पात्र मतदाता जुड़े- यही अभियान का उद्देश्य है

गिरिडीह (ससे): भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार संचालित मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के सफल, पारदर्शी एवं सुचारू क्रियान्वयन को लेकर गिरिडीह जिला प्रशासन पूरी गंभीरता एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव के निर्देश पर जिले के विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों में व्यापक स्तर पर मतदाता जागरूकता रैली एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक नागरिक इस महत्वपूर्ण अभियान से जुड़कर अपने मतदाता संबंधी दायित्वों का समयबद्ध निर्वहन कर सकें। इसी क्रम में आज रामकृष्ण विवेकानंद कॉलेज ऑफ एजुकेशन, बगोदर के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण के प्रति जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महाविद्यालय परिसर से प्रारंभ होकर यह रैली नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए आमजन को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की जानकारी देने के साथ-साथ योग्य नागरिकों से समय पर गणना प्रपत्र भरने तथा मतदाता सूची में आवश्यक संशोधन, नाम जोड़ने एवं त्रुटियों के निराकरण हेतु आगे आने का आह्वान किया।

रैली के दौरान प्रतिभागियों ने सच्चे लोकतंत्र की यही पहचान, हर योग्य नागरिक करे मतदान, जागरूक मतदाता, देश का विधाता जैसे प्रेरणादायी नारों के माध्यम से लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त बनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं आम नागरिकों में मतदान के अधिकार के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाना है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव ने कहा कि मतदाता सूची का शुद्ध एवं अद्यतन होना लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है।

एसआईआर-२०२६ अभियान प्रत्येक पात्र नागरिक को मतदाता सूची में शामिल करने तथा त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने सभी शैक्षणिक संस्थानों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं आम नागरिकों से अपील की कि वे इस अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए अपने परिवार, पड़ोस एवं समाज के सभी पात्र मतदाताओं को समय पर गणना प्रपत्र भरने एवं आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए प्रेरित करें। जिला प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि डखठ-२०२६ अभियान की जानकारी जिले के प्रत्येक गांव, पंचायत एवं शहरी क्षेत्र तक पहुंचे। इसके लिए जागरूकता रैलियों, जनसंवाद, विशेष शिविरों, प्रचार-प्रसार एवं विभिन्न माध्यमों से व्यापक जनजागरण अभियान लगातार संचालित किया जा रहा है, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे और लोकतंत्र की इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया में सभी की सहभागिता सुनिश्चित हो सके।

कोई भी पात्र मतदाता छूटे नहीं, प्रत्येक पात्र मतदाता जुड़े - यही एसआईआर-२०२६ अभियान का उद्देश्य है।

मुनीडीह क्षेत्रीय अस्पताल में अनियमितता को ले बैठक

पुटकी (ससे) : मुनीडीह ओपी क्षेत्र के धोबनी स्थित शिव मंदिर प्रागंण में शाम को एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता पूर्व मुखिया लोकनाथ सिंह चौधरी ने किया। संचालन सुखलाल महतो ने किया। बैठक में ग्रामीणों ने मूलभूत समस्याओं को लेकर चर्चा किया गया। मुख्य रूप से बीसीसीएल के मुनीडीह क्षेत्रीय अस्पताल में घोर अनियमितता और डॉक्टरों की कमी पर विशेष चर्चा किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि ग्रामीणों का एक प्रतिनिधिमण्डल डब्ल्यू जे एरिया मुनीडीह के महाप्रबंधक से मिलकर मांग पत्र देकर समस्याओं का समाधान के लिए आग्रह किया जाऐगा। मौके पर गौतम सिंह चौधरी, विजय सिंह चौधरी, रमेश महतो, इन्द्र मनोज सिंह, चक्रधर महतो आदि उपस्थित थे।

विधायक ने कुआं का लिया जायजा

बलियापुर (ससे) : सिंदुरपुर पंचायत स्थित चौंकटांड़ गांव का एकमात्र पेयजल कूप के ध्वस्त होने के बाद गांव में उत्पन्न जल संकट की सूचना पाकर सिंदरी के विधायक चंद्रदेव महतो ने चौकटांड़ गांव का दौरा किया। गांव में व्याप्त जल संकट की समस्या के निदान के लिए विधायक श्री महतो ने तत्काल गांव में चापाकल की व्यवस्था कराने के साथ-साथ ध्वस्त पेयजल कूप की अविलंब मरम्मती कराने का आश्वासन दिया।

डीसी ने स्वयं बेरमो पहुंचकर सविता देवी एवं मधुलता देवी को शॉल ओढ़ाकर किया सम्मानित

बोकारो (ससे): विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-२०२६ अभियान के तहत जिले में गणना प्रपत्र (एन्यूमरेशन फॉर्म) के वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन का कार्य पर जारी है। इसी क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अजय नाथ झा के निर्देशानुसार उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शुरू की गई ३ जुलाई २०२६ को अपराह्न ६:०० बजे तक के जिला स्तरीय संयुक्त प्रदर्शन के आधार पर बेरमो विधानसभा क्षेत्र के पार्ट संख्या-४२ की बीएलओ सविता देवी एवं पार्ट संख्या ४८ की बीएलओ मधुलता देवी को बीएलओ घोषित किया गया।

सविता देवी ने एक दिन में १६८ प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वहीं, मधुलता देवी ने ५९१ गणना प्रपत्र वितरण कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उनके उल्लेखनीय कार्य को देखते हुए उन्हें चयनित किया गया।

डीईओ सह डीसी स्वयं राजकीय कृत मध्य विद्यालय जरीडीह बस्ती, बेरमो पहुंचे और सविता देवी एवं मधुलता देवी को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बीएलओ लोकतांत्रिक प्रक्रिया की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं तथा उनके समर्पित एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य से ही विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-२०२६ अभियान सफल होगा। डीईओ सह डीसी ने इस अवसर पर एईआरओ सह बेरमो प्रखंड विकास पदाधिकारी मुकेश कुमार/सीओ संजीत कुमार को भी एसआईआर-२०२६ अभियान के प्रभावी संचालन, बेहतर पर्यवेक्षण एवं समन्वय के लिए बधाई दिया। उन्होंने कहा कि अधिकारियों के नेतृत्व और बीएलओ के समर्पित प्रयासों से जिले में अभियान को अपेक्षित गति मिल रही है।

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-२०२६ अभियान के तहत जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त (डीसी) श्री अजय नाथ झा ने बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजरों से प्रो-एक्टिव होकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एसआईआर-२०२६ अत्यंत महत्वपूर्ण अभियान है और यह देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को और अधिक सशक्त* बनाने से जुड़ा कार्य है। डीईओ सह डीसी ने कहा कि बीएलओ लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। वे सीधे मतदाताओं से जुड़े हैं, इसलिए यह सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र मतदाता छूटने नहीं पाए। सभी बीएलओ टीम भावना के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें तथा अभियान के दौरान आने वाली किसी भी कठिनाई का समय पर समाधान करें। उन्होंने अभियान में बेहतर कार्य करने वाले बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर सुमित्रा को बधाई देते हुए कहा कि उनका समर्पण और उत्कृष्ट प्रदर्शन अन्य कर्मियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

उन्होंने सभी बीएलओ से इसी उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ एसआईआर-२०२६ अभियान को सफल बनाने की अपील की। मौके पर प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, एसडीओ बेरमो मनोज कुमार, डीपीआरओ रवि कुमार, एपीआरओ अविनाश कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

अखिल भारतीय संगीत सम्मेलन मे कलाकारों ने प्रस्तुतियों से बांधा समां

बोकारो (ससे): बोकारो सहित झारखंड के जाने-माने संगीतज्ञ पं बच्चन जी महाराज के संयोजन में उनकी मां व भजन गायिका स्व. कृष्ण दुलारी पाठक की याद में शुक्रवार की शाम बोकारो के आदर्श कोआपरेटिव कॉलोनी में अखिल भारतीय संगीत सम्मेलन का आयोजन किया गया। आईडी साह कॉलेज ऑफ म्यूजिक एंड फाइन आर्ट्स के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम कि उद्घाटन मुख्य अतिथि समाजसेविका सावित्री देवी, वरिष्ठ संगीतज्ञ पं कृष्ण मोहन पाठक, पं शैलेन्द्र कुमार पाठक, पं श्याम गोस्वामी एवं आदित्य राज ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

कार्यक्रम में उदीयमानव वरिष्ठ कलाकारों ने शास्त्रीय गायन, भजन, नृत्य, वादन आदि प्रस्तुत कर घंटों श्रोता-दर्शकों को बांधे रखा। कार्यक्रम का खास आकर्षण रहा हाल ही में प्रतिष्ठित संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार प्राप्त गया घराना के वरिष्ठ ध्रुपद धमार गायक पंडित कृष्ण मोहन पाठक व उनके सुपुत्र पं शैलेन्द्र कुमार पाठक द्वारा राग जयजयवन्ती में धमार गायन। इनके साथ पखावज पर पं बच्चन जी महाराज व तबले पर राजू गोस्वामी ने संगति की। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत कृष्णा तुलसी ने गणेश वंदना व भजन सुनाकर की। प्रसिद्ध गायक अरुण पाठक ने मैथिली कजरी 'बरखा के बुन बुन जहर माहुर सन सखी की कहब दुख साओन मास...'व नचारी 'बाबा नेने चलियौ हमरो अपन नगरी...' की सुमधुर प्रस्तुति से खूब वाहवाही बटोरी। अर्कदेव आचार्य, शंकर कुमार, डौली, दीप नारायण गोस्वामी, बेबी कुमारी व देवदीप ने शास्त्रीय गायन प्रस्तुत कर श्रोताओं को आनंदित किया। बाल कलाकार वेदांशी, देवांशी, आरोही, अद्रिका मिश्रा, हिमांशु राज, आराध्या, कनक आनंद, श्रेयान्स नयन, सूरज गोस्वामी, दीपक कुमार ने राग सुनाकर वाहवाही ली। तबले पर राजू गोस्वामी, श्लोक इशान, शैलेश कुमार हिमांशु, सुजल ठाकुर, आदित्य राज ने संगति की। बाल कलाकार पियुष अनुराग, रुद्र आनंद, अंकित समदर्शी, आयुष्मान भट्टाचार्य, आकाश कुमार ने एकल तबला वादन प्रस्तुत किया। सुदीक्षा नयन, वंदना कुमारी व अंशिका ने भरतनाट्यम नृत्य तथा शगुन ने पं बिरजू महाराज पर आधारित कत्थक नृत्य में तीन ताल एवं दादरा में अत्खूयंत खूबसूरत बंदिशें व चक्करदार तोड़ा, गत प्रस्तुत कर सबकी प्रशंसा पायी। सिंथेसाइजर पर सदय कुमार झा व तनय ईशान राग देश में रजाखानी गत प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन राजू गोस्वामी, कमलेश मिश्र व देवदीप ने किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि संध्या प्रसाद, गीता देवी, उषा रानी पाठक, रुपेन्द्र गोस्वामी सहित कई संगीत प्रेमी श्रोता उपस्थित रहे।

विद्यालय में अभिभावक शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन

डुमरी (ससे): उत्क्रमित उच्च विद्यालय चौथा में शनिवार को अभिभावक शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता प्रभारी प्रधानाध्यापक रंजीत कुमार रवि व संचालन वरीय शिक्षक सतीश कुमार ने किया। संगोष्ठी में विद्यालय के सभी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।इस दौरान माता पिता द्वारा स्वाध्ययन में सहयोग, विद्यालय की व्यक्तिगत स्वच्छता, स्कूल स्कोर कार्ड,विद्यालय परिसर के आसपास मादक पदार्थों एवं नशाखोरी की रोकथाम,रेल प्रोजेक्ट,लर्निंग आउटकम, लैंगिक समानता,छात्रों को मिलने वाली सुविधाओं, निपुण भारत में विद्यालय प्रबंधन समिति की भूमिका, एफएलएन कीगतिविधि,बाल संसद,खेलकूद में भागीदारी,प्रथम त्रैमासिक शैक्षिक उपलब्धि जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।अध्यक्ष ने कहा कि सभी तरह की समस्याओं का समाधान हो चुका,अब आप अपने बच्चों को समय पर साफ स्वच्छ तरीके से भेजे पढ़ाने की जवाबदेही विद्यालय की है।प्रभारी एचएम ने कहा कि अपने बच्चे को एक स्मार्ट स्टूडेंट बनाना है तो खुद भी एक स्मार्ट पेरेंट बनाना पड़ेगा।इसलिए विद्यालय का भरपूर सहयोग प्रधान कीजिए ताकि आपके बच्चों के भविष्य को बेहतर तरीके से सजाया जा सके।साथ ही पोषक क्षेत्र में अनामांकित और छीजत बच्चों की समीक्षा,छात्रों की उपस्थिति एवं ठहराव जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई।कार्यक्रम में मैट्रिक परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले पांच विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया साथ ही बीते तीन माह में ७५ प्रतिशत उपस्थिति वाले १६० विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया।इस दौरान शिक्षक अनूप कुमार,सुशीला कुमारी,उमेश कुमार दास,नरेश कुमार, मीनू कुमारी,स्वाति सुमन,संजय कुमार,दीपक कुमार मुंडा,महेंद्र यादव,प्रमथ कुमार मिश्रा समेत करीब चार दर्जन अभिभावक

सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता के प्रखंड स्तरीय विजेता हुए सम्मानित

नावाडीह (बेरमो) (ससे): नावाडीह स्थित विनोद बिहारी महतो ग्रामीण स्टेडियम में खेले गए एक दिवसीय प्रखंड स्तरीय ६५वीं सुब्रतो कप एवं सेकेंड लिटिल चैम्प टूर्नामेंट २०२६ - २७ के विजेता टीम को प्रमाण पत्र व मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया । यह सम्मान नावाडीह प्रखंड प्रमुख पूनम देवी ने दी । इससे पहले खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए प्रमुख पूनम देवी ने कहा कि खेल को बढ़ावा देने को राज्य सरकार निरंतर पहल कर रही है । उन्होंने खेल की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बेहतर प्रदर्शन के लिए नियमित रुप से अभ्यास करने की सलाह दी । उन्होंने कहा कि खेल जगत में भी बेहतर कर भविष्य बेहतर किया जा सकता है । बीआरपी चमन जोशी ने बताया कि यहां के विजेता टीम को जिला स्तर पर खेलने का मौका मिलेगा । यह भी बताया कि लड़कों के अंडर १७ में उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय पलामू बनाम उत्क्रमित उच्च विद्यालय पेक के बीच खेला गया । जिसमें पलामू की टीम बेहतर प्रदर्शन कर २ -० से विजय हुआ । वहीं लड़कियों के अंडर १७ में सीएम स्कूल ऑफ एक्सेलेंस गर्लस नावाडीह बनाम उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय पलामू में नावाडीह की टीम विजय हुई । इसी प्रकार लड़को के अंडर १२ की फुटबॉल टूर्नामेंट गोबरगड्डा बनाम पलामू में गोबरगड्डा की टीम विजय बना ।

डीपीएस चास में बैज अलंकरण समारोह प्रतिस्थापन का आयोजन

बोकारो (ससे): अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं उत्तरदायित्व की भावना के विकास के उद्देश्य से दिल्ली पब्लिक स्कूल, चास में आज अलंकरण समारोह 'प्रतिस्थापन' का भव्य आयोजन किया गया। इस गरिमामय अवसर पर विद्यालय परिवार को यह गौरव प्राप्त हुआ कि समारोह के मुख्य अतिथि बिहार कैडर के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी श्री राजीव मिश्रा थे, जो वर्तमान में डीआईजी, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), बोकारो के पद पर कार्यरत हैं।

समारोह में सीबीएसई परीक्षा-२०२६ में दसवीं एवं बारहवीं कक्षा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले एवं विषयों में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। साथ ही साथ नव-निर्वाचित छात्र परिषद के छात्र-छात्राओं (जैसे हेड बॉय- कृशांग तरेनिया और चिन्मय जैन, हेड गर्ल- ख़ुशी सोरेन, वाइस हेड बॉय- सुशांत कुमार एवं अक्षित कुमार, वाइस हेड गर्ल - कृतिका कृशन, साहित्यिक सचिव - दक्षेष गोस्वामी एवं रश्मि रानी, सांस्कृतिक सचिव - अमन महतो एवं सक्षम सिंह, खेल सचिव - अनिमेष बाउरी एवं नायरा कश्यप) को आधिकारिक रूप से जिम्मेदारियां और नेतृत्व के पद सौंपे गए तथा उन्हें शपथ दिलाई गई। , इस के अलावा हाउस कैप्टन, एवं प्रिफेक्ट को भो शपथ दिलाई गई। विद्यार्थियों ने भी ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करने की शपथ ली।

अपने प्रेरणादायक संबोधन में श्री राजीव मिश्रा ने विद्यार्थियों एवं उपस्थित प्रतिभागियों से जीवन में अनुशासन, अवलोकन तथा नेतृत्व के गुणों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अनुशासन सफलता की पहली सीढ़ी है, जो व्यक्ति को अपने लक्ष्य तक पहुँचने में सहायता करता है। वहीं, सूक्ष्म अवलोकन की क्षमता व्यक्ति को सही निर्णय लेने और परिस्थितियों को बेहतर ढंग से समझने में सक्षम बनाती है। नेतृत्व क्षमता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एक सच्चा नेता केवल स्वयं आगे नहीं बढ़ता, बल्कि दूसरों को भी साथ लेकर चलता है तथा समाज और राष्ट्र के विकास में सकारात्मक योगदान देता है। उन्होंने विद्यार्थियों से इन तीनों गुणों को अपने दैनिक जीवन में अपनाने और जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया।

विदित हो कि श्री राजीव मिश्रा एक उत्कृष्ट शिक्षाविद् एवं कुशल प्रशासक के रूप में जाने जाते हैं। उन्होंने डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद से राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की तथा स्वर्ण पदक अर्जित किया। इसके पश्चात उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से विधि स्नातक (एलएलबी) की शिक्षा प्राप्त की। वर्ष २०१० बैच के बिहार कैडर के आईपीएस अधिकारी के रूप में उन्होंने अपनी सेवाओं के दौरान अनेक महत्वपूर्ण दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है। अपने प्रशासनिक कार्यकाल में श्री मिश्रा ने लखीसराय के पुलिस अधीक्षक, पटना ट्रैफिक एसपी, पटना सिटी एसपी, किशनगंज एसपी, दरभंगा एसएसपी, गया एसएसपी, पटना एसएसपी, डीआईजी/एसएसपी पटना तथा डीआईजी एटीएस जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। उनकी कार्यकुशलता, नेतृत्व क्षमता एवं कानून-व्यवस्था के प्रभावी प्रबंधन को व्यापक सराहना प्राप्त हुई है। केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के दौरान उन्होंने सीबीआई में पुलिस अधीक्षक के रूप में दो वर्षों तक सेवाएं दीं। इसके अतिरिक्त वे हेड ऑफ ब्रांच (एच ओ बी), सीबीआई रांची तथा अतिरिक्त प्रभार के रूप में एसीबी धनबाद में भी कार्यरत रहे। बाद में उन्होंने हेड ऑफ ब्रांच, एसीबी कोलकाता के रूप में भी महत्वपूर्ण दायित्व निभाया।

इस अवसर पर प्रेषित संदेश में विद्यालय के प्रो. वाइस चेयरमैन श्री राजेश अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि बैज अलंकरण समारोह 'प्रतिस्थापन' केवल पदभार सौंपने की औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व, विश्वास और नेतृत्व के हस्तांतरण का एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि विद्यालय विद्यार्थियों को केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता ही नहीं, बल्कि नैतिक मूल्यों, अनुशासन, सेवा-भाव और नेतृत्व क्षमता से भी समृद्ध करता है। इस अवसर पर विद्यालय की निदेशिका-सह-प्राचार्या डॉ. मनीषा तिवारी ने बताया कि श्री राजीव मिश्रा जैसे प्रेरणादायी व्यक्तित्व की उपस्थिति विद्यार्थियों को नेतृत्व, अनुशासन, समर्पण एवं राष्ट्रसेवा के मूल्यों को आत्मसात करने के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने नव-निर्वाचित छात्र परिषद के पदाधिकारियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि नेतृत्व का वास्तविक अर्थ अधिकार प्राप्त करना नहीं, बल्कि अपने कर्तव्यों का ईमानदारी, संवेदनशीलता और समर्पण के साथ निर्वहन करना है।

डीएस मेमोरियल सोसायटी के सचिव श्री सुरेश अग्रवाल ने विद्यार्थियों से अपेक्षा व्यक्त की कि वे अपने आचरण और कार्यशैली से विद्यालय की गरिमा को नई ऊँचाइयों तक ले जाएँगे तथा अपने साथियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेंगे। विद्यालय परिवार ने इस प्रतिष्ठित अवसर के लिए व्यापक तैयारिया की थी तथा विद्यार्थियों में समारोह को लेकर विशेष उत्साह देखा गया।

सीनियर कैटेगरी में एआई प्रोजेक्ट इंफ्रैक्टो बना विजेता

बोकारो (ससे): विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में एक बार फिर दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो के छात्रों ने अपनी मेधा का लोहा मनवाया है। साइंस फॉर सोसाइटी और विज्ञान जागरण समिति के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर-४ में आयोजित जिलास्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में डीपीएस बोकारो के छात्रों ने अपनी कल्पनाशक्ति और तकनीकी कौशल से सबको चकित कर दिया। स्कूल के होनहारों ने सीनियर कैटेगरी में पहला स्थान हासिल करने के साथ-साथ जूनियर कैटेगरी और सांत्वना पुरस्कारों पर भी कब्ज़ा जमाया।

प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों की प्रतिभागी कुल ३० टीमों ने तीन अलग-अलग विषयवस्तुओं पर अपने प्रदर्श प्रस्तुत किए। इनमें समाजहित में कृत्रिम बुद्धिमता के नवोन्मेषी उपयोग विषयवस्तु पर आधारित प्रतियोगिता की सीनियर कैटगरी में विद्यालय की टीम प्रथम रही। १२वीं के छात्र प्रियम हरनंदका और अनिकेत सिंह द्वारा विकसित प्रोजेक्ट इंफ्रैक्टो को विजेता घोषित किया गया। यह स्वायत्त एआई सिस्टम सड़कों या इंफ्रास्ट्रक्चर में आने वाली दरारों को खुद ब खुद डिटेक्ट कर सकता है, जो भविष्य में हादसों को रोकने में मील का पत्थर साबित होगा।

इधर, जूनियर कैटेगरी में भी स्कूल के नन्हे वैज्ञानिकों ने कमाल किया। कक्षा ९वीं के सरित चक्रवर्ती और लक्ष्य रंजन के मल्टीटास्किंग ह्यूमनॉइड रोबोट नोवासेपियन ने अपनी बहुमुखी क्षमताओं से जजों को प्रभावित करते हुए द्वितीय उपविजेता का पुरस्कार जीता। नोवासेपियन- मल्टीटास्किंग रोबोट न केवल घर के कामों में हाथ बंटा सकता है, बल्कि अस्पतालों में मरीजों की देखभाल और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में लोगों की मदद करने में भी सक्षम है। इसी प्रकार, पर्यावरण संरक्षण और कार्बन फुटप्रिंट को कम करने की थीम पर आधारित प्रोजेक्ट टेरानोवा के लिए जूनियर कैटेगरी से ९वीं के विद्यार्थी श्रेष्ठा चतुर्वेदी और प्रतीक वर्मा तथा फसलों की बीमारी का पता लगाने वाले प्रोजेक्ट एग्रोशील्ड एआई के लिए श्रय कश्यप और यश राज ने सांत्वना पुरस्कार जीता।

अपने विद्यालय के छात्रों की इस शानदार सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने कहा कि आज के छात्र सिर्फ किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और पर्यावरण संरक्षण जैसे वैश्विक मुद्दों पर व्यावहारिक समाधान ढूंढ रहे हैं। यह उपलब्धि उनके कठिन परिश्रम, शिक्षकों के मार्गदर्शन और स्कूल के इनोवेटिव माहौल का परिणाम है। विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच व नवाचार को बढ़ावा देना आवश्यक है और डीपीएस बोकारो इस दिशा में कटिबद्ध है। विद्यालय अपने विद्यार्थियों के वैज्ञानिक कौशल को निखारने का हर अवसर प्रदान करता रहा है। प्राचार्य ने उक्त विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके गाइड टीचर डॉ. ओबैदुल्लाह अंसारी को बधाई देते हुए इसी प्रकार विद्यालय को गौरवान्वित करते रहने का संदेश दिया।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

सीएम एसओई की तर्ज पर विकसित होंगे 464 स्कूल : डीसी

धनबाद (कासं) : विगत एक वर्ष में जिला प्रशासन द्वारा स्कूली शिक्षा एवं उच्च शिक्षा के क्षेत्र में किए गए अभूतपूर्व सुधारों, क्रांतिकारी बदलावों और ढांचागत परिवर्तनों को लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने एक पत्रकार वार्ता का आयोजन किया। समाहरणालय सभागार में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान उपायुक्त ने जिले की शैक्षणिक व्यवस्था को सुदृढ़, आधुनिक और परिणामोन्मुखी बनाने के लिए उठाए गए कदमों पर विस्तृत वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने आंकड़ों और धरातलीय उपलब्धियों के जरिए यह रेखांकित किया कि कैसे पिछले एक वर्ष में सरकारी स्कूलों से लेकर उच्च शिक्षण संस्थानों तक की तस्वीर बदली गई है। उपायुक्त ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में जिला स्तरीय टीम द्वारा विद्यालय में किए गए विभिन्न नवाचारों एवं प्रयासों के आधार पर नो कॉस्ट, लो कॉस्ट पर आधारित २ सौ अंकों का मूल्यांकन किया गया। इसमें जिन विद्यालयों ने १८० या उससे अधिक अंक प्राप्त किया उनका हाई कास्ट में मूल्यांकन कर विद्यालयों को आवश्यकता के अनुसार सिविल कार्यों से लेकर विभिन्न आपूर्ति सामग्री तक उपलब्ध कराई गई। जबकि जिन विद्यालयों को मानकों के अनुसार अंक नहीं मिले उन्हें आवश्यक सुझाव देकर सुधारात्मक प्रयास के लिए प्रेरित किया गया। इस प्रयोग से विद्यालय के प्रति बच्चों एवं शिक्षकों के आत्मीय लगाव, छात्रों की उपस्थिति, हाउस एवं बाल संसद के प्रतिनिधियों की सक्रियता तथा उनके बीच सामूहिक सकारात्मक प्रतिस्पर्धा में वृद्धि हुई। उपायुक्त ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में धनबाद जिले को अव्वल बनाने के लिए जिले के ४६४ स्कूल को सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस की तर्ज पर विकसित करने की प्रक्रिया जारी है। इसके अंतर्गत स्कूल में अतिरिक्त क्लास रूम, गर्ल्स-बॉयज के लिए अलगअलग शौचालय, बाउंड्री वॉल, स्पोर्ट्स ग्राउंड, पार्किंग, भोजनालय, डायनिंग एरिया, मल्टीपरपज हॉल, बेंचडेस्क, वाटर कूलर, हेल्थ किट, स्पोर्ट्स किट सहित उच्च गुणवत्ता की व्यवस्था बच्चों के लिए उपलब्ध कराई जाएगी।

उन्होंने बताया कि छात्रों का मनोबल बढ़ाने के लिए बोर्ड परीक्षा से पहले दो बार प्री बोर्ड परीक्षा का आयोजन किया गया। तत्पश्चात प्रीबोर्ड परीक्षा में परचम लहराने वाले सभी होनहारों को जिला स्तर पर सम्मानित किया गया। इस पहल का सकारात्मक परिणाम यह रहा कि बोर्ड परीक्षा में धनबाद जिला पूरे राज्य के शीर्ष १० जिलों में शामिल रहा तथा जिले के अनेक विद्यार्थियों ने राज्य स्तर पर भी उत्कृष्ट स्थान प्राप्त कर जिले का गौरव बढ़ाया। साथ में बेहतर प्रदर्शन करने वाले २१ विद्यालयों के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को ब्लेजर, प्रमाण पत्र, मोमेंटो और इंपैक्ट किट देकर सम्मानित किया गया। प्रोजेक्ट इम्पैक्ट सहप्रयास कार्यक्रम पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि इससे विद्यालयों में बच्चों के लिए खुशहाल एवं सकारात्मक वातावरण का निर्माण हुआ। इसमें शिक्षा के साथसाथ बच्चों के नैतिक मूल्यों के विकास एवं चरित्र निर्माण पर विशेष बल दिया गया। साथ में विद्यालय की आधारभूत संरचना एवं स्वच्छता में बदलाव आया। शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति में बढ़ोत्तरी हुई। साथ ही शिक्षा विभाग के १३६ बीआरपी, सीआरपी कर्मियों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। सभी १३८ उच्च विद्यालयों के २६८ शिक्षकों का प्रशिक्षण कराया गया। गोविंदपुर प्रखंड अंतर्गत १९६ प्राथमिक विद्यालयों के कुल २६८ शिक्षकों एवं ७८ मध्य विद्यालयों के १५६ शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। तोपचांची प्रखंड अंतर्गत सभी ९१ प्राथमिक विद्यालयों के १७४ शिक्षकों तथा ४७ मध्य विद्यालयों के ९४ शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। धनबाद सदर प्रखंड के सभी ९६ प्राथमिक विद्यालयों के १८६ शिक्षकों तथा ५६ मध्य विद्यालयों के कुल ११२ शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया।

उपायुक्त ने बताया कि शिक्षा के क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करते हुए नेताजी आवासीय विद्यालय के १३० छात्रों को बेहतर सुविधाओं के साथ नए कैम्पस में शिफ्ट किया गया। नए कैम्पस में नेताजी भवन का निर्माण जारी है तथा इसमें शिक्षक सहित आठ लोगों की नियुक्ति की गई है। उपायुक्त ने कहा कि विद्यार्थियों की विद्यालय तक आसान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए वित्तीय वर्ष २०२५२६ में २० हजार साइकिल का वितरण किया गया। जबकि वित्तीय वर्ष २०२४२५ में १०४७० व उससे पहले वित्तीय वर्ष २०२३२४ में ९९८९ साइकिल का वितरण हुआ था।

उपायुक्त ने कहा कि समय की मांग को देखते हुए जिले में १० स्मार्ट डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना का लक्ष्य है। इसमें चार को स्वीकृति प्रदान की गई है तथा कार्य जारी है। शेष ५ लाइब्रेरी की स्वीकृति के लिए प्रक्रियाधीन है। बताया कि आरएस मोर कॉलेज गोविंदपुर, बीबीएम इंटर कॉलेज बलियापुर, सिंदरी कॉलेज सिंदरी एवं पांडरपाला वासेपुर में स्मार्ट डिजिटल लाइब्रेरी की स्वीकृति प्रदान की गई है। जबकि कतरासगढ़ डीएमसी भवन, टुंडी डिग्री कॉलेज, चिरकुंडा नगर परिषद, तोपचांची ब्लॉक में गोमो के तहत विवाह मंडप एसएचएमएस चिरकुंडा में स्वीकृति प्रक्रियाधीन है। उन्होंने बताया कि छात्रों के कौशल विकास के लिए राजकीय पॉलिटेक्निक में राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के साथ एमओयू कर डिजिटल साक्षरता का निशुल्क पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इसके अलावा आरएस मोर कॉलेज में मल्टी स्किल सेंटर, बीबीएमकेयू कैम्पस में स्किल सेंटर पार्क, बेलगड़िया में मेगा स्किल डेवलपमेंट सेंटर, आवासीय मल्टी स्किल डेवलपमेंट सेंटर विकसित किया जा रहा है। जहां प्रशिक्षण के बाद प्लेसमेंट की गारटी है। उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण संस्थाओं को जिला प्रशासन ने जमीन उपलब्ध कराई है। इसका विस्तृत ब्यौरा देते हुए उपायुक्त ने कहा कि पीके रॉय मेमोरियल कॉलेज के सेकंड कैंपस के लिए १२ एकड़, बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल यूनिवर्सिटी को २.५ एकड़, स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मास कम्युनिकेशन के लिए ६.७३ एकड़, तोपचांची के पांडेयडीह में महाविद्यालय की स्थापना के लिए ८.९८ एकड़, आरएसपी कॉलेज झरिया के निर्माण के लिए ८.५ एकड़ सहित अन्य शैक्षणिक संस्थाओं के विकास के लिए जमीन उपलब्ध कराने के लिए हरी झंडी दी गई है।

इसके अलावा शैक्षणिक संस्थाओं की बेशकीमती सरकारी जमीन के चारों ओर बाउंड्री वॉल बनाकर उसे सुरक्षित कर लिया है।

उपायुक्त ने बताया कि शिक्षा की गुणवत्ता के साथसाथ छात्रों की सुरक्षा सरकार और प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। इसी उद्देश्य के साथ, क्षेत्र के ५९ जर्जर विद्यालयों को चिन्हित कर उनके जीर्णोद्धार का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। अनुपयुक्त और असुरक्षित घोषित हो चुके भवनों को आधुनिक और सुदृढ़ रूप दिया जा रहा है, ताकि आने वाली पीढ़ी बिना किसी डर के एक सुरक्षित वातावरण में शिक्षा ग्रहण कर सके। इनमें से कुल ८ भवन शिफ्ट हो चुके हैं। यह कदम न केवल दुर्घटनाओं की आशंका को खत्म करेगा, बल्कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बुनियादी शिक्षा के स्तर को भी मजबूत करेगा। उपायुक्त ने बताया कि ग्रामीण, गरीब और पिछड़े वर्ग के युवाओं को हुनरमंद बनाकर आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से टुंडी स्थित अनुसूचित जनजाति बालक छात्रावास को कल्याण गुरुकुल में परिवर्तित किया गया है। यहां युवाओं को पूरी तरह से नि:शुल्क आवासीय प्रशिक्षण दिया जाता है। ४५ दिन के प्रशिक्षण के बाद उन्हें प्लेसमेंट उपलब्ध कराया जाता है। पत्रकार वार्ता के समापन पर उपायुक्त ने जिला प्रशासन की भविष्य की योजनाओं का संकेत देते हुए कहा कि शिक्षा में गुणात्मक सुधार की यह प्रक्रिया केवल यहीं नहीं रुकेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि शिक्षकों के निरंतर प्रशिक्षण, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास और छात्रों को मिलने वाले बेहतर संसाधनों के बल पर धनबाद जल्द ही अपनी अलग पहचान बनाएगा और शिक्षा के क्षेत्र में झारखंड का सर्वश्रेष्ठ जिला बनकर उभरेगा।

इकलौते बेटे के बिछड़ने से परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

जोड़ापोखर (ससे) : जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के आलमनगर, जामाडोबा में सुबह २१ वर्षीय युवक का शव घर के रसोईघर में फंदे से लटका मिलने से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक तौशिफ अपने मातापिता का इकलौता बेटा और तीन बहनों का इकलौता भाई था। परिवार और मोहल्ले के लोगों के अनुसार वह हंसमुख, मिलनसार और शांत स्वभाव का युवक था, जिसने आज तक किसी से कोई विवाद नहीं किया। घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा अभी नहीं हो सका है। पुलिस मामले की हर पहलू से गंभीरता के साथ जांच कर रही है।

इकलौते बेटे के बिछड़ने से परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़परिजनों के अनुसार तौशिफ के पिता मो. शाबिर राउरकेला में चालक (ड्राइवर) के रूप में कार्यरत हैं। बीती रात परिवार के सभी सदस्य भोजन करने के बाद सो गए थे। जब उसकी मां रसोईघर का दरवाजा खोलने पहुंचीं तो उन्होंने बेटे को पंखे की रॉड से ओढ़नी के सहारे लटका हुआ देखा। यह दृश्य देखते ही उनकी चीख निकल गई। शोर सुनकर परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तथा तुरंत उसे नीचे उतारा, लेकिन तब तक उसकी मृत्यु हो चुकी थी।

मोहल्ले के लोगों का कहना है कि तौशिफ हमेशा मुस्कुराकर मिलने वाला, सभी का सम्मान करने वाला और शांत स्वभाव का युवक था। परिवार का कहना है कि उसने कभी किसी से झगड़ा नहीं किया और न ही उसके व्यवहार से किसी तरह की परेशानी या तनाव का आभास होता था। ऐसे में उसकी असामयिक मृत्यु ने सभी को गहरे सदमे में डाल दिया हघटना की सूचना मिलते ही जोरापोखर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए।

शव को पोस्टमार्टम के लिए एसएनएमएमसीएच धनबाद भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि फिलहाल किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, फॉरेंसिक साक्ष्य और परिजनों सहित अन्य लोगों के बयान के आधार पर मामले की निष्पक्ष एवं वैज्ञानिक जांच की जा रही है। इकलौते बेटे की असमय मौत से मां और तीनों बहनों का रोसेकर बुरा हाल है। घर में चीखपुकार और मोहल्ले में पसरा सन्नाटा इस दुखद घटना की गवाही दे रहा है। तौशिफ की मौत ने पूरे इलाके को गमगीन कर दिया है।

सुब्रतो कप प्रखंड स्तरीय प्रतियोगिता संपन्न, विजेता टीमों को किया गया सम्मानित

जोड़ापोखर (ससे) : स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड, रांची के तत्वावधान में आयोजित ६५वीं सुब्रतो कप अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता के प्रखंड स्तरीय मुकाबलों का फाइनल बोर्रागढ़ फुटबॉल मैदान में उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों की टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया।

अंडर१५ बालक वर्ग के फाइनल मुकाबले में उत्क्रमित उच्च विद्यालय, जामाडोबा बोर्ड ने लोदना कोलियरी उच्च विद्यालय को पराजित कर खिताब अपने नाम किया। वहीं अंडर१७ बालक वर्ग में उच्च विद्यालय, भौरा ने डीएवी +२ उच्च विद्यालय, पाथरडीह को हराकर विजेता बनने का गौरव हासिल किया। अंडर१७ बालिका वर्ग के फाइनल में डीएवी +२ उच्च विद्यालय, पाथरडीह ने कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, झरिया को शिकस्त देकर चैंपियन बनने का सम्मान प्राप्त किया।

प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका रोहित महतो, अमन विश्वकर्मा, अजय मुर्मू एवं रवि महतो ने निभाई। समापन समारोह में झरिया विधायक प्रतिनिधि अभिषेक पाण्डेय एवं उमेश यादव, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी रीना कुमारी तथा प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह ने विजेता एवं उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में खेल प्रशिक्षक उज्ज्वल पाल, अशोक कुमार, नीतीश सिंह, प्रणव नंदी, सिधु कुमारी, रामजीत मेहता, मयंक कुमार, रामाशंकर लाल, बिपिन कुमार पाण्डेय, राजन, रोहित कुमार लाला, ब्रजेश पाण्डेय सहित अन्य शिक्षकों एवं सहयोगियों की सराहनीय भूमिका रही। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों में खेल भावना और उत्साह देखने को मिला।

झूमर नृत्य कार्यक्रम आयोजित

बलियापुर (ससे) : जगदीश गांव में बीती रात आयोजित रंगारंग झूमर नाच कार्यक्रम में दर्शकों की काफी भीड़ उमड़ी। झूमर नाच कार्यक्रम का उद्घाटन भाजपा नेत्री तारा देवी ने किया। भाजपा नेत्री तारा देवी ने लोगों को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के आयोजकों को धन्यवाद दिया। कहा कि झारखंडी भाषा संस्कृति एवं परंपराओं को संरक्षित रखने के लिए इस तरह के कार्यक्रमों को आयोजित करने की आवश्यकता बताया। इस अवसर पर अगलबगल गांवों के कई झूमर दलों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागी झूमर दलों ने बारीबारी से आकर्षक झूमर नृत्य प्रस्तुत किया। दर्शकों ने कार्यक्रम की काफी सराहना किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में गांव के युवाओं का योगदान रहा।

निरीक्षण के दौरान झमाडा जल संयंत्र से लौह सामग्री चोरी का आरोप

जोड़ापोखर (ससे) : झामाड़ा के जल संयंत्र केंद्र, जामाडोबा में अधिकारियों के औचक निरीक्षण के दौरान विभागीय लौह सामग्री की कथित चोरी का मामला सामने आया है। इस संबंध में जल संयंत्र केंद्र के लिपिक राजेश कुमार सिन्हा ने जोड़ापोखर थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए सेवानिवृत्त कर्मी शंभू झा पर बड़ी मात्रा में लौह सामग्री चोरी करने का आरोप लगाया है तथा पुलिस से तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत के अनुसार अपराह्न कनीय अभियंता दीपक कुमार एवं जल कार्य अधीक्षक कृपाशंकर जल संयंत्र केंद्र का औचक निरीक्षण कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने देखा कि सेवानिवृत्त कर्मी शंभू झा कुछ अन्य लोगों के साथ सबस्टेशन के पास रखे चैनल सहित अन्य लौह सामग्री वाहन पर लादकर ले जा रहे थे। आरोप है कि जब अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने इसका विरोध किया तो शंभू झा कथित रूप से आक्रामक हो गए, मारपीट पर उतारू हो गए तथा जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से चले गए।

राजेश कुमार सिन्हा ने अपनी शिकायत में यह भी उल्लेख किया है कि घटना का वीडियो उन्होंने साक्ष्य के रूप में अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड किया है, जिसे आवश्यकता पड़ने पर पुलिस को उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपी का अपराधियों से संबंध होने के कारण उन्हें अपनी सुरक्षा को लेकर भी भय है। शिकायतकर्ता ने पुलिस प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध शीघ्र कानूनी कार्रवाई करने तथा अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। फिलहाल पुलिस ने शिकायत प्राप्त कर मामले की और आरोपों की सत्यता स्पष्ट हो सकेगी।

भीतिया को 10 से हराकर प्लस टू हाई स्कूल नगरकियारी बना चैंपियन

गोविंदपुर (ससे) : भीतिया स्टेडियम में शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित गोविंदपुर प्रखंड स्तरीय ६५वीं सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता बालिका अंडर १५ वर्ग में मध्य विद्यालय भीतिया को १-० से हराकर प्लस टू हाई स्कूल नगरकियारी चैंपियन बना। अंडर १७ बालक में प्लस टू हाई स्कूल गोविंदपुर ने प्लस टू हाई स्कूल नगरकियारी को ट्राई ब्रेकर में १० से पराजित कर चैंपियन बना। इसके पूर्व पहला सेमीफाइनल में प्लस टू हाई स्कूल गोविंदपुर ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय विद्यालय यादवपुर को १० से तथा दूसरे सेमीफाइनल में हाई स्कूल नगरकियारी ने महेंद्र प्लस टू हाई स्कूल बरवापूर्व को ट्राई ब्रेकर से ३१ एक से पराजित कर फाइनल में जगह बनाई । खेल का उद्घाटन झामुमो नेता एजाज अहमद एवं माले नेता सारथी मंडल ने दीप जलाकर किया। पुरस्कार वितरण करते हुए दोनों नेताओं ने स्कूली विद्यार्थियों को आगे बढ़ाने में पूरा सहयोग करने का वादा किया। बीपीओ दीपक कुमार ने सभी का स्वागत तथा सीआरपी अब्दुल सत्तार एवं अजहर हुसैन ने संचालन किया। मौके पर बीपीओ प्रमोद कुमार, माथुर अंसारी, टिंकू अंसारी, धनपति पाडेय, सुदामा महतो, सीता सिन्हा, रविकांत पाडेय, मनोवर हसन, मनोज शर्मा, नसीम अंसारी, गुलाब अंसारी, कामेश्वर महतो, देवाशीष मंडल, नाविक मंडल, अभिषेक साधु, सुदामा महतो, जिया सोरेन, प्रशांत कुमार, शिवबाबू पटेल, अमरनाथ तिवारी, रितेश कुमार आदि मौजूद थे।

ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने को ले उमड़ी भीड़

गोविंदपुर (ससे) : ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए शनिवार को गोविंदपुर प्रखंड मुख्यालय में लगा शिविर अव्यवस्था की भेंट चढ़ गया। लाइसेंस बनवाने के लिए प्रखंड मुख्यालय में युवकों की भीड़ सुबह से ही शुरू हो गई थी। लाइसेंस बनवाने के लिए मात्र एक काउंटर बनाया गया था और हजारों युवक यहां जुट गए थे। मुफ्त में लाइसेंस बनाने की योजना का लाभ सभी उठाना चाह रहे थे, इसके लिए बाकायदा ऑनलाइन आवेदन के साथ युवक जुटे थे परंतु देखते ही देखते भारी अराजकता फैल गई और भीड़ अनियंत्रित हो गई। इसके बाद गोविंदपुर थाना को सूचना दी गई। पुलिस पहुंची परंतु व्यवस्था कायम नहीं हो पाई। भीड़ के अनुसार कम से कम १० काउंटर बनाए जाना चाहिए था, परंतु काउंटर नहीं बनाया गया। इसका असर यह हुआ कि ७५ लोग कागज लेकर अपनेअपने घर लौट गए और भीड़ शाम ७ बजे तक जमी रही इसके बाद भी सभी लोगों की आवेदन नहीं लिए जा सके। प्रखंड प्रमुख निर्मला सिंह एवं उप प्रमुख रेखा देवी ने जिला परिवहन पदाधिकारी से गोविंदपुर प्रखंड मुख्यालय में फिर से नई तिथि निर्धारित कर शिविर लगाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि अधिकांश ग्रामीण क्षेत्र के युवक निराश होकर लौट गए हैं।

अभिभावक गोष्ठी का आयोजन

बलियापुर (ससे) : प्लस टू हाई स्कूल एवं प्राथमिक विद्यालय जोरियापार दोलाबड़ में शिक्षक अभिभावक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्रछात्राओं की उपस्थिति नियमित करने, अनामांकित बच्चों का विद्यालय में नामांकन कराने, लर्निंग गैप को कम करने आदि पर चर्चा किया गया। इसके अलावा एमडीएम, साफसफाई पर भी आवश्यक चर्चा की गई। बलियापुर प्लस टू हाई स्कूल की बैठक में मुखिया गणेश महतो, मुखिया विजय गोराई, भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष घनश्याम ग्रोवर, शैलेन मंडल, शकील अंसारी स्कूल के अध्यक्ष मो कलीमुद्दीन आदि मौजूद थे। वही दोलाबड़ स्कूल की बैठक में मुखिया सुनीता मल्लिक, शिक्षक अर्चित पाडेय, श्रीकांत महतो, राकेश महतो, सुलेखा देवी, मंजू देवी, पूर्णिया मल्लिक, श्रवण महतो आदि थे।

बीसीसीएल व सीआईएसएफ के बीच सुरक्षा समन्वय को और सुदृढ़ बनाने पर हुई उच्चस्तरीय बैठक

धनबाद (कासं) : कोल इंडिया चेयरमैन बी. साईराम तथा सीएमडी बीसीसीएल मनोज कुमार अग्रवाल ने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) महानिदेशक प्रवीर रंजन से नई दिल्ली स्थित उनके कार्यालय में औपचारिक भेंट की। इस अवसर पर दोनों अधिकारियों ने सीआईएसएफ महानिदेशक से बीसीसीएल में निर्बाध कोयला उत्पादन, प्रभावी एवं सुव्यवस्थित परिचालन गतिविधियों तथा अन्य महत्वपूर्ण सुरक्षा संबंधी विषयों पर विस्तृत चर्चा की।

बैठक के दौरान बीसीसीएल एवं सीआईएसएफ के मध्य समन्वय को और सुदृढ बनाने से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से विचारविमर्श किया गया। विशेष रूप से अवैध कोयला खनन, कोयला चोरी तथा बीसीसीएल अधिकारियों पर होने वाले हमलों जैसी चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सुरक्षा व्यवस्था को और सशक्त बनाने पर चर्चा हुई। इस अवसर पर श्री रंजन ने बीसीसीएल की परिसंपत्तियों, आधारभूत संरचना तथा कार्यबल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा तंत्र को और मजबूत बनाने तथा प्रभावी उपाय विकसित करने में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

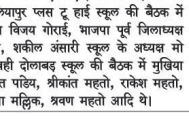

बैठक में निर्बाध कोयला उत्पादन के लिए सुरक्षित परिचालन वातावरण सुनिश्चित करने तथा राष्ट्रीय संपत्तियों की सुरक्षा में सीआईएसएफ की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी विशेष बल दिया गया। दोनों पक्षों ने अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने, कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा भारत की ऊर्जा सुरक्षा एवं 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को सशक्त बनाने के उद्देश्य से संस्थागत सहयोग को और प्रगाढ़ करने तथा सक्रिय एवं समन्वित प्रयास जारी रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

सीआईएल चेयरमैन बी. साईराम, सीएमडी बीसीसीएल मनोज कुमार अग्रवाल तथा सीआईएसएफ के महानिदेशक प्रवीर रंजन के बीच हुई यह महत्वपूर्ण बैठक बीसीसीएल एवं सीआईएसएफ के बीच आपसी सहयोग एवं समन्वय को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रही।

फुटबॉल प्रतियोगिता संपन्न

बलियापुर (ससे) : शिक्षा विभाग की ओर से क्षेत्र के खेतटांड़ फुटबॉल मैदान में आयोजित प्रखंड स्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता के दूसरे एवं अंतिम फुटबॉल प्रतियोगिता कार्यक्रम का समापन हो गया। दूसरे दिन आयोजित अंडर १५ वर्ष आयु वर्ग के बालक वर्ग के फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल में उत्क्रमित मध्य विद्यालय दाड़दाहा की टीम ने प्रधानखंता स्कूल की टीम को पराजित किया। वहीं बालक वर्ग के १७ वर्ष आयु वर्ग के प्रतियोगिता में हाई स्कूल प्रधानखंता ने उत्क्रमित उच्च विद्यालय डांगेपाड़ा की टीम को पराजित किया। जबकि छोटे बच्चों के लिए आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता में उत्क्रमित मध्य विद्यालय खेतटांड़ की टीम ने उत्क्रमित मध्य विद्यालय कोड़ाडीह की टीम को पांचचार से पराजित कर दिया। बलियापुर शिक्षा विभाग के बीपीओ राकेश प्रसाद ने बताया कि तीन दिवसीय इस फुटबाल प्रतियोगिता में प्रतिभागी टीमों की संख्या कम होने के कारण दूसरे दिन ही इस प्रतियोगिता कार्यक्रम का समापन हो गया। मौके पर बीपीओ राकेश कुमार प्रसाद, शिक्षक नेता आदित्य प्रसाद मिर्धा, स्वप्न कुमार महतो, तारिणी रवानी के अलावा विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक एवं छात्रछात्राएं मौजूद थे।

ममता बनर्जी की राइट हैंड चंद्रिमा भट्टाचार्य का इस्तीफा

कोलकाता (ईएमएस) : विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद पहले से ही संकट का सामना कर रही तृणमूल कांग्रेस और ममता बनर्जी एक और बड़ा झटका लगा है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की बेहद करीबी और पार्टी की महत्वपूर्ण नेता चंद्रिमा भट्टाचार्य ने टीएमसी के सभी संगठनात्मक पदों से इस्तीफा दे दिया है। टीएमसी में मच रही उठापटक के बीच ममता बनर्जी की सबसे करीबी में शुमार चंद्रिमा का इस तरह अचानक जाना पार्टी के लिए एक गंभीर सियासी झटका बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, भट्टाचार्य ने पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी को पत्र सौंपकर अपने फैसले से अवगत कराया है। पत्र में उन्होंने स्पष्ट किया है कि वे केवल सांगठनिक पदों से ही नहीं, बल्कि पार्टी के महत्वपूर्ण वित्तीय और प्रशासनिक निर्णयों से जुड़ी साइनिंग अथॉरिटी के पद से भी तत्काल प्रभाव से मुक्त हो रही हैं।

झारखण्ड सरकार
जिला कृषि कार्यालय, संयुक्त कृषि भवन, स्टील गेट, सरायढ़ेला, धनबाद
पिन कोड – 828127

(किसान भाईयों के लिए आवश्यक सूचना)

सभी वर्त्तमान वित्तीय वर्श 2026–27 में केन्द्रीय प्रायोजित योजना **Mission for Aatmanirbharta in Pulses** योजनान्तर्गत उप निदेशक (यो0)–सह–नोडल पदाधिकारी **Pulses Mission** कृषि निदेशालय, झारखण्ड, राँची का पत्रांक 1798, दिनांक 10.04.2026 एवं 1827,दिनांक 16.04.2026 के द्वारा धनबाद जिला में **Mission for Aatmanirbharta in Pulses** योजनान्तर्गत बीज उत्पादन किया जाना है।

क्र0 सं0	योजना का कार्य अवयव नाम	भौत्तिक लक्ष्य (हे0/यूनिट)
1.	**Mission for Aatmanirbharta in Pulses**	**Post-Harvest Infrastructure (Processing Units)** के अधिष्ठापन का लक्ष्य निर्धारित है। जिस पर योजनान्तर्गत **Rate of assistance for processing and packaging unit is 33% of the project cost or upto Rs 25 lakh per unit (Whichever is less)** अनुदान का प्रावधान है।

योजना के विभिन्न कार्य अवयवों का लाभ लेने हेतु इच्छुक कृशक/स्वयं सहायता समूह/किसान उत्पादन संगठन/**FPOs/PACs/NGO** अपना आवेदन पंचायती राज संस्था के मुखिया/जनप्रतिनिधि/जिला परिशद सदस्य से अनुशंसा कराकर आवश्यक कागजात यथा पहचान पत्र/आधार कार्ड/बैंक पासबुक विवरणी/मोबाईल नम्बर/जमीन का खाता सं0/प्लॉट नम्बर/रकवा के साथ पूर्ण विवरणी संलग्न करते हुए विज्ञापन प्रकाशित तिथि से दिनांक 13.07.2026 के संध्या 5:00 बजे तक कृशि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण, आत्मा, धनबाद में जमा कर सकते है।

लाभुक का चयन प्रखण्डवार निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप **पहले आओं–पहले पाओं** के आधार पर किया जाएगा।

योजना की विस्तृत जानकारी हेतु अपने–अपने प्रखण्ड कृशि पदाधिकारी/**BTM/ATM** एवं आत्मा, कार्यालय धनबाद से प्राप्त की जा सकती है।

जिला कृषि पदाधिकारी,
धनबाद

PR 384075 (Agriculture)26-27*D

कार्यालय, जिला उद्यान पदाधिकारी, जामताड़ा
किसान भाईयों के लिए आवश्यक सूचना

वित्तीय वर्श 2026–27 में सरकार के सचिव, कृशि,पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड, राँची के राज्यादेश संख्या– 29 दिनांक 24.06.2026 के आलोक में राज्य योजना "प्रोमोशन ऑफ अरबन फार्मिंग" अन्तर्गत मॉडल प्राक्कलन के अतिरिक्त आवश्यकतानुसार जिला स्तरीय गठित चार सदस्यीय समिति के द्वारा निर्धारित दर पर Terrace Gardening तथा नगर निगम/नगरपालिका मे निवास करने वाले लाभुको के पास उपलब्ध भू–खंड/Terrace पर इच्छुक लाभुकों के बीच उन्नत सब्जी, फल एवं फूलों के उत्पादन हेतु पौध सामाग्री की आवश्यकता एवं मॉग के अनुसार उपलब्ध कराया जायेगा। घेराबंदी एवं सिचाई की व्यवस्था लाभुक के द्वारा किया जायेगा। उक्त योजनान्तर्गत प्राक्कलित राशि का 75 प्रतिशत का व्यय जिला उद्यान कार्यालय एवं 25 प्रतिशत का व्यय संबंधित लाभुक के द्वारा चयनित संस्थान को किया जाएगा। आवेदन हेतु आमंत्रित किया जा रहा है।

योजना के कार्य अवयवों का लाभ लेने हेतु इच्छुक कृशक अपना आवेदन जनप्रतिनिधि से अनुशंसा कराकर आवश्यक कागजात यथा पहचान पत्र/आधार कार्ड/बैंक पासबुक विवरणी/मोबाईल नम्बर/ भू–खंड/Terrace का रकबा/सब्जी, फूल, फल का नाम/जमीन का खाता संख्या/प्लॉट नम्बर के साथ पूर्ण विवरणी संलग्न करते हुए आवेदन पत्र दिनांक– 15.08.2026 के संध्या 5:00 बजे तक जिला उद्यान कार्यालय, संयुक्त जिला कृशि भवन, सर्खेलडीह, जामताड़ा में जमा कर सकते है।

लाभुक का चयन पहले आओ–पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा।

अनुदान हेतु लाभुक चयन के लिए निम्नाकित न्यूनतम मापदण्ड आवश्यक होगा–

1. आवेदन पूर्ण रुप से भरा हुआ एवं सभी कागजात के साथ होगा।
2. आवेदन की प्रति जनप्रतिनिधि द्वारा अनुशंसित किया हुआ हो।
3. आवेदक के पास पर्याप्त भूमि हो तथा सब्जी, फल, फूल आदि की खेती करते हों।
4. कृशक अंशदान की राशि व्यय करने को इच्छुक हो।
5. आवेदक द्वारा स्वयं हस्ताक्षरित आवेदन ही स्वीकार्य होगा।
6. लाभुक के चयन में सिंचाई सुविधा युक्त कृशकों को प्राथमिकता दी जाएगी।
7. विशेष परिस्थिति में किसी भी आवेदन को स्वीकृत करना या रद्द करने का अधिकार जिला उद्यान पदाधिकारी, जामताड़ा के पास सुरक्षित रहेगा, जिसपर किसी भी प्रकार का दावा मान्य नहीं होगा।

योजना की विस्तृत जानकारी जिला उद्यान कार्यालय, संयुक्त जिला कृशि भवन, सर्खेलडीह, जामताड़ा से प्राप्त की जा सकती है। आवेदन का प्रारूप atmajamtara.org.in पर उपलब्ध है।

जिला उद्यान पदाधिकारी,
जामताड़ा।

PR 384011 District(26-27)D

भारत के परिवर्तनकारी दशक ने बदली सोच और दुनिया का नजरिया: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली,(ईएमएस): केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में अपने संबोधन में कहा कि बीते १२ वर्षों में भारत ने एक अभूतपूर्व परिवर्तनकारी काल का अनुभव किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की सोच में आए बदलाव को रेखांकित किया, इसके परिणामस्वरूप विश्व ने भी भारत को देखने का अपना नजरिया बदल दिया है। केंद्रीय मंत्री सिंह के अनुसार, अब यह सवाल नहीं पूछा जाता कि क्या भारत यह कर सकता है? बल्कि अब पूछा जाता है कि भारत कब तक यह कर लेगा? यह आत्मविश्वास देश की बदलती तस्वीर का दिखाता है।

केंद्रीय मंत्री सिंह ने भारत की इस नई कार्य संस्कृति के कई उदाहरण दिए। उन्होंने बताया कि कैसे २०२१ में भारत सेमीकंडक्टर मिशन शुरू करते समय बड़े विशेषज्ञों ने संदेह जाहिर किया था, लेकिन संकल्प और प्लग-एंड-प्ले इंफ्रास्ट्रक्चर के कारण पिछले साल मेड इन इंडिया सेमीकंडक्टर चिप बनाने में सफलता मिली। मेक इन इंडिया पहल, जिस पर कभी विपक्ष ने कई सवाल उठाए थे, आज सफलता के नए आयाम गढ़ रही है। मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग का मूल्य १८,००० करोड़ से बढ़कर ५.५ लाख करोड़ रुपये हो गया है, जबकि मोबाइल निर्यात करीब १६३ गुना बढ़कर २.६ लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। ऑटोमोबाइल निर्यात भी २०१४ के ५०,००० करोड़ रुपये से बढ़कर अब १.२ लाख करोड़ रुपये सालाना हुआ है, जिसमें भारत सौ से अधिक देशों को इलेक्ट्रिक वाहन निर्यात कर रहा है। देश ने स्वदेशी हाई हॉर्सपावर लोकोमोटिव बनाने और उस ब्रॉड-गेज ट्रैक पर सफलतापूर्वक संचालित करने का विश्व कीर्तिमान भी स्थापित किया है।

इतना ही नहीं बीते १२ साल में देश ने रक्षा क्षेत्र में भी नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। साल २०२६ में देश का रक्षा उत्पादन १.७८ लाख करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है, और ऑपरेशन सिंदूर जैसी पहलों ने मेड इन इंडिया डिफेंस प्लेटफॉर्म्स पर भरोसा मजबूत किया है। डिफेंस एक्सपोर्ट भी रिकॉर्ड ३८ हजार करोड़ रुपये को पार कर चुका है। आर्टिकल-३७० हटाने, मेड इन इंडिया ५जी और यूपीआई जैसी अन्य उपलब्धियों का जिक्र कर राजनाथ सिंह ने कहा कि पिछले एक दशक की सबसे बड़ी उपलब्धि केवल भौतिक प्रगति नहीं, बल्कि भारत की सोच में आया बदलाव है। उन्होंने कहा कि सरकार ने देश में काम करने की संस्कृति को भी बदल दिया है, जहां अब परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन एक ही सरकार के कार्यकाल में होता है। अंत में, उन्होंने विकास के साथ-साथ भारत की सभ्यता, संस्कृति और विरासत को महत्व देने पर जोर दिया, क्योंकि यह हमारी पहचान, एकता और राष्ट्रीय चेतना का आधार है।

दिल्ली दंगा साजिश मामले में उमर खालिद और शरजील इमाम को झटका

नई दिल्ली (ईएमएस): वर्ष २०२० के दिल्ली दंगा साजिश मामले में आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम को बड़ा कानूनी झटका लगा है। दिल्ली की एक अदालत ने दोनों आरोपियों सहित अन्य अभियुक्तों की उन याचिकाओं को खारिज कर दिया, जिनमें आरोप तय करने की प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग की गई थी। अदालत के इस फैसले के बाद मामले में आरोप तय करने की सुनवाई आगे भी जारी रहेगी।

अदालत ने कहा कि इस स्तर पर आरोप तय करने की प्रक्रिया को रोकने का कोई ठोस आधार नहीं बनता। अभियोजन पक्ष का कहना है कि वर्ष २०२० में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुई हिंसा एक बड़ी साजिश का हिस्सा थी और इस संबंध में आरोपियों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) समेत भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

सोनिया गांधी के मतदाता सूची विवाद पर अंतिम सुनवाई 25 को

नई दिल्ली,(ईएमएस) : कांग्रेस की राज्यसभा सदस्य सोनिया गांधी से जुड़े महत्वपूर्ण मामले में, राउज एवेन्यू कोर्ट में २५ जुलाई को अंतिम सुनवाई करेगी। यह मामला बिना भारतीय नागरिकता हासिल किए कथित तौर पर मतदाता सूची में नाम दर्ज करने और जालसाजी से जुड़ा हुआ है। सोनिया गांधी के खिलाफ दायर पुनरीक्षण (रिवीजन) याचिका पर सुनवाई टलने के बाद नई तारीख तय की गई है, जहां कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के वकील ने अदालत में अपनी लिखित दलीलें दाखिल कीं। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने दोनों पक्षों को अपनी-अपनी लिखित दलीलें प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। वकील विकास त्रिपाठी द्वारा दायर पुनरीक्षण याचिका में दावा है कि सोनिया गांधी ने ३० अप्रैल, १९८३ को भारतीय नागरिकता हासिल की थी, जबकि उनका नाम वर्ष १९८० की मतदाता सूची में दर्ज था। याचिकाकर्ता ने सवाल उठाया है कि १९८० में उनका नाम किस आधार पर शामिल हुआ, और १९८२ में इस नाम को मतदाता सूची से क्यों हटाया गया। याचिका में आरोप लगाया गया है कि यदि उन्होंने १९८३ में नागरिकता प्राप्त की थी, तब १९८० में मतदाता सूची में नाम दर्ज करने के लिए कौन से दस्तावेज प्रस्तुत किए गए थे और क्या इसके लिए कथित तौर पर फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल हुआ था। इसके पहले, मजिस्ट्रेट कोर्ट ने सोनिया गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग वाली शिकायत को खारिज किया था।

भारत के ई20 पेट्रोल प्रस्ताव को भूटान ने ठुकराया

नई दिल्ली,(ईएमएस) : भारत में एथेनॉल मिश्रित ईंधन (ई२०) को बढ़ावा देने की नीति के बीच पड़ोसी देश भूटान ने भारत की ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसीएस) के ई२० पेट्रोल आपूर्ति प्रस्ताव को फिलहाल स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। भूटान के स्थानीय मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है, कि भूटान ने भारत से कहा है कि ई२० न भेजा जाए और जब तक सामान्य पेट्रोल उपलब्ध है, तब तक उसी की आपूर्ति जारी रखी जाए।

रिपोर्ट के मुताबिक, भूटान की सबसे बड़ी चिंता उसके पुराने फ्यूल स्टोरेज ढांचे को लेकर है। देश के अधिकांश ईंधन भंडारण टैंक भूमिगत हैं, जहां पानी के रिसाव और नमी की समस्या बनी रहती है। विशेषज्ञों के अनुसार, ई२० पेट्रोल में मौजूद एथेनॉल वातावरण से नमी आसानी से सोख लेता है, जिससे ईंधन की गुणवत्ता प्रभावित होने, टैंकों और पाइपलाइनों में जंग लगने तथा वाहनों के इंजन पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका रहती है। भूटान ने यह भी कहा है कि उसका अधिकांश भूभाग पहाड़ी और दुर्गम है, जहां वाहनों से लगातार बेहतर प्रदर्शन और विश्वसनीयता की अपेक्षा रहती है। ऐसे में एथेनॉल मिश्रित ईंधन की उपयोगिता को लेकर अधिकारियों ने सावधानी बरतने का फैसला किया है।

भारत से ही अपना लगभग पूरा ईंधन आयात करने वाला भूटान फिलहाल उच्च गुणवत्ता वाला एक्सपोर्ट ग्रेड पेट्रोल और डीजल खरीदता है। इसी क्रम में भारतीय तेल कंपनियों-इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम-की ओर से ई२० ईंधन की आपूर्ति का प्रस्ताव दिया गया था, जिसे भूटान ने फिलहाल अस्वीकार कर दिया है।

भूटान सरकार ने भारत से यह भी अनुरोध किया है कि यदि भविष्य में पेट्रोल में एथेनॉल की मात्रा और बढ़ाई जाती है या पूरी तरह एथेनॉल आधारित ईंधन की दिशा में कदम उठाए जाते हैं, तो इसकी पूर्व सूचना दी जाए। साथ ही, सुरक्षित और लीक-प्रूफ ईंधन भंडारण प्रणाली विकसित करने में सहयोग की भी अपेक्षा जताई गई है।

सोनम वांगचुक की बिगड़ने लगी सेहत

नई दिल्ली(ईएमएस): कॉकरोच जनता पार्टी का शनिवार को १५ वां दिन और सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल का ७वां दिन था। उनकी तबीयत लगातार बिगड़ रही है और उनका वजन ५ किलो कम हो गया है। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने केंद्र सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा है कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को अब तक बर्खास्त क्यों नहीं किया गया। वहीं वांगचुक ने लद्दाख मुद्दे पर सरकार और लद्दाख प्रतिनिधियों के बीच हुई बातचीत में डेवलपमेंट का स्वागत किया है। सोनम वांगचुक जंतर-मंतर पर पिछले सात दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे हैं। सीजेपी का कहना है कि परीक्षाओं में गड़बड़ी के मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना चाहिए।

सरकार ने टेलीग्राम को भेजा नोटिस

नई दिल्ली(ईएमएस): भारत सरकार ने एक बार फिर से टेलीग्राम को नोटिस भेजा है, जिसमें सरकार ने बड़े लेवल होने वाली पायरेसी को लेकर जवाब में मांगा है। इस प्लेटफॉर्म पर लंबे समय से फिल्म, वेब सीरीज की पायरेसी हो रही है। यह जानकारी एएनआई ने दी है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने टेलीग्राम को निर्देश दिया है कि वह पायरेटेड फिल्मों और ओटीटी कंटेंट के प्रसार को रोकने के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाए।

झारखण्ड सरकार, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग,
नियोजनालय बोकारो थर्मल,बोकारो।

रोजगार मेला – 2026,
रिक्ति सूचना

राज्य के बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नियोजनालय बोकारो थर्मल के द्वारा **गोविन्दपुर C पंचायत बोकारो थर्मल के परिसर** में रोजगार मेला दिनांक – 08.07.2026 को पूर्वाहन 10:00 बजे से अपराहन 3:00 बजे तक आयोजित किया जा रहा है।
रोजगार मेला में निम्नांकित रिक्तयों के साथ विभिन्न प्रष्ठिानों ने सम्मिलित होने की सहमति व्यक्त की है :–

S.no	Name and Address of the Employer	Name Of Post	No. Of Vacancy	Qualification Required		Experience if any	Age (min-mix)	Salary	Job Location
				Essential	Desirable				
1	VE Commercial Vehicles Ltd. Guru gram , Haryana. ,	Parts Technician	10	ITI	Diploma-Automobile &Mechanical. ITI Mechanical .Tech - friendly	2-4 years	20-35	24K-30K	Chhattisgarh ,Odisha, MP , Maharashtra
		Site Technician	10	ITI	,,	0-5 years	19-35	24K-35K	
		Parts Officer	03	ITI	,,	3-5 years	20-35	30k-40k	
		Driver Trainer	10	12th pass & HCV License	ITI+HCV License	3-5 years	20-35	30k-45k	
		Area Site	05	Diploma	B-Tech in Automobile Engineering Mechanical	5-8 Years	20-35	30k50	
		HR Executive	02	Graduation +work Experience in HR Field	MBA-HR	2-4 Years	20-35	30K 40k	Indore
		Control Tower Champion	04	ITI/Diploma +Good Communication, Skills	B-Tech in Automobile Engineering	2-5 Years	20-35	25K-30K	Indore/Jabalpur/Hyderabad/Chandrapur / Angul
		Tyre Technician	03	Exp in Tyres, ITI/Diploma	ExPp with EV Buses	2-5 Years	20-35	16K	Madhya Pradesh, Indore /Bhopal /Gwalior/Jabalpur
		Parts Picker	02	EXp in parts department CV industry	--	2-5 Years	20-35	14 K-18k	Madhya Pradesh, Indore /Bhopal /Gwalior/Jabalpur
2	Yashaswi Group , Gujarat (Hiring For) Apollo Tyers Ltd. Gujarat	Mechanical Operator	300	10th pass	------	0-1 Years	18-30	17k	Vadodara Gujarat
3	Dhoot Transmission pvt.Ltd. Haryana.	Apprentices	1500	8TH Standard, ITI, Diploma& Degree Graduation from general field also	------	NA	18-26	15k-18k	Jhajjar
4	Forgefront Security private limited, Patna .	Security Super visor	01	12th pass	Years/NCC preferred	Na	22-44	20K	Durgapur
		Security Guard	01	10th pass	Na	Na	22-44	18 K	Durgapur
5	Yukti Infosystem, Dhanbad.	Delivery Boy	50	10th pass	No	0-1Years	20-25	20k25	Home Town
		Delivery Boy	50	10th pass	No	0-1Years	20-25	20 to25	Home Town
		Picker	50	10th pass	No	NA	20-25	20 to25	Chennai
6	Life Insurance Corporation of India (LIC) Chirkunda (DHA)	R.C.A	50	10th pass	No	NA	18-40	8000	Chirkunda
		Bima shakhi	50	10th pass	No	NA	18-40	7000	Chirkunda
7	JEEVAN JYOTI MANAGEMENT LLP Nirsha. (DHN)	Sales Manager	05	10th pass	NO	NA	18-40	7000	Nirsha Govindpur
		Marketing Officer	05	10th pass	NO	NA	18-40	7000	Nirsha Govindpur
8	NTTF Peenya Industrial area Bangalore Karnataka	Trainee Operator	250	10th ,12th	I.TI	NA	18-24	15k to 20k	Chennai& Bangalore
	Shiv Fort Enterprises. Maharashtra – 1 (Hiring for) Jabil Circuit India Pvt. Ltd	Assembly Line Operator	300	10th ,12th Diploma, Graduate	NA	NA	18-35	21K	Pune
	Shiv Fort Enterprises. Maharashtra – 2 Flat India Automobiles Private Limited.	Assembly Line Operator	200	10th ,12th Diploma, Graduate	NA	NA	18-35	22K	Tamilnadu
11	Easyes Career Sourcing Private Limited. Bihar	Shakti man Agro And Yashaswi Group	500	10th ,and 12th	ITI	NA	18-35	18K25K	Gujarat, Ahmedabad
		P& J Warehouse Operation	250	12th	No	NA	18-40	18,978	Hyderabad Telangana
		SBI Card	250	Graduation	Experience	NA	18-40	17000	For Bihar
		Utkarsh Bank	200	Graduation	Fresher and Experience	NA	18-30	10,416 to 16,113	For Biihar
12	SIS LIMETED, Bokaro	Security Guard	60	10th pass	No	NA	21-30	State ,M/W	Bokaro
		Security Guard	10	12th pass	No	NA	21-30	,,	All India
		Gunman	05	10th pass	No	NA	21-30	,,	All India
13	Kumar India Engitech Pvt. Ltd, DVC, Bokaro thermal	Shuttering Carpenter/ Framing Mason	01	---	Skilled, Experienced in column ,beam & slab	NA	NA	760/Day	DVC Bokaro thermal
		Bar Binder/Steel Fixer	01	---	Skilled, Experienced in column ,beam & slab	NA	NA	760/Day	DVC Bokaro thermal

अतः योग्य एवं इच्छुक उम्मीदवार जो पूर्व से निबंधित नहीं है वे स्वंय https://jharniyojan.jharkhand.gov.in, website में निबंधन कर एवं झारखण्ड के किसी भी नियोजनालय में अपना निबंधन कराते हुए रोजगार मेला में नियोजक/नियोजकों के प्रतिनिधि के समक्ष अपने सभी मूल प्रमाण पत्रों एवं उसकी एक छाया प्रति, स्थानीय प्रमाण पत्र, आधार कार्ड की छायाप्रति, पासपोर्ट साईज फोटोग्राफ, नियोजनालय का मूल वैद्य निबंधन कार्ड, तथा अपना बायोडाटा के साथ निर्धारित तिथि **दिनांक– 08 जूलाई 2026 को पूर्वाहन 10:00 से 10:30 बजे** तक उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगें। पूर्व से नियोजनालय में निबंधित उम्मीदवारों को पुनः निबंधन कराने की आवश्यकता नहीं है। चूँकि नियोजक एवं रिक्ति निजी क्षेत्र की है अतः भर्ती सेवा शर्तों हेतु नियोजक स्वयं ही उत्तरदायी होगें। चयन प्रक्रिया में नियोजनालय का किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं होंगा, नियोजनालय मात्र सुविधा प्रदात्ता की भूमिका में है। इसके लिए किसी भी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं होगा। रोजगार मेला की पूरी प्रक्रिया पूर्णतः निःशुल्क है।

(मो0 इमरान फारूकी) नियोजन पदाधिकारी
नियोजनालय बोकारो थर्मल।

PR.NO.384086 Labour Employment and Traning(26-27):D

कार्यालय, जिला उद्यान पदाधिकारी, जामताड़ा
किसान भाईयों के लिए आवश्यक सूचना

वित्तीय वर्ष 2026–27 में सरकार के सचिव, कृषि,पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड, राँची के राज्यादेश संख्या–16 दिनांक 10.06.2026 के आलोक में राज्य योजना "उद्यान विकास की योजना" उप योजना मधुमक्खी पालन की योजना अन्तर्गत 80 प्रतिशत अनुदानित दर पर निम्नांकित कार्य अवय हेतु आवेदन करने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है–

क्र0	योजना कार्य अवयव	कार्य योजना 2026–27	अभियुक्ति
		भौतिक (सं0)	
1	2	3	4
1	मधुमक्खरी बॉक्स– 20, मधुमक्खी कॉलोनी– 20 एवं 01 सेट मधु संयंत्र सहित (प्रति युनिट)	16	

योजना के विभिन्न कार्य अवयवों का लाभ लेने हेतु इच्छुक कृषक/स्वयं सहायता समूह अपना आवेदन पंचायती राज संस्था के मुखिया/जनप्रतिनिधि/जिला परिषद् सदस्य से अनुशंसा कराकर आवश्यक कागजात यथा पहचान पत्र/आधार कार्ड/बैंक पासबुक विवरणी/मोबाईल नम्बर/जमीन का रकबा/सब्जी का नाम/जमीन का खाता संख्या/प्लॉट नम्बर के साथ पूर्ण विवरणी संलग्न करते हुए आवेदन पत्र दिनांक– 15.08.2026 के संध्या 5:00 बजे तक जिला उद्यान कार्यालय, संयुक्त जिला कृषि भवन, सर्खेलडीह, जामताड़ा में जमा कर सकते है।

लाभुक का चयन पहले आओ–पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा।

अनुदान हेतु लाभुक चयन के लिए निम्नाकित न्यूनतम मापदण्ड आवश्यक होगा–

1. आवेदन पूर्ण रुप से भरा हुआ एवं सभी कागजात के साथ होगा।
2. आवेदन की प्रति मुखिया अथवा अन्य जनप्रतिनिधि द्वारा अनुशंसित किया हुआ हो।
3. आवेदक द्वारा पूर्व के तीन वर्षों तक इस योजना कार्य अवयव का लाभ नहीं लिया हो–
4. आवेदक के पास पर्याप्त भूमि हो तथा सब्जी, फल, फूल आदि की खेती करते हों।
5. कृषक अंशदान की 20 प्रतिशत राशि व्यय करने को इच्छुक हो ।
6. आवेदक द्वारा स्वयं हस्ताक्षरित आवेदन ही स्वीकार्य होगा।
7. लाभुक के चयन में FPO/प्रगतिशील कृषकों/महिला स्वयं सहायता समूह/सिंचाई सुविधा युक्त कृशकों को प्राथमिकता दी जाएगी।
8. विशेष परिस्थिति में किसी भी आवेदन को स्वीकृत करना या रद्द करने का अधिकार जिला उद्यान पदाधिकारी, जामताड़ा के पास सुरक्षित रहेगा, जिसपर किसी भी प्रकार का दावा मान्य नहीं होगा।

योजना की विस्तृत जानकारी जिला उद्यान कार्यालय, संयुक्त जिला कृषि भवन, सर्खेलडीह, जामताड़ा से प्राप्त की जा सकती है। आवेदन का प्रारूप atmajamtara.org.in पर उपलब्ध है।

जिला उद्यान पदाधिकारी,
जामताड़ा।

PR 384012 (District) 26-27 (D)

कार्यालय, जिला उद्यान पदाधिकारी, गिरिडीह
(कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग)
(Email Id- dhogiridih@gmail.com)

किसान भाईयों के लिए आम सूचना

विभागीय स्वीकृत्यादेश सं0 29 दिनांक 19.06.2026 के आलोक में वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए "कृषि निर्यात एवं कृषि विपणन–सह–पोस्ट हार्वेस्ट आधारभूत संरचना का विकास" योजना अन्तर्गत सरकारी अनुदान पर भौतिक लक्ष्य के प्राप्ति एवं योजना का कार्यान्वयन हेतु इच्छुक कृशकों/महिला समूह/सखी मंडल/कृषक समूह/FPO से आवेदन आमंत्रित की जाती है।

क्र0	योजना अवयव	अभियुक्ति
1	टमाटर की सोर्टिंग एवं ग्रेडिंग इकाई	**70% अनुदान सम्पन्न कृषकों को एवं 95% अनुदान अनु0 जाति/अनु0 जनजाति वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर कृषकों के लिए है।**
2	वातावरण नियंत्रित पूर्व शीतलन कक्ष (Precooling Unit)	
3	पैक हाउस इकई की स्थापना	
4	वाष्पणिक /निम्न उर्जा शीत कक्ष इकाई की स्थापना (Cold Room 8 MT)	
5	माप तौल यन्त्र (Whighing Machine)	

1. उपर्युक्त योजना 70% या 95% अनुदान पर आधारित है। कृशक अंशदान की राशि लाभुक को वहन करना होगा।
2. इन योजनाओं का लाभ लेने हेतु इच्छुक कृशक को कार्यालय से आवेदन प्राप्त कर विहित प्रपत्र में पूर्ण रूप से भर कर पंचायतीराज संस्था के मुखिया/जनप्रतिनिधि से अनुशंसा कराकर अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 25.07.2026 तक 5.00 बजे अपराह्ण तक आवेदन दे सकते हैं।
3. आवेदन पत्र के साथ आवश्यक कागजात यथा आवेदक का फोटोग्राफ, आधार कार्ड, मोबाईल नं0, बैंक पासबुक, शपथ पत्र जमीन संबंधी अद्यतन रसीद या *LPC* जिसके पीछे मुखिया द्वारा प्रमाणित वंशावली एवं आवेदक के हिस्से में पड़ने वाले जमीन का जिक्र हो संलग्न होना आवश्यक है।
4. आवेदन पर जनप्रतिनिधि एवं *BAO/BTM/VLW/ATM/VEW* का अनुशंसा होना आवश्यक है।
5. एग्री स्मार्ट ग्राम को विकसित करने हेतु योजना लाभ में प्राथमिक्ता दी जायगी। महिला कृशक एवं *JSLPS* से प्राप्त कृशक समूह/महिला स्वयं सहायता समूह/*FPO*को प्राथमिकता दी जायगी।
6. इस योजना के लाभुकों का चयन टोकन प्रणालि से पहले आओ पहले पाओ के आधार पर होगी।
7. लाभुक का चयन पदाधिकारी/कर्मी/उद्यान मित्र के द्वारा स्थल जांच कर चयन समिति के द्वारा सर्वाधिक उपयुक्त कृशक का चयन किया जायगा।
8. आवेदन कार्यालय द्वारा उपलब्ध विहित प्रपत्र में हीं भरा जायगा, जिसे कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। अपूर्ण/गलत आवेदन/पुर्व में जिस किसान ने लाभ लिए है, उनका आवेदन स्वतः रद्द समझा जायगा।
9. सभी योजना की विस्तृत जानकारी एवं आवेदन प्रपत्र जिला उद्यान कार्यालय, न्यू सर्किट हाउस के सामने, गिरिडीह से प्रत्येक कार्य दिवस 11:00 पूर्वा0 से 05 अपराहण तक प्राप्त किया जा सकता है।

जिला उद्यान पदाधिकारी
गिरिडीह

PR 384071 (Giridih)26-27*D

रामलला के आभूषण गलाकर बनवाए सोने के बिस्कुट

लखनऊ/अयोध्या(ईएमएस): अयोध्या राम मंदिर दान घोटाले की परतें जैसे-जैसे खुल रही हैं, जांच का दायरा उतना ही हैरान करने वाला होता जा रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, इस मामले की जांच कर रही विशेष जांच दल अब एक बेहद चौंकाने वाले एंगल पर काम कर रही है। एसआईटी को अंदेशा है कि मंदिर से चोरी किए गए बहुमूल्य आभूषणों की पहचान मिटाने के लिए आरोपियों ने उन्हें गलवा दिया और उनके सोने के बिस्कुट बनवा लिए। दरअसल, जांच एजेंसियों द्वारा आरोपियों के ठिकानों पर की गई अब तक की छापेमारी में चोरी से जुड़े आभूषण बरामद नहीं हो सके हैं। जेवरातों का गायब होना ही जांच टीम के इस शक को और गहरा कर रहा है कि कहीं सबूत मिटाने और सोने को आसानी से खपाने के लिए यह साजिश तो नहीं रची गई। इस बीच, एसआईटी के आला अधिकारियों ने रामलला के दर्शन करने के बाद प्रभारी केडी बाबू से आभूषणों, चढ़ावे की बहुमूल्य वस्तुओं और उनके रख-रखाव की मौजूदा व्यवस्था पर लंबी पूछताछ की।

जांच टीम ने आभूषणों से जुड़े अभिलेखों के साथ-साथ भारत सरकार के उपक्रम प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (मिंट) के साथ हुए लेन-देन की फाइलें भी तलब कर ली हैं। अधिकारियों ने बैंकों और मिंट को भेजी गई धातुओं का पूरा ब्यौरा मांगा है। एसआईटी की जांच में मंदिर ट्रस्ट की कार्यप्रणाली को लेकर भी एक बड़ा खुलासा हुआ है। पता चला है कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की हर तीसरे महीने होने वाली बैठक में नकद दान और आय का विवरण नियमित रूप से रखा जाता था। भक्तों द्वारा चढ़ाए गए सोने-चांदी व अन्य बहुमूल्य रत्नों की सटीक मात्रा, उनके मूल्यांकन और उपलब्ध स्टॉक का विस्तृत ब्यौरा नियमित एजेंडे का हिस्सा नहीं था। इसी ढिलाई का फायदा आरोपियों ने उठाया।

अयोध्या में राम मंदिर के वीआईपी दर्शन के नाम पर बड़े पैमाने पर उगाही का एक संगठित नेटवर्क सामने आया है। एसआईटी की जांच में खुलासा हुआ है कि श्रद्धालुओं से वीआईपी दर्शन के लिए प्रति व्यक्ति ५०० से ५००० रुपए तक वसूले जा रहे थे। इस नेटवर्क के जरिए प्रतिदिन लाखों रुपए की वसूली होती थी, जिसे बाद में आपस में बांट लिया जाता था। इस घोटाले में चंपत राय के करीबी बताए जा रहे टिन्नू यादव का नाम मुख्य रूप से सामने आया है, जो अपने साथियों के साथ मिलकर इस पूरे नेटवर्क को चला रहा था।

राम मंदिर चंदा चोरी मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। यह खुलासा आरोपियों की संपत्तियों को लेकर हुआ है। दावा किया जा रहा है कि आरोपी अनुकल्प मिश्रा और उसके बहनोई लवकुश मिश्रा की १२ संपत्तियों का पता चला है। उनके पास कई करोड़ की संपत्ति है, जिसमें से कुछ संपत्तियां पैतृक हैं, तो कुछ हाल ही में ली गई हैं। अब ऐसे में पुलिस जांच कर रही है कि जीजा और साले की जोड़ी के पास मिली संपत्तियों में से कितनी संपत्तियां दान चोरी के पैसे से खरीदी गईं हैं। अयोध्या प्रशासन इस मामले की जांच कर रहा है। पुलिस को अयोध्या, बसावा, मिल्कीपुर और रुदौली समेत और भी कई अन्य जगहों पर संपत्तियों का पता चला है। सिर्फ अनुकल्प मिश्रा और लवकुश मिश्रा ही नहीं बल्कि बाकी आरोपियों की संपत्तियों का भी पता चला है। पुलिस का दावा है कि आरोपियों ने कुछ संपत्तियां अपने नाम पर ली हैं तो कुछ अपने परिवार के लोगों के नाम पर खरीदी हुई हैं। अयोध्या प्रशासन का कहना है कि दान के पैसे से खरीदी गई संपत्तियां जब्त होंगी।

इस बीच एसआईटी ने अनिल मिश्रा और गोपाल राव के स्टेटमेंट रिकार्ड करने के साथ चंपत राय से भी पूछताछ की है। सूत्रों के मुताबिक, अनिल मिश्रा और गोपाल राव से एसबीआई बैंक और आउटसोर्स कैशियर्स की ज्वाइनिंग प्रक्रिया के बारे में जानकारियां जुटाई गई। अनिल मिश्रा और गोपाल राव दोनों ने कहा कि हमें हाल ही में चोरी की जानकारी मिली, जिसकी जांच के लिए चंपत राय के साथ मिलकर जांच और आरोपियों को पकड़ने पर सहमति बनी। अनिल मिश्रा और गोपाल राव के स्टेटमेंट को क्रॉस वेरिफाई करने के लिए चंपत राय से भी एसआईटी ने पूछताछ की है। सूत्रों का कहना है कि एसआईटी की टीम फिलहाल वापस लखनऊ चली गई है, लेकिन जरूरत पड़ने पर फिर से अयोध्या आ सकती है।

अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के बीच पूर्व गृह सचिव लक्ष्मी नारायण ने दावा किया है कि उनकी सोने से मढ़ी रामचरितमानस चोरी हो गई है। उन्होंने एक मीडिया चैनल से बातचीत में कहा- ८ अप्रैल २०२४ को चैत्र नवरात्रि के पहले दिन उन्होंने राम मंदिर ट्रस्ट को सवा क्विंटल की रामचरितमानस भेंट की थी। तीन चार महीने बाद जब उनके रिश्तेदार अयोध्या गए, तो उन्हें वह रामचरितमानस दिखाई नहीं दी। इसके बाद मैं खुद अयोध्या गया। चंपत राय ने मुझे ९ घंटे इंतजार करवाया। फिर उन्होंने कहा- मेरे पास कई लोगों के आभूषण और कई तरह की चीजें आती हैं, तो क्या मैं सिर्फ इन्हीं सब का डिस्प्ले करता रहूं? यह सुनकर मुझे अच्छा नहीं लगा।

मैंने हाथ जोडक़र उनसे कहा- सर, मेरी पूरी जिंदगी की पूंजी है। मैंने अपनी मां की पूरी ज्वेलरी रामचरितमानस में लगवाई है। इसमें ८०० ग्राम सोना चढ़ा हुआ है।

फ्लाइट में गोपाल राव को देखकर लगे 'चढ़ावा चोर' और 'चंदा चोर' के नारे

अयोध्या,(ईएमएस): अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में आरोपी गोपाल राव को फ्लाइट में देखकर यात्रियों का गुस्सा भड़क उठा। २ जुलाई को लखनऊ से बेंगलुरु जा रही उड़ान में लोगों ने उन्हें 'चढ़ावा चोर' और 'चंदा चोर' के नारों से घेरा, इसके बाद केबिन क्रू को हस्तक्षेप करना पड़ा। गोपाल राव मंदिर निर्माण प्रभारी हैं और राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) ने राव से गहन पूछताछ की है।

एसआईटी ने मंदिर ट्रस्ट के न्यासी डॉ. अनिल मिश्रा से भी करीब तीन घंटे तक सवाल जवाब किए हैं। जांच टीम ने दोनों से उनकी संपत्तियों से जुड़े दस्तावेज और बैंक स्टेटमेंट मांगे हैं, साथ ही मंदिर ट्रस्ट से पिछले पांच सालों का ऑडिट तलब किया है। प्राण-प्रतिष्ठा के दौरान मंदिर की सजावट में धांधली की बात सामने आई है, जिसमें ठेकेदारों को अतिरिक्त काम दिखाकर अधिक भुगतान करने के आरोप हैं। इसी बीच, आरजेडी सांसद सुधाकर सिंह ने सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर कर पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग की है।

इन गंभीर आरोपों के बीच, राम मंदिर ट्रस्ट ने ६ जुलाई को होने वाली अपनी बैठक का एजेंडा जारी किया। इस बैठक में ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और न्यासी डॉ. अनिल मिश्रा के इस्तीफे पर महत्वपूर्ण निर्णय लिया जाएगा।

इसके अतिरिक्त, एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट और मंदिर प्रबंधन से संबंधित व्यवस्थाओं पर भी विचार-विमर्श होगा।

हर्ष फायरिंग मामले में भाजपा विधायक दोषी करार 4 साल की जेल और 25 लाख जुर्माना

पटना (एजेंसी): बिहार के मुजफ्फरपुर की साहिबगंज सीट से भाजपा विधायक राजू कुमार सिंह को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। अदालत ने साल २०१८ के एक चर्चित हर्ष फायरिंग मामले में विधायक को गैर-इरादतन हत्या का दोषी ठहराते हुए ४ साल की जेल और २५ लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। यह मामला नए साल के जश्न के दौरान हुई फायरिंग का है, जिसमें एक महिला डॉक्टर की मौत हो गई थी।

यह मामला ३१ दिसंबर २०१८ की रात का है। दक्षिण दिल्ली के फतेहपुर बेरी वसंत कुंज इलाका स्थित 'रोज फार्म हाउस' में नए साल के जश्न की पार्टी चल रही थी। आरोप है कि इस समारोह के दौरान हुई हर्ष फायरिंग में डॉ. अर्चना गुप्ता को गंभीर रूप से गोली लग गई थी। इलाज के दौरान तीन दिनों के बाद उनकी मौत हो गई थी। जांच के बाद दिल्ली पुलिस ने इस मामले में चार्जशीट दाखिल की थी। इन धाराओं के तहत पाए गए दोषी लंबी सुनवाई के बाद, राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने भाजपा विधायक राजू कुमार सिंह को भारतीय दंड संहिता की धारा ३०४ भाग-दो यानी गैर-इरादतन हत्या और आर्म्स एक्ट की धारा ३० के तहत दोषी करार दिया। हालांकि, पुख्ता सबूतों के अभाव में अदालत ने विधायक की पत्नी रेणु सिंह समेत अन्य सह-आरोपियों को बरी कर दिया।

बिहार में भी दर्ज है हत्या का मामला सजा पर बहस के दौरान, कोर्ट में प्रोबेशन अधिकारी द्वारा विधायक राजू सिंह की बैकग्राउंड रिपोर्ट पेश की गई। इस रिपोर्ट में अदालत को सूचित किया गया कि भाजपा विधायक के खिलाफ बिहार में भी एक हत्या का मामला लंबित है, जिसमें वे फिलहाल जमानत पर बाहर हैं। अभियोजन पक्ष ने विधायक की इस आपराधिक पृष्ठभूमि का हवाला देते हुए अदालत से कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की थी।

राजू कुमार सिंह छह बार के विधायक हैं। सजा की अवधि पर बहस के दौरान उनके वकील ने अदालत से नरमी बरतने की गुहार लगाई थी। वकील का तर्क था कि उनके मुवक्किल को इससे पहले कभी भी किसी अन्य मामले में दोषी नहीं ठहराया गया है। हालांकि, अपराध की गंभीरता को देखते हुए कोर्ट ने उन्हें ४ साल के कारावास की सजा सुनाई।

छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के लिए साइबर हाइजीन कोर्स होगा अनिवार्य

पटना (एजेंसी):आज के डिजिटल युग में जहां इंटरनेट और सोशल मीडिया हमारी रोज़मर्रा की ज़िंदगी का अहम हिस्सा बन चुके हैं, वहीं साइबर अपराध और ऑनलाइन ठगी का खतरा भी तेज़ी से बढ़ रहा है। चिंता की बात यह है कि मासूम स्कूली बच्चे अक्सर इन डिजिटल खतरों के आसानी से शिकार बन रहे हैं। इसी गंभीरता को देखते हुए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (उइडए) ने एक बेहद सराहनीय और बड़ी पहल की बोर्ड ने न केवल छात्रों, बल्कि शिक्षकों और अभिभावकों को भी डिजिटल दुनिया के खतरों से सुरक्षित रखने और उन्हें जागरूक बनाने के लिए एक व्यापक अभियान की शुरुआत की है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य सभी के लिए एक सुरक्षित और मजबूत डिजिटल माहौल तैयार करना है।

AI Generated Image

सीबीएसई ने स्कूलों को जारी निर्देश में कहा है कि डिजिटल माध्यमों के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर अपराध और सोशल मीडिया धोखाधड़ी के मामलों में भी भारी वृद्धि हुई है। ऐसे में विद्यार्थियों को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने के लिए जागरूक करना बेहद आवश्यक हो गया है ताकि वे किसी भी प्रकार के ऑनलाइन खतरे से बच सकें। बोर्ड ने स्कूलों से कहा है कि वे विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को गृह मंत्रालय (चक-) द्वारा तैयार किए गए २.५ घंटे के साइबर हाइजीन सर्टिफिकेशन कोर्स में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें। इस प्रशिक्षण के जरिए इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग और साइबर खतरों से बचाव की व्यावहारिक जानकारी दी जाएगी। ऑनलाइन ठगी और सोशल मीडिया स्कैम पर रहेगा फोकस

इस कोर्स का मुख्य उद्देश्य लोगों को जागरूक करना है। इसके तहत मुख्य रूप से डिजिटल फ्रॉड और फिशिंग के अंतर्गत फर्जी लिंक और वेबसाइट्स की पहचान करना सिखाया जाएगा। साथ ही, इसमें बैंकिंग धोखाधड़ी से जुड़े जढझ और पासवर्ड स्कैम, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर होने वाली विभिन्न धोखाधड़ी, और व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा करते हुए अपनी निजी जानकारी को सुरक्षित रखने के तरीकों को शामिल किया जाएगा।

विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ाने के लिए सीबीएसई ने स्कूलों को अपने साइबर क्लब सक्रिय करने के निर्देश दिए हैं। इन क्लबों के माध्यम से छात्रों के बीच साइबर सुरक्षा से जुड़े व्यावहारिक ज्ञान, जागरूकता अभियानों और विभिन्न डिजिटल सुरक्षा गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा।

बोर्ड का मानना है कि साइबर सुरक्षा केवल छात्रों तक सीमित नहीं रह सकती। इसके लिए शिक्षकों और अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी भी उतनी ही जरूरी है। जब घर और स्कूल दोनों जगह जागरूकता होगी, तभी बच्चों के लिए एक पूरी तरह सुरक्षित डिजिटल वातावरण तैयार किया जा सकेगा।

मेरे परिवार के साथ हुआ गलत व्यवहार : लालू यादव

पटना (एजेंसी): बिहार की राजनीति में चर्चित १० सर्कुलर रोड सरकारी आवास का मामला लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी द्वारा सरकारी बंगला खाली किए जाने के बाद अब राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने पहली बार इस पूरे विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सरकार के फैसले पर नाराजगी जताते हुए कहा कि उनके परिवार के साथ गलत व्यवहार किया गया है। दरअसल, बिहार सरकार ने नियमों का हवाला देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी को १० सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास खाली करने का नोटिस जारी किया था। इस फैसले को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच कई दिनों तक राजनीतिक बयानबाजी चलती रही।

आधिकारिक रूप से भवन निर्माण विभाग को सौंपा गया बंगला

आखिरकार राबड़ी देवी ने निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवास खाली कर दिया और शुक्रवार शाम इसकी चाबी आधिकारिक रूप से भवन निर्माण विभाग को सौंप दी गई। सरकारी आवास खाली होने के बाद अब लालू-राबड़ी परिवार पटना के कौटलिया नगर स्थित नए आवास में रह रहा है। वहीं, परिवार की ओर से महुआबाग इलाके में निजी आवास का निर्माण भी कराया जा रहा है, जहां भविष्य में शिफ्ट होने की तैयारी बताई जा रही है।

गंगा नदी में गिरा निर्माणाधीन महासेतु का स्लैब, 6 मजदूर घायल

पटना (एजेंसी): बिहार में पुल और बुनियादी ढांचा निर्माण में लापरवाही का एक और गंभीर मामला सामने आया है। आज सुबह समस्तीपुर में निर्माणाधीन बख्तियारपुर-ताजपुर गंगा महासेतु का एक विशाल स्लैब अचानक टूटकर सीधे गंगा नदी में जा गिरा। इस हादसे में वहां काम कर रहे ६ मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। इस घटना की वीडियो सोशल मीडिया द में काफी तेजी से वायरल हो रहा है। नीचे क्लिक करें। मिली जानकारी के अनुसार, महासेतु के पिलर संख्या ५८पर क्रेन की मदद से स्लैब चढ़ाने का काम चल रहा था। इसी दौरान क्रेन की चेन अचानक टूट गई, जिससे भारी-भरकम स्लैब अनियंत्रित होकर नीचे नदी में गिर गया।हादसे के बाद निर्माण स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। पुल निर्माण कंपनी के अधिकारियों और साथी मजदूरों ने तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायलों की स्थिति और इलाज

इस हादसे में घायल हुए सभी ६ मजदूरों की हालत गंभीर है, हालांकि वे खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं। जिसकी पहचान मोहम्मद नवाब शेख, निवासी मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल का इलाज पटोरी के अनुमंडलीय अस्पताल में चल रहा है। ५ अन्य मजदूरोंको बेहतर और आपातकालीन इलाज के लिए तत्काल झचउक, पटना रेफर किया गया है। जांच में जुटी है पुलिस प्रारंभिक जांच में अनुमान लगाया गया है कि यह हादसा क्रेन की चेन टूटने की वजह से हुआ है। घटनास्थल पर तकनीकी टीम पहुंच चुकी है और जांच जारी है।

बालू खनन को लेकर फायरिंग,6 को लगी गोली

जहानाबाद(ईएमएस): जहानाबाद में शनिवार दोपहर बालू खनन को लेकर २ पक्षों के बीच लगभग २० राउंड फायरिंग हुई। इस दौरान एक पक्ष के ५ और दूसरे पक्ष के एक शख्स के पेट, पैर और सीने में गोली लगी है। घटना घोसी थाना क्षेत्र के चैतीपीपर और गिजी गांव के लोगों में हुई। घायलों को इलाज के लिए घोसी पीएससी में भर्ती कराया गया था, जहां से उन्हें सदर अस्पताल रेफर किया गया। अब स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सभी को पीएमसीएच भेजा गया है। धीरज कुमार के सीने में गोली लगी है। उसे गंभीर हालत में पीएमसीएच रेफर किया गया है। चैतीपीपर गांव के दिनेश राम के पैर, अजय राम के पेट, सुधीर राम और विजय राम को पैर में गोली लगी है। गिजी गांव के विष्णु कुमार भी इस घटना में घायल है। गांव की रूबी देवी ने बताया कि अचानक से २०-२५ लोग आए और फायरिंग करने लगे। आवाज सुनकर लग रहा था पटाखे फूट रहे हैं। देखने के लिए जैसे ही मैं बाहर गई एक गोली मेरे सिर के पास गुजर गई। बाकी लोग बाहर निकले, जिससे उन्हें भी गोली लग गई। १५-२० मिनट तक दहशत का माहौल था। पुलिस के आने के बाद मामला शांत हुआ।

8 जिलों में भारी बारिश के अलर्ट

पटना (एजेंसी):मौसम विभाग ने बिहार के इन जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मुजफ्फरपुर और वैशाली समेत उत्तर और पूर्वी बिहार के कई जिले हैं। इसके अलावा मधुबनी, दरभंगा, समस्तीपुर, सुपौल, सहरसा, खगड़िया, मुंगेर, जमुई, बांका, भागलपुर, मधेपुरा, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया और कटिहार में भी मौसम विभाग ने बारिश, तेज हवाओं और वज्रपात को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं राज्य के बाकी १४ जिलों में फिलहाल मौसम सामान्य बने रहने का अनुमान है।

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आर्यभट्ट आई.टी.आई.)

के लिए Electrician तथा Fitter ट्रेड्स में
अनुभवी अनुदेशको (Instructor) की आवश्यकता है।

इच्छुक उम्मीदवार Walk-in-Interview या ई-मेल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

ARYABHATTA ITI

Opposite Nichitpur Railway Halt
KATRAS BAZAR

Email : aryabhattaiti@gmail.com
Ph : - 7004011971

सम्पदा न्यायालय, बोकारो इस्पात संयंत्र, बोकारो

आम सूचना

सम्पदा न्यायालय, बोकारो इस्पात संयंत्र, बोकारो द्वारा पारित आदेशों के आलोक में संदर्भित बेदखली आदेशों (Eviction Orders) के तहत अनधिकृत दखलकारों को सूचित किया जाता है कि अनधिकृत प्लॉट/भूमि एवं आवासों को शीघ्र खाली कर अपने बकाया राशि का भुगतान कर दें, अन्यथा इन्हें बेदखली प्रक्रिया के तहत हटा दिया जाएगा और किसी भी तरह की क्षति के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे। अनधिकृत प्लॉट/भूमि एवं आवासों को खाली कराने का कार्य दिनांक 07.07.2026 से प्रारम्भ होगा।

आदेशानुसार
सम्पदा पदाधिकारी
दिनांक : 02.07.2026
बोकारो स्टील सिटी

पूर्व मध्य रेल

विविध वैद्युतिक कार्य हेतु ई-निविदा सूचना
विद्युत (सामान्य) विभाग के लिये खुली निविदाएँ

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत) पूर्व मध्य रेल, धनबाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई-निविदा संख्या : ईएल/04/ओपन/2026-27, **क्रम सं० : 1. कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि :** (A) DHN: DHN में रेलवे अस्पताल में सुधार। (B) ADEN/GJD के अंतर्गत GJD, DLW, NGY, BSCP, BNF में सर्विस बिल्डिंग में सुधार। (C) GMO: ADEN/1/GMO के अंतर्गत GMO में RPF बैरक में 20 बेड के लिए बिल्डिंग का विस्तार, जिसमें किचन, डाइनिंग हॉल, टॉयलेट और बाथरूम में सुधार शामिल है। (कार्य समापन अवधि : 12 माह), **2. कार्य के लिए प्राक्कलित राशि :** रू. 67,01,163.44/-, **3. बिड सिक्युरिटि :** रू. 1,34,000.00/-, **4. बिड मूल्यांकन प्रणाली :** एक पैकेट प्रणाली, **5. ई-निविदा बंद होने एवं खुलने की तिथि एवं समय :** ई-निविदा बंद होने की तिथि: दिनांक 27.07.2026 को 11:00 बजे। ई-निविदा खुलने की तिथि : दिनांक 27.07.2026 को 11:30 बजे के बाद। **6. वेबसाईट का विवरण :** वेबसाईट **ireps.gov.in** ई-निविदा के तहत मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

वरीय मंडल विद्युत अभियंता (सा०)
पूर्व मध्य रेल, धनबाद
पीआर/0499/डीएचएन/इंजी०/टी/26-27/36

बिहार से गुजरेगा 51 हजार करोड़ का अंडरग्राउंड रेल कॉरिडोर, 2033 तक पूरा करने का लक्ष्य

पटना, (ईएमएस): केंद्र सरकार ने पूर्वोत्तर भारत को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाले रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण चिकन नेक कॉरिडोर को सुरक्षित और मजबूत बनाने के लिए करीब ५१ हजार करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी अंडरग्राउंड रेल परियोजना शुरू की है। इस परियोजना का उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के साथ-साथ पूर्वोत्तर राज्यों की रेल कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाना है। परियोजना के तहत करीब १७० किलोमीटर लंबी डबल अंडरग्राउंड रेलवे लाइन का निर्माण किया जाएगा। इसमें ४५.६८ किलोमीटर रेल लाइन बिहार के कटिहार और किशनगंज जिलों से होकर गुजरेगी, जबकि शेष हिस्सा पश्चिम बंगाल के मालदा और जलपाईगुड़ी जिलों में होगा। यह अत्याधुनिक रेल कॉरिडोर पश्चिम बंगाल के कुमेदपुर से शुरू होकर आमबाड़ी-फालाकाटा तक जाएगा। चिकन नेक महज २० से २५ किलोमीटर चौड़ा संकरा भू-भाग है, जो पूर्वोत्तर भारत को देश की मुख्य भूमि से जोड़ता है। नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और चीन की सीमाओं के निकट स्थित होने के कारण यह इलाका सामरिक दृष्टि से बेहद संवेदनशील माना जाता है। किसी भी आपातकालीन या युद्ध जैसी स्थिति में इस मार्ग के बाधित होने की आशंका को देखते हुए भूमिगत रेल कॉरिडोर तैयार किया जा रहा है, जो सुरक्षित वैकल्पिक संपर्क मार्ग उपलब्ध कराएगा। इस परियोजना से बिहार के किशनगंज, ठाकुरगंज और गलगलिया जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों में विकास की नई संभावनाएं खुलेंगी। बेहतर रेल संपर्क से लॉजिस्टिक्स, वेयरहाउसिंग और माल परिवहन को बढ़ावा मिलेगा, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। परियोजना के तहत बनने वाली रेल सुरंगें पूरी तरह ब्लास्ट-प्रूफ और आपदा-रोधी होंगी। टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) की मदद से तैयार की जाने वाली दोहरी सुरंगों में भविष्य में बुलेट ट्रेन संचालन की भी क्षमता होगी। आवश्यकता पड़ने पर इनका उपयोग बंकर के रूप में भी किया जा सकेगा, जिससे नागरिकों और सैन्य संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। रेल कॉरिडोर में हाई-स्पीड ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क, ऑटोमैटिक सिग्नलिंग सिस्टम, २□२५ केवी एसी विद्युतीकरण और २५ टन भार क्षमता वाला मजबूत ट्रैक ढांचा विकसित किया जाएगा। इससे सेना की आवाजाही, हथियारों और रसद की आपूर्ति अधिक तेज, सुरक्षित और प्रभावी हो सकेगी। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का डिजाइन और भू-तकनीकी सर्वेक्षण महाराष्ट्र की मोनार्क एजेंसी को सौंपा गया है, जिसने दिसंबर २०२४ से कार्य शुरू कर दिया है। केंद्र सरकार ने इस परियोजना को वर्ष २०३३ तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। यह परियोजना केंद्र सरकार की भारतमाला परियोजना और एक्ट ईस्ट पॉलिसी के तहत पूर्वोत्तर भारत की सामरिक और आर्थिक मजबूती की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

बाबा बैद्यनाथ धाम में बड़ा बदलाव: गर्भगृह में मोबाइल पर पूर्ण प्रतिबंध, अब पूरे साल बाह्य अर्घ्य से होगा जलाभिषेक

देवघर (एजेंसी): देवघर स्थित विश्व प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए मंदिर प्रशासन ने पूजा व्यवस्था से जुड़े दो बड़े फैसले लिए हैं। अब बाबा बैद्यनाथ मंदिर के गर्भगृह में किसी भी श्रद्धालु को मोबाइल फोन ले जाने या उसका उपयोग करने की अनुमति नहीं होगी। इसके साथ ही, अब केवल श्रावणी मेले तक सीमित रहने वाली बाह्य अर्घ्य से जलार्पण की व्यवस्था पूरे वर्ष जारी रहेगी। प्रशासन का मानना है कि इन निर्णयों से दर्शन व्यवस्था अधिक सुचारु होगी, सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी और श्रद्धालुओं को बेहतर धार्मिक अनुभव मिलेगा।

बाबा बैद्यनाथ धाम के गर्भगृह में मोबाइल पर पूरी तरह प्रतिबंध

देवघर समाहरणालय में आयोजित समीक्षा बैठक में मंदिर प्रशासन, जिला प्रशासन, पंडा धर्मरक्षिणी सभा और संबंधित अधिकारियों के बीच विचार-विमर्श के बाद यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। बैठक में बताया गया कि बड़ी संख्या में श्रद्धालु गर्भगृह में प्रवेश के बाद पूजा-अर्चना की बजाय मोबाइल से फोटो खींचने, वीडियो बनाने और सामाजिक माध्यमों के लिए दृश्य रिकॉर्ड करने में समय बिताते हैं। इससे दर्शन की गति धीमी हो जाती है और लंबी कतारों में खड़े अन्य श्रद्धालुओं को अनावश्यक प्रतीक्षा करनी पड़ती है।

प्रशासन का कहना है कि मोबाइल पर रोक लगाने से गर्भगृह में अनुशासन बना रहेगा, दर्शन प्रक्रिया तेज होगी और श्रद्धालु बिना किसी व्यवधान के पूजा कर सकेंगे।

सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए लिया गया निर्णय

मंदिर प्रशासन के अनुसार बाबा बैद्यनाथ धाम देश के सबसे महत्वपूर्ण ज्योतिर्लिंगों में शामिल है। प्रतिवर्ष यहां लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में मंदिर की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। अधिकारियों का मानना है कि गर्भगृह की तस्वीरें और वीडियो अनियंत्रित रूप से सार्वजनिक होने से सुरक्षा संबंधी जोखिम बढ़ सकते हैं। इसी कारण सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए गर्भगृह में मोबाइल ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध लागू किया गया है।

बाबा बैद्यनाथ धाम में अब पूरे साल बाह्य अर्घ्य से होगा जलार्पण

श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रशासन ने एक और महत्वपूर्ण फैसला लिया है। अब मंदिर में बाह्य अर्घ्य की सुविधा पूरे वर्ष उपलब्ध रहेगी। पहले यह व्यवस्था मुख्य रूप से श्रावणी मेले के दौरान लागू रहती थी।

इस व्यवस्था के तहत श्रद्धालु मंदिर के बाहर निर्धारित स्थान से जल अर्पित करेंगे। विशेष पाइप व्यवस्था के माध्यम से यह जल सीधे बाबा बैद्यनाथ के ज्योतिर्लिंग तक पहुंचेगा। प्रशासन का मानना है कि इससे भीड़ का दबाव कम होगा और दर्शन व्यवस्था अधिक व्यवस्थित रहेगी।

श्रावणी मेला 2026 की तैयारियों पर भी बनी रणनीति

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सौरभ कुमार भुवानिया की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में आगामी राजकीय श्रावणी मेला २०२६ की तैयारियों की भी विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण को प्राथमिकता देते हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक में विशेष दर्शन व्यवस्था को अधिक सुव्यवस्थित बनाने, शीघ्र दर्शन कूपन व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू करने तथा श्रद्धालुओं की आवाजाही को सरल बनाने पर सहमति बनी।

मंदिर परिसर में बनेगा नया पैदल पुल

श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए मंदिर परिसर में एक नए पैदल पुल के निर्माण की योजना भी तैयार की गई है। इससे विभिन्न मार्गों पर भीड़ का दबाव कम होगा और श्रद्धालुओं का आवागमन अधिक सुगम बनाया जा सकेगा।

रेलवे स्टेशन से मंदिर तक रहेगी कड़ी निगरानी

जिला प्रशासन और रेलवे को संयुक्त रूप से बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। देवघर सहित आसपास के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए जाएंगे। वहीं मंदिर परिसर, मेला क्षेत्र और रेलवे स्टेशनों की चौबीसों घंटे निगरानी निगरानी कैमरों के माध्यम से की जाएगी। इसके अलावा यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे स्टेशनों पर टिकट काउंटरों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी, ताकि श्रावणी मेला के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

श्रद्धालुओं को मिलेगी अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित व्यवस्था

प्रशासन का उद्देश्य बाबा बैद्यनाथ धाम में दर्शन व्यवस्था को अधिक सरल, सुरक्षित और श्रद्धालु-केंद्रित बनाना है। गर्भगृह में मोबाइल प्रतिबंध, पूरे वर्ष बाह्य अर्घ्य से जलार्पण, सुरक्षा व्यवस्था का विस्तार और आधारभूत सुविधाओं में सुधार जैसे कदम इसी दिशा में उठाए गए हैं। इन फैसलों से आने वाले समय में बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचने वाले देश-विदेश के लाखों श्रद्धालुओं को अधिक व्यवस्थित और सुगम दर्शन व्यवस्था मिलने की उम्मीद है।

भगवान श्रीराम और हनुमान का जीवन सेवा, समर्पण और कर्तव्य का सर्वोच्च आदर्श : राज्यपाल

रांची (एजेंसी): झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शनिवार को महात्मा गांधी मार्ग स्थित श्री हनुमान मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रभु बजरंगबली का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा राज्यवासियों के सुख, समृद्धि और कल्याण की कामना की। इसके बाद उन्होंने मंदिर परिसर में नवनिर्मित वातानुकूलित सामुदायिक हॉल 'श्री राम वाटिका' का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि भगवान श्रीराम और प्रभु हनुमान का जीवन सेवा, समर्पण, विनम्रता और कर्तव्यनिष्ठा का सर्वोच्च आदर्श है। उन्होंने कहा कि शक्ति तभी सार्थक है, जब उसमें विनम्रता हो, ज्ञान तभी श्रेष्ठ है, जब उसमें सेवा का भाव हो और जीवन तभी सफल है, जब वह लोकमंगल के लिए समर्पित हो। गोस्वामी तुलसीदास की पंक्ति परहित सरिस धरम नहि भाई, पर पीड़ा सम नहि अधमाई का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में सेवा और परोपकार को सर्वोच्च धर्म माना गया है।

राज्यपाल ने कहा कि मंदिर केवल पूजा-अर्चना के स्थल नहीं, बल्कि आध्यात्मिक चेतना, सेवा-भाव, सामाजिक समरसता और संस्कारों के संवर्धन के महत्वपूर्ण केंद्र भी हैं।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नव निर्मित 'श्री राम वाटिका' धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों के साथ-साथ जनसेवा के कार्यों का भी प्रेरणादायी केंद्र बनेगी।

उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी मार्ग स्थित श्री हनुमान मंदिर वर्षों से जन-आस्था और सामाजिक समरसता का केंद्र रहा है। यहां धार्मिक आयोजनों के साथ समाजहित के अनेक कार्य निरंतर संचालित होते रहे हैं। राज्यपाल ने श्री हनुमान मंदिर समिति, पंजाबी हिंदू बिरादरी तथा सभी सहयोगी श्रद्धालुओं को सामुदायिक हॉल के निर्माण के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं।

राज्यपाल ने युवाओं से सेवा, अनुशासन और संस्कार को जीवन का आधार बनाने तथा समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यदि युवा पीढ़ी अपने सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़ी रहेगी तो समाज और राष्ट्र दोनों अधिक सशक्त एवं संस्कारित बनेंगे। अंत में उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से प्रेम, सद्भाव, सहयोग और सेवा की भावना को अपनाने की अपील की।

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने 14.5 किमी पैदल चलकर किए बाबा अमरनाथ के दर्शन, की देश की सुख-समृद्धि की कामना

रांची (एजेंसी): केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने शनिवार को पवित्र श्री अमरनाथ यात्रा के दौरान बालटाल बेस कैंप से लगभग १४.५ किलोमीटर की पैदल यात्रा पूरी कर बाबा बर्फानी की पवित्र गुफा में दर्शन एवं विधिवत पूजा-अर्चना की। उन्होंने बाबा अमरनाथ से देशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की प्रार्थना की।

दर्शन के बाद संजय सेठ ने यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं के लिए की गई सुरक्षा, स्वास्थ्य, आवास, भोजन, यातायात और अन्य सुविधाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और चुनौतीपूर्ण मौसम के बावजूद भारतीय सेना, अर्धसैनिक बलों, जम्मू-कश्मीर पुलिस, प्रशासन तथा विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठनों द्वारा श्रद्धालुओं की सेवा और सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

संजय सेठ ने कहा कि भारतीय सेना और सुरक्षा बल पूरी निष्ठा, अनुशासन और समर्पण के साथ यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं, जो राष्ट्रसेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है। वहीं सामाजिक और धार्मिक संगठन निस्वार्थ भाव से श्रद्धालुओं की सेवा कर भारतीय संस्कृति की सेवा-परंपरा को मजबूत कर रहे हैं।

उन्होंने अमरनाथ यात्रा के सफल और सुव्यवस्थित संचालन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के नेतृत्व में श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षा और सुविधाओं की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, जिससे लाखों श्रद्धालु सुरक्षित और सुगमता के साथ बाबा बर्फानी के दर्शन कर रहे हैं। संजय सेठ ने कहा कि बाबा अमरनाथ की यह यात्रा उनके जीवन का एक अविस्मरणीय आध्यात्मिक अनुभव रही। उन्होंने प्रार्थना की कि बाबा बर्फानी का आशीर्वाद सभी देशवासियों पर बना रहे और भारत शांति, समृद्धि, विकास तथा वैभव के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ता रहे।

फ्रैक्चर के इलाज में 22 लाख का बिल, फिर भी मरीज की मौत; मुख्यमंत्री ने लिया संज्ञान

गांची (एजेंसी): मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज हॉस्पिटल में इलाज के दौरान मरीज की मौत और परिजनों द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों के मामले में संज्ञान लिया है। सोशल मीडिया पर सामने आए मामले में दावा किया गया कि पैर फ्रैक्चर होने पर मरीज को राज हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान लापरवाही बरती गई। आरोप है कि इलाज के नाम पर करीब २२ लाख रुपये का बिल बनाया गया और बाद में मरीज की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया।

बताया जा रहा है कि लातेहार निवासी १८ वर्षीय युवक राजू कुमार रंजन का सड़क दुर्घटना में पैर टूट गया था। करीब ४० दिन पहले उसे राज अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उसके पैर में इंफेक्शन हो गया। और अंततः उसकी मौत हो गई। इस दौरान अस्पताल प्रबंधन ने उसके परिजनों को २२ लाख रुपये का बिल थमा दिया। इसके बाद राजू कुमार रंजन के परिजनों और स्थानीय लोगों ने अस्पताल में जमकर हंगामा मचाया। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टरों व प्रबंधन की लापरवाही के कारण राजू की मौत हो गई। परिजनों के दबाव में राजू का पोस्टमार्टम रिम्स में कराया गया है। ताकि मौत के कारणों का पता चल सके और अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई हो सके।

भांग रखना एनडीपीएस एक्ट के तहत दंडनीय नहीं, 7 साल कठोर कारावास की सजा से हाईकोर्ट ने किया बरी

रांची (एजेंसी): झारखंड हाईकोर्ट ने एक बेहद जरूरी और बड़ा फैसला सुनाया है जो चर्चा में है। अदालत ने स्पष्ट कहा है कि भांग को नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एनडीपीएस कानून के तहत प्रतिबंधित नहीं माना गया है। कोर्ट के मुताबिक, इस कानून में भांग रखने या इसका इस्तेमाल करने पर सजा का कोई प्रावधान नहीं है। जबकि जमशेदपुर की एक निचली अदालत ने इस मामले में आरोपी को सात साल की सजा सुनाई थी। जुर्माना भी लगाया था। हाईकोर्ट ने उसे बरी कर दिया।

यह फैसला जस्टिस प्रदीप कुमार श्रीवास्तव की कोर्ट ने सुनील सिंह नामक व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। मालूम हो कि जमशेदपुर की एक निचली अदालत ने २००९ में सुनील सिंह को दोषी मानते हुए ७ साल का कठोर कारावास और ५०,००० रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी। हाईकोर्ट ने इस पुरानी सजा को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। मामला लगभग २६ साल पुराना है। १७ सितंबर २००० को जमशेदपुर पुलिस ने चाईबासा बस स्टैंड से सुनील सिंह को गिरफ्तार किया था। बाद में उन्हें हाईकोर्ट से जमानत मिल गई थी, लेकिन मामला चलता रहा।

हाईकोर्ट ने अपने आदेश में एक महत्वपूर्ण बात कही। कोर्ट ने समझाया कि कानूनन भांग और गांजे में अंतर है। एनडीपीएस एक्ट के तहत गांजे को तो नशीले पदार्थों की श्रेणी में रखकर बैन किया गया है, लेकिन भांग को इस लिस्ट से बाहर रखा गया है। इसके साथ ही, कोर्ट ने पाया कि सरकारी वकील या पुलिस ऐसा कोई भी साइंटिफिक या फॉरेंसिक सबूत कोर्ट में पेश नहीं कर पाए, जिससे यह साबित हो सके कि पकड़ा गया सामान गांजा था। अदालत ने यह भी नोट किया कि झारखंड सरकार ने भी राज्य में भांग रखने या खाने पर कोई कानूनी रोक नहीं लगाई है।

पृष्ठ एक का शेषांश

ऊर्जा संकट में दुनिया ने---

उन्हें पूरा करने के लिए दिन-रात काम करती हैं। उन्होंने दो महीने पहले रिफाइनरी में हुए हादसे के बाद भी इतनी तेजी से काम पूरा करने की सराहना की, यह दिखाता हैं कि नया भारत अपने संकल्पों से न पीछे हटता है और न ही अपनी रफ्तार कम करता है, चाहे चुनौती कितनी भी बड़ी क्यों न हो। पीएम मोदी ने देश की दृढ़ शक्ति को रेखांकित कर कहा कि इस कारण सबसे बड़ा संकट भी छोटा हो गया और भारत ने अपने संसाधनों का सही इस्तेमाल किया। प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा के राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत पर जोर देकर कांग्रेस सरकारों पर राजस्थान के जल संकट को दूर करने में ठोस काम न करने का आरोप लगाया। उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए राजस्थान को बिना किसी विवाद के नर्मदा का पानी साझा करने का उदाहरण दिया, यह दर्शाते हुए कि भाजपा क्षेत्रवाद और बंटवारे की राजनीति नहीं करती।

दिल्ली में झारखंड का---

शुल्क छूट की जानकारी भी देगी। कार्यक्रम में वर्ष २०२६-३१ के लिए प्रस्तावित ड्राफ्ट एआई पॉलिसी-२०२६ पर भी प्रमुख हितधारकों के साथ चर्चा होगी। प्रस्तावित नीति में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में स्टेट एआई मिशन के गठन, जेपी-आईटी को नोडल एजेंसी बनाने और इंटरऑपरेबल झारखंड एआई क्लाउड विकसित करने का प्रस्ताव शामिल है। इसके जरिए विभिन्न विभागों में एआई आधारित समाधान लागू कर प्रशासनिक दक्षता और सेवा वितरण को बेहतर बनाने की योजना है। राज्य सरकार की एआई रणनीति सुशासन, कृषि एवं ग्रामीण आजीविका, स्वास्थ्य और खनिज संसाधन प्रशासन जैसे चार प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित होगी। मुख्यमंत्री इस दौरान मुख्यमंत्री डेटा इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म की अवधारणा भी प्रस्तुत करेंगे। प्रस्तावित एआई आधारित प्लेटफॉर्म विभिन्न विभागों के आंकड़ों को एकीकृत कर योजनाओं की निगरानी, नीति निर्माण और निर्णय प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाएगा। साथ ही व्हाट्सएप और पंचायत भवनों में स्थापित डिजिटल कियोस्क के माध्यम से स्थानीय भाषाओं में नागरिक सेवाएं और फीडबैक प्रणाली विकसित करने की भी योजना है। इसके अलावा प्रस्तावित इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर की रूपरेखा भी साझा की जाएगी।

बंगाल पुलिस ने ड्रोन से ---

निर्णय लिया। पुलिस का दावा है कि जैसे ही ड्रोन ने इलाके की निगरानी शुरू की, कुछ संदिग्ध आरोपी भागने की कोशिश करने लगे। हालांकि, इलाके में पहले से ही गुप्त रूप से तैनात पुलिसकर्मियों ने तेजी से कार्रवाई कर उसमें से चार को धर दबोचा। बाद में उन्हें गिरफ्तार किया गया और ऑपरेशन में कुल १७ नाबालिग लड़कियों को सफलतापूर्वक बचाया गया। पुलिस अधीक्षक राकेश सिंह ने बताया कि यह पुलिस के लिए बड़ी कामयाबी है। शुरुआती जांच में यह मामला एक बड़े मानव तस्करी गिरोह से जुड़ा गया है। बचाई गई लड़कियां बिहार, असम और गुजरात जैसे विभिन्न राज्यों की हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पुलिस हिरासत में गहन पूछताछ की जा रही है ताकि मुख्य तस्कर और बड़े गिरोह के सरगना का पता लगाया जा सके। बचाई गई नाबालिगों के लिए मनोवैज्ञानिक परामर्श और आवश्यक कानूनी सहायता की व्यवस्था की गई है। पुलिस मानव तस्करी गिरोह में शामिल अन्य सदस्यों की तलाश कर रही है।

भारत ने 23 और---

साजिश में भी उसकी भूमिका बताई गई है। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर के कुलगाम के फिरदौस अहमद भट, अनंतनाग के हारून राशिद गनई, सोपोर के बिलाल अहमद मीर, बारामूला के आबिद कयूम लोन और डोडा के नाजिर अहमद गुज्जर को भी सूची में शामिल किया गया है। वहीं हाफिज सईद के करीबी अब्दुल रऊफ का नाम भी आतंकियों की इस सूची में जोड़ा गया है।

टीएमसी का चुनाव चिन्ह---

उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष होने के साथ-साथ अब वह पश्चिम बंगाल तृणमूल कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी संभालेंगी। इसके अलावा मदन मित्रा और कुणाल घोष को पार्टी की समिति में महासचिव नियुक्त किया गया है। भाजपा पर निशाना साधते हुए ममता ने आरोप लगाया कि राज्य में पुलिस और प्रशासन का दुरुपयोग कर टीएमसी कार्यकर्ताओं पर दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि पार्टी के नेताओं, जिनमें अभिषेक बनर्जी और महुआ मोइत्रा भी शामिल हैं, को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। उनके अनुसार, भाजपा राज्य में राजनीतिक लाभ के लिए सरकारी तंत्र का इस्तेमाल कर रही है। राम मंदिर से जुड़े कथित चढ़ावा विवाद का उल्लेख करते हुए भी ममता बनर्जी ने भाजपा की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि मंदिर के लिए लोगों द्वारा दिए गए दान को लेकर उठे विवादों ने धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाई है।

मेधावी छात्र ही झारखंड का भविष्य, राजीव गांधी प्रतिभा सम्मान समारोह में सैकड़ों विद्यार्थियों का हुआ सम्मान:शिल्पी नेहा तिर्की

रांची : चान्हो प्रखंड मुख्यालय परिसर में शनिवार को आयोजित भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी प्रतिभा सम्मान समारोह में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की मुख्य अतिथि तथा पूर्व मंत्री बंधु तिर्की विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह में चान्हो प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि पिछले लगभग २० वर्षों से मांडर विधानसभा के सभी प्रखंडों में आयोजित यह सम्मान समारोह दसवीं एवं बारहवीं की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करता आ रहा है। यह केवल सम्मान का कार्यक्रम नहीं, बल्कि नई पीढ़ी की प्रतिभा, मेहनत और सपनों का उत्सव है।

उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाने के साथ-साथ अन्य बच्चों को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते हैं। आज प्रतिस्पर्धा के इस दौर में प्रत्येक विद्यार्थी को अपने लक्ष्य के प्रति सजग, अनुशासित एवं समर्पित रहना होगा। निरंतर प्रयास, मेहनत और सकारात्मक सोच ही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है।

डिजिटल युग ने शिक्षा एवं ज्ञान के नए अवसर उपलब्ध कराए हैं

मंत्री ने कहा कि डिजिटल युग ने शिक्षा एवं ज्ञान के नए अवसर उपलब्ध कराए हैं, लेकिन इसके साथ कई चुनौतियां भी सामने आई हैं। कम उम्र में बच्चों का अनुचित डिजिटल साम्रग्री तक पहुँचना सामाजिक चिंता का विषय है। ऐसे में अभिभावकों एवं शिक्षकों की जिम्मेदारी पहले से अधिक बढ़ जाती है कि वे बच्चों का सही मार्गदर्शन करें तथा उनके साथ निरंतर संवाद बनाए रखें। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के अनेक विद्यार्थी सीमित संसाधनों और मूलभूत सुविधाओं के अभाव के बावजूद अपनी प्रतिभा और अथक मेहनत के बल पर उल्लेखनीय सफलता अर्जित कर रहे हैं। ऐसे प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान न केवल उन्हें नई ऊर्जा देता है, बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत बनता है। उन्होंने सम्मानित सभी छात्र-छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए उनके अभिभावकों, शिक्षकों एवं आयोजन समिति को भी बधाई दी।

मैट्रिक परीक्षा में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बिजुपाड़ा की श्रेया कुमारी ने ४८१ अंक (९६.२%) प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। इसी विद्यालय की खुशी कुमारी ने ४६७ अंक (९३.४%) के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि प्रोजेक्ट गर्ल्स +२ हाई स्कूल, ओपा की आंचल कुमारी ने ४६५ अंक (९३%) प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इंटरमीडिएट (वाणिज्य) के टॉप-३

एस.वी.बी.बी. इंटर कॉलेज, चान्हो के आयुष भगत ने ४१५ अंक (८३%) प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। आरती कुमारी ने ४१४ अंक (८२.८%) के साथ द्वितीय तथा नितेश ओझा ने ४०३ अंक (८०.६%) प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया।

इंटरमीडिएट (कला) के टॉप-३

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी), चान्हो की रूपा कुमारी ने ४३४ अंक (८६.८%) प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। सेजल कुमारी ने ४३२ अंक (८६.४%) के साथ द्वितीय तथा आरती कुमारी ने ४२१ अंक (८४.२%) प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया।

देवघर में बलथर पंचायत मुखिया के घर आयकर विभाग की रेड

देवघर (एजेंसी): देवघर जिले के मोहनपुर प्रखंड स्थित बलथर पंचायत के मुखिया के आवास पर शनिवार को आयकर विभाग की टीम ने छापेमारी की। वित्तीय अनियमितता और सरकारी फंड के कथित दुरुपयोग से जुड़े आरोपों के आधार पर की जा रही इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया। आयकर विभाग की टीम भारी सुरक्षा बल के साथ सुबह मुखिया के आवास पहुंची और जांच शुरू कर दी। छापेमारी के दौरान आयकर विभाग ने मुखिया के आवास और उनके घरेलू कार्यालय की तलाशी ली।

यह है भारत की सबसे छोटी चींटी, आकार सिर्फ 0.5 मिमी!

भारत और दुनिया में एक से बढ़कर एक प्रजाति के पशु, पक्षी और कीट पाए जाते हैं, जिनमें से एक चींटी भी है, जो खास तौर पर काली और लाल रंग की होती है। ऐसे में हम देश की सबसे छोटी चींटी के बारे में बताएंगे, जिसकी खासियत ने सभी को हैरान कर दिया है। दरअसल, राजमाता विजया राजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय इंदौर के कीट वैज्ञानिकों ने दमोह जिले में देश की सबसे छोटी चींटी की खोज की है। यह प्रजाति भारत में पहले कभी भी दर्ज नहीं हुई थी।

रिसर्च जारी

इन नई चींटियों की लंबाई 0.5 मिमी लंबी है। इसके सिर की बात करें, तो यह केवल 0.2 मिमी का है, जो कि हल्के पीले रंग की है। वैज्ञानिकों ने इसका नाम अग्रालोमिर्मेट 'दमोह एंट' रखा है। साथ ही यह दावा किया जा रहा है कि यह भारत की सबसे छोटी चींटी है। वैज्ञानिकों की टीम ने लगभग 3 साल तक 13 से 14 जिलों का सर्वेक्षण किया। फिलहाल, इस पर आगे भी रिसर्च जारी है।

40 प्रजाति पाई जाती हैं

वैज्ञानिकों के अनुसार, पौधों पर आने वाले कीटों को चींटियां नष्ट करती हैं, साथ ही मिट्टी की गुणवत्ता को सुधारती हैं, जिससे पौधे की वृद्धि होती है। भारत में 900 प्रजातियां चींटियों की पाई जाती हैं, जिनमें से मध्य प्रदेश में 40 प्रजातियां दर्ज हुई हैं, जबकि इंदौर में 30 प्रजाति पाई जाती हैं। दुनिया भर की बात करें तो अब तक 10 लाख कीटों का नामकरण हो चुका है।

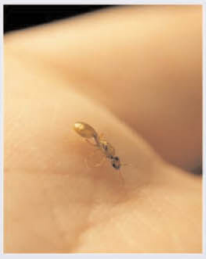

रूस का 'रहस्यमय' गांव! जहां रात में सुनाई देती हैं अजीबोगरीब आवाजें

रूस में एक ऐसी जगह है, जिसे आज भी वैज्ञानिक पूरी तरह समझ नहीं पाए हैं। इस जगह का नाम एम-ट्राएंगल या मोल्योब्का ट्राएंगल है, यह जगह रूस के पर्म क्षेत्र में स्थित है। राजधानी मॉस्को से करीब 600 मील पूरब की ओर उराल पर्वतों के पास बसे मोल्योब्का गांव को पहले स्थानीय मानसी लोग पवित्र मानते थे लेकिन आज यह रहस्य और चमत्कारों की वजह से दुनियाभर के लोगों के आकर्षण का केंद्र बन गया है।

यह इलाका 70 वर्ग मील में फैला

यह पूरा इलाका 70 वर्ग मील में फैला हुआ है और इसे 'पर्म जोन' या 'पर्म विषम क्षेत्र' भी कहा जाता है। लोगों का मानना है कि इस जगह में कोई रहस्यमयी या चमत्कारी शक्ति है जिसके वजह से यहां अजीब घटनाएं होती हैं। कहा जाता है कि जो लोग मंदबुद्धि होते हैं, अगर वे कुछ दिन यहां बिताएं, तो उनकी बुद्धि तेज हो जाती है। यहां तक कि गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति भी यहां आकर धीरे-धीरे स्वस्थ हो जाता है। यहां आने वाले लोगों का अनुभव भी काफी अनोखा होता है। उनका कहना है कि ऐसा लगता है जैसे वे पृथ्वी पर नहीं बल्कि किसी दूसरी दुनिया में आ गए हों। पर्यटक और शोधकर्ता दोनों इस बात को लेकर हैरान हैं कि आखिर इस जगह में ऐसा क्या है, जो इंसानों पर इतना असर डालता है।

सबसे पहले 1980 के दशक में शुरू

इस जगह की चर्चा सबसे पहले 1980 के दशक में शुरू हुई, जब यहां अचानक रहस्यमयी आवाजें सुनाई देने लगीं। इन आवाजों में ट्रैफिक का शोर, गाड़ियों की तेज रफ्तार की गूंज जैसी चीजें शामिल थीं। हैरानी की बात ये है कि इस जगह से 40 किलोमीटर तक कोई सड़क नहीं है, फिर भी यहां बार-बार ऐसा महसूस होता है कि जैसे कोई तेज गाड़ी पास से निकल गई हो।

अजीबोगरीब आवाजें को लेकर वैज्ञानिक भी हैरान

वैज्ञानिकों ने कई बार इन आवाजों को रिकॉर्ड किया है, लेकिन वे भी नहीं समझ पाए हैं कि इनकी असली वजह क्या है। आज तक यह रहस्य बना हुआ है कि इस निर्जन और शांत इलाके में ट्रैफिक जैसी आवाजें कहां से आती हैं। एम-ट्राएंगल आज भी शोधकर्ताओं, पर्यटकों और रहस्य-प्रेमियों के लिए जिज्ञासा का विषय बना हुआ है। यह जगह जितनी खूबसूरत है, उतनी ही रहस्यमयी भी है। शायद आने वाले समय में विज्ञान इस जगह के रहस्यों को सुलझा सके, लेकिन फिलहाल यह जगह एक अबूझ पहेली बनी हुई है।

क्या इंसान कर सकता है लाइट की स्पीड से ट्रैवल?

लाइट की स्पीड पर हमेशा से ही वैज्ञानिकों और आम लोगों में भी चर्चा होता रहता है, क्योंकि इसकी स्पीड इतनी ज्यादा है इसके बारे में सोच पाना भी लगभग असंभव है। हालांकि वैज्ञानिकों ने इसकी स्पीड का अंदाजा लगा रखा है। बता दे की लाइट की स्पीड 299792458 मीटर प्रति सेकंड है। अगर इसे किलोमीटर पर देखा जाए तो यह लगभग 300 000 किलोमीटर प्रति सेकंड है। दुनिया में इससे तेज कुछ भी नहीं है। यह दुनिया की सबसे तेज स्पीड है। ऐसा भी माना जाता है कि इसकी स्पीड से तेज दुनिया की कोई भी चीज ट्रैवल नहीं करती है। बता दे कि लाइट की स्पीड का इस्तेमाल समय और स्थान की जानकारी को समझने के लिए किया जाता है। लेकिन साइंस की फील्ड में हमेशा से ही यह सवाल उठता आया है कि क्या कोई इंसान प्रकाश की गति से भी यात्रा कर सकता है? और अगर ऐसा हो सकता है तो इसका परिणाम क्या होगा।

क्या कहता है नियम?

नियमों पर नजर डाली जाए तो प्रकृति के भी कुछ

नियम होते हैं ऐसा माना जाता है कि कोई भी इंसान लाइट की स्पीड से ट्रैवल नहीं कर सकता है अगर ऐसा होता तो भी इंसान कभी अमर नहीं हो सकता है। अगर इंसान प्रकाश की गति से यात्रा करता है तो सिर्फ समय का फैलाव होगा। यानी जो इंसान समय की गति से ट्रैवल करेगा उसके लिए समय धीमा हो जाएगा वह धरती पर तो सामान्य समय गति से ही चलेगा दरअसल सिद्धांत कहता है कि कोई भी चीज जब प्रकाश की गति के करीब भी पहुंचती है तो उसके लिए समय एकदम धीमा हो जाता है लेकिन यह समय धरती पर सामान्य तरह से ही चलता है।

क्या कोई बदलाव आएगा?

हालांकि अब तक ऐसी कोई तकनीक नहीं है जिससे लाइट की स्पीड से ट्रैवल किया जा सके लेकिन कुछ लोगों में यह भ्रम है कि इस स्पीड से केवल करने से अमरता आ जाती है लेकिन असल में ऐसा नहीं है सिर्फ यात्रा करने वाले शख्स के लिए समय धीमा हो सकता है लेकिन उसकी जैविक प्रक्रियाएं वैसे ही सामान्य चलती रहेंगी। जैसे वह पहले था और आखिर में यह सब उसी प्रकार खत्म होगा जैसे एक आम व्यक्ति के लिए होता है हालांकि एक सिद्धांत यह भी है कि प्रकाश की गति से यात्रा करने के लिए अत्यधिक ऊर्जा की भी जरूरत होती है और वर्तमान समय में ऐसी कोई भी ऊर्जा नहीं है ऐसी कोई भी तकनीक को विकसित नहीं किया गया है जो कभी भी प्रकाश की गति से ट्रैवल कर सके।

दुबईः 656 फीट की ऊंचाई पर बना सबसे ऊंचा स्विमिंग पूल

दुबई बुर्ज खलीफा, दुबई मॉल और फाउंटेन व सबसे बड़े गार्डन के लिए जाना जाता है, लेकिन इस शहर में अब आश्चर्यचकित करने वाली एक और कड़ी जुड़ गई-द औरा स्काईपूल।

दुनिया का सबसे डीपेस्ट यानी गहरा स्विमिंग पूल डीप डाइव भी दुबई में ही है। अब सबसे ऊंचा 360 डिग्री वाला यह पूल इस देश में पर्यटकों को आकर्षित करने की एक और वजह बन गई है। औरा स्काईपूल को दुनियाभर में अनोखी इमारत बनाने वाली कंपनी नखील ने बनाया है।

पाम टॉवर यहां की एक अनोखी रिहाइशी इमारत है, जिसमें एक होटल भी है। यहां यह पूल 360 डिग्री एंगल पर बना है। पूल से विश्व की 10 सबसे ऊंची बिल्डिंग्स में से एक दुबई स्काईलाइन का दृश्य बड़ा ही शानदार लगता है।

इस पुल को 'आईलैंड इन द स्काय' भी कहा जाता है। पाम टॉवर में कुल 52 मंजिले हैं। हैं और 50वें फ्लोर पर स्थित द औरा स्कायपूल की ऊंचाई 656 फीट है। इतनी ऊंचाई पर बना होने के कारण इस स्विमिंग पूल पर नहाना भी चुनौती से कम नहीं है। फिर भी इस स्काईपूल में एक दिन समय बिताने के लिए 7300 रुपए खर्च करने पड़ेंगे। पाम टॉवर दुबई के जुमेराह आइलैंड पर बना है।

- 750 वर्गमीटर के लाउंज से घिरा हुआ है ये पूल। यहां से लोग नीचे के खूबसूरत नजारे देख सकते हैं। पूल के दो फ्लोर ऊपर बने डेक से भी चारों ओर खूबसूरत नजारा दिखता है।
- 300 कमरे हैं इस पाम पॉवर इमारत में। यह पूल सुबह 10 बजे से लेकर सूर्यास्त तक खुला रहता है। हाल ही में इसका नाम गिनीज बुक ऑफ रिकार्ड्स में दर्ज किया गया।

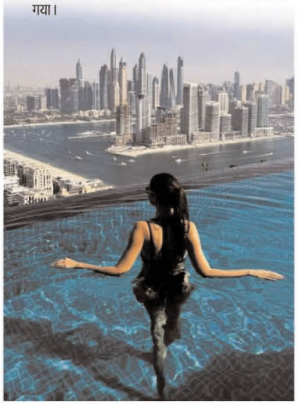

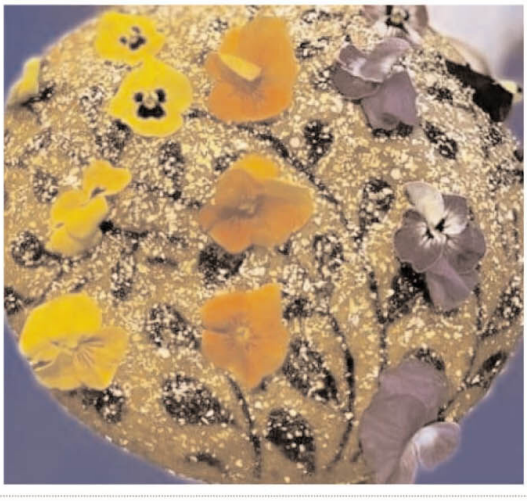

दुनिया की सबसे महंगी रोटी इसे बनाने में लगता है सोना-चांदी

दुनिया में हर चीज सस्ती से लेकर महंगी मिलती है। अगर चीज सस्ती होती है तो उसकी क्वालिटी थोड़ी लो होती है और अगर महंगी होती है तो इसकी क्वालिटी भी बहुत अच्छी होती है। हालांकि हर व्यक्ति का कुछ भी खरीदने को लेकर अपना बजट होता है। वह इस बजट के मुताबिक ही खरीदी बिक्री करता है। आपने अब तक कई तरह की चीजों की खरीदारी की होगी। महंगी और सस्ती चीजे के बारे में सुना होगा और इन्हें देखा भी होगा। अपनी शॉपिंग करते समय या फिर खाना खाते समय कभी आपने यह सोचा है कि दुनिया की सबसे महंगी रोटी कौन सी होगी। अगर नहीं तो आज हम आपको बताते हैं कि यह रोटी कैसी है और इसे कहां बनाया जाता है।

सबसे महंगी रोटी

जब भी महंगे खानपान की बात आती है तो स्पेन का नाम सामने आता है। यहां पर खाने-पीने की एक से बढ़कर एक महंगी चीज मिलती है। आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन यह एक ऐसा देश है जो सबसे महंगी ब्रेड यानी रोटी के लिए भी प्रसिद्ध है। यहां के गांव अल्गातोसीन में एक बेकरी है जिसका नाम पेन पिना है। यहां पर दुनिया की सबसे महंगी रोटी golden Loaf बनती है।

कितनी है कीमत

दुनिया की इस सबसे महंगी रोटी की कीमत 1.3 लाख से 1.5 लाख के करीब बताई जाती है। यह रोटी इतनी महंगी है कि इसे खाने के लिए व्यक्ति का लखपति होना जरूरी है। हालांकि जिस हिसाब से इसकी कीमत है किसी अमीर आदमी को भी इसे खाने के बारे में सोचना पड़ेगा।

क्यों है इतनी महंगी

अब आप यह सोच रहे होंगे कि भला रोटी की कीमत लाखों रुपए क्यों हो सकती है। दरअसल इस रोटी को जिन चीजों से बनाया जाता है उसकी वजह से उसकी कीमत इतनी ज्यादा है। आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन इसमें सोने और चांदी का एडिबल बारीक पाउडर मिलाया जाता है। यही कारण है कि इस रोटी की कीमत इतनी ज्यादा होती है।

कैसे बनती है

इस रोटी को बनाने में घिया, स्पेल्ट, मॉल्ट और क्रिन्हा जैसे पोषक अनाज का इस्तेमाल होता है। यह रोटी बहुत धीरे-धीरे तैयार होती है और इसे बनने में तकरीबन 18 से 24 घंटे लगते हैं। इसका स्वाद और बनावट भी बहुत ही खास होती है। इसमें जितनी भी चीज है डाली जाती है। वह बहुत ही महंगी और खास होती है। इस एक रोटी का वजन 0.88 पाउंड होता है।

कब हुई शुरुआत

इस रोटी को बनाने की शुरुआत 2016 में हुई। इसे स्पेन के बेकर जुआन मोरेनो ने सोने के साथ की थी। बाद में इसमें सोना और चांदी दोनों मिक्स किया गया। इसमें बाहर से सोना और अंदर से चांदी का पाउडर और फ्लेक्स मिलाया जाता है।

'काश मुझे मारा न होता', विक्रांत मैसी ने 'मिर्जापुर' से बाहर होने पर जताया दुख

विक्रांत मैसी जल्द ही आगामी वेब सीरीज 'प्रीतम एंड पेड़ो' में नजर आएंगे। इस बीच विक्रांत मैसी ने हिट वेब सीरीज 'मिर्जापुर' को लेकर बात की, जो अब 'मिर्जापुर : द मूवी' के नाम से फिल्म के रूप में बड़े पर्दे पर लौट रही है। लेकिन वेब सीरीज के पहले सीजन का हिस्सा रहे विक्रांत मैसी इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। इस बीच विक्रांत ने 'मिर्जापुर' के पहले सीजन में ही अपने किरदार बबलू पंडित के मर जाने पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि काश मेकर्स उन्होंने मुझे मारा न होता।

जब 'मिर्जापुर : द मूवी' की घोषणा हुई थी तो फैंस को उम्मीद थी कि बबलू पंडित के किरदार में विक्रांत मैसी की फिल्म में वापसी होगी। लेकिन जब फिल्म का टीजर जारी हुआ तो ये साफ हो गया कि विक्रांत फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। उनकी जगह 'पंचायत' फेम जितेंद्र कुमार फिल्म में बबलू पंडित के किरदार में नजर आएंगे। अब हाल ही में एफएलओ बैंगलोर ऑफिशियल के साथ बातचीत में विक्रांत ने मिर्जापुर शो के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि कैसे इसमें ज्यादातर पुरुष कास्ट और क्रू थे, जो उनके अनुसार पितृसत्ता और मेल इगो में डूबे हुए थे। उन्होंने कहा कि जब 'मिर्जापुर' मेरे पास आया, तो असल में यह बस कुछ उत्साही लोगों का एक साथ आना था। इसमें कई शानदार महिलाएं भी शामिल थीं, लेकिन मुख्य रूप से शो में मान लीजिए लगभग 85% पुरुष शामिल थे। कैमरे के आगे और पीछे दोनों जगह। यह बस लोगों का एक समूह था जो एक साथ आए और कहा, 'चलो यह शो बनाते हैं।'

'मिर्जापुर' के पहले सीजन का हिस्सा थे विक्रांत

इस सीरीज में विक्रांत मैसी ने अली फजल के किरदार गुड्डू पंडित के भाई बबलू पंडित का किरदार निभाया था। उनके किरदार ने कहानी में गंभीरता और समझदारी भरी सोच जोड़ी। वह गुड्डू पंडित के लिए रणनीतिक दिमाग का काम करते थे। पहले सीजन में बबलू पंडित की मौत ही वह घटना थी, जिसने कॉलेज जाने वाले गुड्डू पंडित और कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी) के बेटे मुन्ना भैया (दिव्येंदु) के बीच जबरदस्त दुश्मनी को जन्म दिया। 2018 में रिलीज होने के बाद इस शो को बहुत ज्यादा लोकप्रियता मिली और तब से इसके तीन सफल सीजन आ चुके है।

क्या ट्रेंड को फॉलो नहीं करतीं अनन्या पांडे

सेलिब्रिटी पर हमेशा ट्रेंड्स के साथ चलने का दबाव रहता है। ऐसा इसलिए क्योंकि फैंस उन्हें अपना आदर्श मानते हैं। उन पर ये दबाव इसलिए भी रहता है कि क्योंकि ब्यूटी ट्रेंड्स रातों-रात बदल जाते हैं। हालांकि अनन्या पांडे के लिए, आज खूबसूरती का मतलब ट्रेंड्स को फॉलो करना नहीं, बल्कि अपनी असलियत को अपनाना है। बातचीत में एवट्रेस ने बताया कि वह कभी भी ब्यूटी ट्रेंड्स के पीछे नहीं भागती, बल्कि वही चीजें अपनाती हैं, जो उन्हें स्वाभाविक रूप से पसंद आती हैं।

अपने लिए सही चीजें चुनती हैं अनन्या

'कॉल मी बे' की एक्ट्रेस ने कहा, 'मैं ट्रेंड्स को फॉलो वालों में से नहीं हूं। मुझे असल में ऑनलाइन सर्च करना पड़ता है कि अभी क्या ट्रेंड कर रहा है, वरना मुझे पता ही नहीं चलेगा। मुझे बस इतना पता है कि मेरे लिए क्या सही है।'

अनन्या का काम

अनन्या को फिल्म 'केसरी चैप्टर 2' और 'चांद मेरा दिल' जैसी हालिया फिल्मों में उनकी परफॉर्मेंस के लिए तारीफ मिली, हालांकि ये फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं कर पाईं। सफलता और असफलता दोनों का अनुभव कर चुकीं यह एक्ट्रेस बड़े पर्दे के जादू में पक्का यकीन रखती हैं।

नई पीढ़ी से अपील

अनन्या पांडे कहती हैं 'मुझे लगता है कि सिनेमा हमेशा रहेगा। मुझे थिएटर में जाकर हर तरह की फिल्में देखना पसंद है। मुझे सबसे ज्यादा मजा हर हफ्ते रिलीज होने वाली फिल्में देखने में आता है। मेरे लिए, फिल्में देखना मेरे बड़े होने का एक अहम हिस्सा रहा है। मैं नई पीढ़ी को थिएटर जाकर फिल्में देखने और हमारे सिनेमा को जिंदा रखने के लिए प्रोत्साहित करूंगी।'

अच्छी कहानी ही तय करती है फिल्म की सफलता

आज के दौर में बॉलीवुड और रीजनल सिनेमा की तुलना करते लोग हर तरफ देखने को मिल जाएंगे। इस पर अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने अपने विचार रखे हैं। इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि किसी भी फिल्म इंडस्ट्री को एक ही नजरिए से देखना सही नहीं है। हर जगह अच्छी और खराब दोनों तरह की फिल्में बनती हैं। असली फर्क भाषा का नहीं, बल्कि कहानी और प्रस्तुति का होता है। आईएएनएस ने जब दिव्या दत्ता से पूछा कि क्या रीजनल सिनेमा कॉमेडी फिल्मों को बॉलीवुड से बेहतर तरीके से पेश कर रहा है, तो इस सवाल पर उन्होंने कहा, ''इस तरह की तुलना करना सही नहीं है। किसी भी कॉमेडी फिल्म की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसकी कहानी कितनी मजबूत है और उसे दर्शकों के सामने किस तरह पेश किया गया है। मेरा मानना है कि अगर कंटेंट अच्छा है, तो वह किसी भी भाषा में हो, दर्शकों को जरूर पसंद आता है।'' दिव्या दत्ता ने कहा, ''फिल्म इंडस्ट्री को भाषा के आधार पर बांटना ठीक नहीं है। चाहे फिल्म हिंदी में हो, किसी रीजनल भाषा में हो या फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनी हो, अगर कहानी दमदार है और उसे सही तरीके से दिखाया गया है तो वह लोगों के दिलों तक पहुंचती है। आज दर्शक काफी समझदार हो चुके हैं और वे सिर्फ नाम या भाषा देखकर फिल्म को पसंद नहीं करते, बल्कि कंटेंट को प्राथमिकता देते हैं।''

बहन करिश्मा को अपना आदर्श मानती हैं करीना कपूर

अभिनेत्री करीना कपूर खान अपनी बड़ी बहन करिश्मा कपूर से बेहद प्यार करती हैं और उनका बहुत सम्मान करती हैं। एक पुराने टॉक शो 'जीना इसी का नाम है' में करीना ने दिल खोलकर करिश्मा की तारीफ की थी। एक खबर के अनुसार, करीना ने शो 'जीना इसी का नाम है' में बताया कि वह हर मामले में करिश्मा को अपना आदर्श मानती हैं। इसके साथ ही करीना ने कहा कि वह हमेशा उनकी तरह बनने की कोशिश करती हैं। उन्हें करिश्मा का आत्मविश्वास और बात करने का तरीका बेहद पसंद है।

करीना ने करिश्मा के लिए एक प्यारा सा वीडियो मैसेज भेजा था, जिसमें उन्होंने कहा, 'आपमें ऐसी बहुत सी बातें हैं, जो मुझे बहुत पसंद हैं। आज के समय में ऐसी लड़कियां बहुत कम होती हैं, जो इतनी समझदार हों और जिन्हें पता हो कि लाइफ में क्या करना है।' करीना ने आगे कहा, 'मैं हर तरह से आपके जैसी बनना चाहती हूं और इसके लिए पूरी कोशिश भी कर रही हूं। मेरे साथ हमेशा खड़े रहने और मेरी ताकत बनने के लिए शुक्रिया, क्योंकि आपके बिना मैं एक मिनट भी नहीं रह सकती।'

शो 'जीना इसी का नाम है' के दौरान होस्ट फारूक शेख ने दोनों बहनों का बचपन का एक पुराना वीडियो भी दिखाया। इस वीडियो में करिश्मा बड़े प्यार से अपनी छोटी बहन करीना को खाना खिलाती नजर आ रही थीं। इस वीडियो को देखकर दोनों भावुक हो गईं।

राजकुमार हिरानी ने बताया कैसे 'प्रीतम एंड पेड़ो' में बेटे वीर को मिला रोल

फिल्ममेकर राजकुमार हिरानी साइबरक्राइम कॉमेडी-ड्रामा 'प्रीतम एंड पेड़ो' के साथ ओटीटी की दुनिया में कदम रख रहे हैं। यह सीरीज इसलिए भी खास है क्योंकि इससे उनके बेटे वीर हिरानी एक्टिंग में डेब्यू कर रहे हैं। लेकिन आम स्टार-किड्स की तरह वीर के लिए यह रोल पाना आसान नहीं था। उनके पिता ने शुरू से ही साफ कर दिया था कि कोई शॉर्टकट या खास रियायत नहीं मिलेगी।

कहानी लिखते समय वीर का नाम दिमाग में नहीं था

बातचीत में राजकुमार हिरानी ने कहा कि जब यह सीरीज शुरू में बन रही थी, तब उनके बेटे का नाम कास्टिंग के लिए नहीं सोचा गया था। जब हमने लिखना शुरू किया, तो न तो अरशद और न ही वीर का नाम जहन में था। लिखते समय आप कास्ट के बारे में नहीं सोचना चाहते क्योंकि इससे आप अटक सकते हैं।

उस समय वीर लंदन की रॉयल एकेडमी ऑफ ड्रामेटिक आर्ट में अपनी ट्रेनिंग पूरी कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि मैंने उससे कहा था कि ड्रामा स्कूल से वापस आओ, थिएटर करो और दिलचस्प काम करके एक एक्टर के तौर पर अपनी पहचान बनाओ। घर और ऑफिस में कास्टिंग पर हो रही बातचीत को देखने के बाद ही वीर ने इस रोल में दिलचस्पी दिखाई। लेकिन उनके पिता ने तुरंत कुछ नियम तय कर दिए।

मैं अपनी मर्जी नहीं चला सकता

राजकुमार हिरानी ने बताया कि मैंने वीर से कहा कि अगर तुम इसके लिए ऑडिशन देना चाहते हो, तो दो। अविनाश अरुण से मिलो। उन्हें मनाओ क्योंकि वही इसे डायरेक्ट कर रहे हैं। मैं अपनी मर्जी नहीं चला सकता। भले ही यह मेरी सीरीज हो, तुम्हें ऑडिशन देना ही होगा। यह मत सोचना कि सिर्फ मेरे बेटे होने की वजह से तुम्हें यह रोल मिल जाएगा। वीर ने इस प्रोसेस को गंभीरता से लिया। कहा जाता है कि वह हर रात एक दोस्त के साथ सीन की रिहर्सल करते थे, कई ऑडिशन टेप रिकॉर्ड करते थे और सिर्फ सबसे अच्छे टेप ही मेकर्स को भेजते थे। उन्हें यह रोल पूरी तरह से अपनी काबिलियत के दम पर मिला।

'जूही मुई' में अपने करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने जा रही हैं ईशा सिंह

टीवी अभिनेत्री ईशा सिंह इन दिनों अपने आने वाले शो 'जूही मुई' को लेकर चर्चा में हैं। इस शो में वह अपने करियर का अब तक का सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने जा रही हैं। ईशा इसमें ऑटिज्म स्पेक्ट्रम पर रहने वाली लड़की 'जूही' की भूमिका में नजर आएंगी। अपने इस किरदार की तैयारी और ऑटिज्म को लेकर समाज में फैली गलतफहमियों पर अभिनेत्री ने खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि आज भी बड़ी संख्या में लोग ऑटिज्म को बीमारी समझते हैं, जबकि यह एक न्यूरोलॉजिकल स्थिति है। एक इंटरव्यू में ईशा सिंह ने कहा, ''आज भी बहुत से लोग ऑटिज्म को सही तरीके से नहीं समझते। जागरूकता की कमी पढ़े-लिखे लोगों के बीच भी देखने को मिलती है। मेरे अपने दोस्तों में भी ऐसे लोग हैं जिन्हें ऑटिज्म के बारे में सही जानकारी नहीं है। ऐसे में सबसे जरूरी बात यह है कि लोग इस विषय को समझें और इसके बारे में सही जानकारी हासिल करें।''

ईशा सिंह ने कहा, ''ऑटिज्म को लेकर सबसे बड़ी गलतफहमी यह है कि लोग इसे बीमारी मान लेते हैं। जबकि सच यह है कि ऑटिज्म कोई बीमारी नहीं, बल्कि मस्तिष्क के विकास से जुड़ी एक न्यूरोलॉजिकल स्थिति है। कुछ माता-पिता यह सोचते हैं कि ऑटिज्म एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैल सकता है, जबकि यह पूरी तरह गलत धारणा है। ऑटिज्म न तो संक्रामक है और न ही यह किसी तरह की बीमारी है।''

अभिनेत्री का कहना है कि ऑटिज्म स्पेक्ट्रम पर रहने वाले बच्चे अक्सर बेहद बुद्धिमान, संवेदनशील और प्यार करने वाले होते हैं। उन्हें समाज से सहानुभूति नहीं बल्कि समझ और स्वीकार्यता की जरूरत होती है। ऐसे बच्चों को बदलने की कोशिश करने के बजाय उन्हें उसी रूप में स्वीकार करना चाहिए, क्योंकि हर व्यक्ति अपनी अलग पहचान और विशेषताओं के साथ दुनिया में आता है। अपने नए शो में निभाए जा रहे किरदार को लेकर ईशा सिंह ने कहा, ''यह मेरे करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण और जिम्मेदारी भरा रोल है। चूंकि यह एक बेहद संवेदनशील विषय है, इसलिए मैंने इसकी तैयारी में कोई कमी नहीं छोड़ी। मेरा उद्देश्य ऑटिज्म से जुड़े लोगों की भावनाओं और व्यवहार को पूरी ईमानदारी के साथ दर्शकों तक पहुंचाना था।''

ईशा ने कहा, ''इस किरदार की तैयारी के दौरान मैंने ऑटिज्म पर आधारित कई इंटरव्यू देखे, विशेषज्ञों और लोगों से बातचीत की, इस विषय पर काफी रिसर्च की और कई किताबें भी पढ़ीं। यह सीखने की प्रक्रिया अभी भी जारी है। जूही का किरदार निभाते हुए मुझे हर दिन कुछ नया सीखने को मिल रहा है। मैंने अपने स्टडी, लोगों के अनुभव और अपनी व्यक्तिगत समझ को मिलाकर इस किरदार को तैयार किया है।''

अभिनेत्री ने बताया, ''जूही के किरदार के लिए मुझे अपने चलने, बोलने, बैठने, प्रतिक्रिया देने और भावनाओं को व्यक्त करने के तरीके पर भी बारीकी से काम करना पड़ा। ऑटिज्म स्पेक्ट्रम पर रहने वाले लोग हर भावना को गहराई से महसूस करते हैं, लेकिन जरूरी नहीं कि वे उसे सामान्य तरीके से व्यक्त कर पाएं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए मैंने अपने अभिनय में किसी तरह का दिखावा नहीं रखा, बल्कि छोटे-छोटे हाव-भाव और स्वाभाविक अभिव्यक्ति पर विशेष ध्यान दिया।''

ईशा सिंह ने कहा, ''मुझे विश्वास है कि जब दर्शक 'जूही मुई' देखेंगे तो उन्हें मेरे किरदार की कई ऐसी बारीकियां नजर आएंगी, जिन पर पूरी टीम ने काफी मेहनत की है। अगर इस शो के जरिए कुछ लोग भी ऑटिज्म को लेकर अपनी सोच बदलते हैं और इसे सही तरीके से समझ पाते हैं, तो मेरी मेहनत सफल मानी जाएगी।''

संक्षिप्त समाचार

भारत-जापान की दोस्ती देख बौखलाए जिनपिंग?: चीन बोला- आपसी सहयोग का कोई तीसरा देश निशाना नहीं बनना चाहिए

बीजिंग, एजेंसी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत-जापान 16वां शिखर सम्मेलन बेहद

सफल रहा है। दोनों देश अगले साल अपने राजनयिक संबंधों का 75वां वर्ष मनाएंगे। मंत्रालय ने कहा कि जापानी प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची की यात्रा ने दोनों देशों की साझा प्रगति और समृद्धि के लिए अहम साझेदारी को और मजबूत करने की दोनों पक्षों की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। भारत-जापान साझेदारी हिंद-प्रशांत क्षेत्र और उससे आगे शांति, समृद्धि और स्थिरता को बढ़ावा देने का भी एक महत्वपूर्ण आधार है। इस बीच चीन ने भी भारत-जापान सहयोग पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। जापानी पीएम ताकाइची अपना तीन दिवसीय भारत दौरा पूरा कर शुक्रवार को स्वदेश रवाना हो गईं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर कहा कि जापानी प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची की यादगार यात्रा का समापन हुआ। इसने भारत-जापान साझेदारी को साझा लक्ष्यों की ओर आगे बढ़ाया। जापान की प्रधानमंत्री 16वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन की अत्यंत सफल बैठक के बाद भारत से रवाना हो गईं। उन्हें केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने विदाई दी। उन्होंने नई दिल्ली में विदाई समारोह की कुछ तस्वीरें भी साझा कीं। जायसवाल ने कहा कि इस यात्रा ने दोनों देशों की साझा प्रगति और समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण साझेदारी को आगे बढ़ाने तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र और उससे आगे शांति, समृद्धि एवं स्थिरता को बढ़ावा देने वाले मजबूत आधार के रूप में इसे विकसित करने की दोनों पक्षों की प्रतिबद्धता की पुन: पुष्टि की। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने बृहस्पतिवार को कहा था कि दोनों नेताओं ने अगले वर्ष भारत और जापान के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ मनाए जाने पर भी चर्चा की। चीन ने कहा कि देशों के बीच आपसी सहयोग का मकसद किसी तीसरे पक्ष को निशाना बनाना नहीं होना चाहिए। यह बयान जापान की पीएम सानाए ताकाइची की दिल्ली यात्रा के दौरान भारत और जापान के बीच रक्षा समेत कई अहम समझौतों के एक दिन बाद आया है।

नेपाल में राष्ट्र सेवा प्रशिक्षण के लिए नए कानून की तैयारी, प्रशिक्षित स्वयंसेवकों की कहां होगी तैनाती?

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल सरकार राष्ट्रीय सेवा दल से जुड़ा नया कानून लाने की तैयारी में है।

इसके तहत किसी भी नेपाली नागरिक को प्रशिक्षण दिया जा सकेगा। जरूरत पड़ने पर प्रशिक्षित लोगों को राष्ट्र सेवा के लिए स्वयंसेवक के रूप में तैनात किया जा सकेगा। रक्षा मंत्री का कार्यभार भी संभाल रहे प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह (बालेन) ने यह विधेयक संघीय संसद सचिवालय में पंजीकृत कराया है। इस विधेयक के उद्देश्य स्पष्ट करते हुए कहा गया है कि विद्यार्थियों में देशभक्ति, जनसेवा और राष्ट्रीय एकता की भावना विकसित की जाएगी। उन्हें नैतिक, अनुशासित और जिम्मेदार नागरिक बनाने पर भी जोर दिया जाएगा। विधेयक में कहा गया है कि राष्ट्रीय आवश्यकता के अनुसार किसी भी नेपाली नागरिक को प्रशिक्षण देकर राष्ट्र सेवा के लिए तैयार किया जा सकेगा। इसमें नेतृत्व क्षमता बढ़ाने और विकास व निर्माण कार्यों के लिए स्वयंसेवकों का समूह तैयार करने का भी प्रावधान है। प्रमुख संरक्षक और रक्षा मंत्री संरक्षक होंगे। नेपाल सरकार, प्रधान सेनापति की सिफारिश पर अवकाश प्राप्त उपरथियों में से एक को दो वर्ष के लिए कार्यकारी महानिदेशक नियुक्त करेगी।

ऑस्ट्रेलिया की सड़कों पर अपनी हरकत से हलचल मचा रहा 1000 किलो का सील

कैनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के दक्षिणी तस्मानिया के तटीय कस्बों में इन दिनों नील नाम का 5 वर्षीय और 1,000 किलोग्राम वजनी सील चर्चा का विषय बना हुआ है। यह 5 वर्षीय सील हीनों तक समुद्र में भोजन करने के बाद दक्षिणी तस्मानिया राज्य के समुदतटीय कस्बों के अपने साल में दो बार होने वाले दौरे के लिए जमीन पर कदम रखा।

इस सील जमीन पर उसने प्रशासन की नाक में दम कर रखा है। एक छोटी कार जितना भारी यह सील कभी सड़क के बीचोंबीच लेटकर ट्रैफिक जाम कर देता है, तो कभी वर्चस्व की लड़ाई के अभ्यास के लिए खड़ी कारों, बैरिकेड्स और बाड़ों को तहस-नहस कर देता है।

नील की इस बढ़ती लोकप्रियता के बीच अधिकारी चिंतित हैं कि इंसानों के बेहद करीब जाने की मूर्खतापूर्ण कोशिशें किसी बड़े खतरे को दावत दे सकती हैं, जिससे इस वेजुबान जानवर की जान को भी जोखिम हो सकता है।

बुनियादी ढांचे को तहस-नहस करने के कारण इसने कई ट्रैफिक बैरियर, सीलों के बारे में चेतावनी देने वाला एक साइनबोर्ड और एक बाड़ को तोड़ दिया है, जिसे नील के कूदने के प्रयास में वह टिक नहीं पाई। बाकी समय यह जहां चाहे वहां शांति से लेटा रहता है, लेकिन कभी-कभी सड़क के बीचोंबीच भी होता है, जिससे इसके द्वारा देखे जाने वाले कस्बों का यातायात ठप्प हो जाता है।

लेकिन अधिकारियों का कहना है कि उनकी चिंता यह है कि नील की लोकप्रियता के कारण इंसानों और सीलों के बीच खतरनाक मुठभेड़ हो सकती है, यह दोनों पक्षों के लिए हानिकारक है। बता दें कि यह अस्मानिया आने वाला एकमात्र नर हाथी सील है। जिसने अपने अपने शरारती व्यवहार के कारण टिकटॉक पर 14 लाख लोगों का दिल जीत लिया है। इसके टिक टॉक पर लाखों फॉलोअर्स हो गए हैं। तट पर अपनी 12वीं यात्रा के दौरान नील ने सड़कों पर खड़े अवरोधों (बैरिकेड्स) को तोड़ा और वहां खड़ी गाड़ियों से उलझता हुआ नजर आया। तस्मानिया विश्वविद्यालय में कार्यरत सील वैज्ञानिक सोफिया वोल्जके के अनुसार, युवा नर हाथी सीलों को भविष्य में वर्चस्व की लड़ाइयों के लिए अभ्यास करने की जरूरत होती है। वयस्क होने पर ये सील प्रजनन के अवसरों के लिए दूसरे नर सीलों से मुकाबला करते हैं, जिसमें वे अपने सीने आपस में टकराते हैं और सीधे खड़े हो जाते हैं।

भारत-फ्रांस के बीच आर्थिक व कूटनीतिक संवाद, सहयोग को मिलेगी नई दिशा

पेरिस, एजेंसी। भारत और फ्रांस ने शुक्रवार को महत्वपूर्ण खनिज, आर्थिक संप्रभुता और सुरक्षा नीतियों में आपसी सहयोग बढ़ाने के संभावित क्षेत्रों पर चर्चा की। दोनों देशों ने उद्योगों के बीच संबंध और मजबूत करने पर भी विचार किया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और

फ्रांस के अर्थव्यवस्था, वित्त, उद्योग, ऊर्जा और डिजिटल संप्रभुता मंत्री रोलैंड लेवरोर ने फ्रांस के ऐक्स-एन-प्रोवेंस में भारत-फ्रांस आर्थिक और वित्तीय संवाद (ईएफडी) की सह-अध्यक्षता की। आधिकारिक बयान के अनुसार, जैसे-जैसे भारत और फ्रांस के बीच आर्थिक संबंध विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के तहत गहरे हो रहे हैं, अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण, द्विपक्षीय सहयोग और परिणाम आधारित समाधान पर उच्च स्तरीय बातचीत फिर से शुरू करना जरूरी हो गया है। इस संवाद के दौरान दोनों देशों ने जी20 और पेरिस वलय जैसे बहुपक्षीय आर्थिक मंचों पर अपने रुख का अधिक तालमेल करने पर चर्चा की। दोनों मंत्रियों ने वैश्विक आर्थिक स्थिति पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने चर्चा की कि भारत और फ्रांस मिलकर महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में सहयोग कैसे बढ़ा सकते हैं। इसके साथ ही दोनों देशों ने अपनी आर्थिक संप्रभुता और सुरक्षा नीतियों पर बात की और निवेश बढ़ाने के तरीकों पर विचार किया। उच्च गति वाली रेल परियोजनाओं में भी सहयोग के अवसरों पर चर्चा हुई, जो पहले हुए रेल समझौते के बाद आगे बढ़ रहे हैं। भविष्य की योजनाओं का किया स्वागत

भीषण गर्मी के बावजूद भी नहीं रुकेगा जश्न, ट्रंप देंगे संबोधन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका अपने 250वें स्वतंत्रता दिवस का ऐतिहासिक जश्न मना रहा है। हालांकि वॉशिंगटन और पूर्वी अमेरिका के कई हिस्सों में भीषण गर्मी को देखते हुए कार्यक्रमों के समय में बदलाव किया गया है। इसके बावजूद सैल्यूट टू अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप का संबोधन, सैन्य प्रदर्शन और भव्य आतिशबाजी तय कार्यक्रम के अनुसार ही होंगे। वहीं, ट्रंप ने स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्यापर देशवासियों को संदेश देते हुए अमेरिका के इतिहास, उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर भी जोर दिया।

आयोजकों ने बताया कि वॉशिंगटन में सक्रिय हीट एडवाइजरी को देखते हुए सैल्यूट टू अमेरिका समारोह के कार्यक्रमों में बदलाव किया गया है। इसका मकसद लोगों को अत्यधिक गर्मी से बचाना है। ग्रेट अमेरिकन स्टेट फेयर और फीफा फैन जोन अब दोपहर 12 बजे से खुलेंगे और कार्यक्रम समाप्त होने तक खुले रहेंगे। वॉशिंगटन मॉन्यूमेंट परिसर को भी पहले की तुलना में देर से खोला जाएगा ताकि लोगों को लंबे समय तक धूप में इंतजार न करना पड़े। आयोजकों ने साफ कहा कि समारोह जारी रहेगा, लेकिन लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। पूरे आयोजन स्थल पर मुफ्त पेयजल वितरण केंद्र बनाए गए हैं। पानी भरने (रिफिल) के स्टेशन लगाए गए हैं। लोगों को गर्मी से बचाने के लिए कूलिंग टेंट तैयार किए गए हैं। वातानुकूलित (एयर कंडीशंड) बसों की व्यवस्था की गई है। 15 एयर कंडीशंड मंडप बनाए गए हैं, जहां लोग आराम कर सकेंगे। अतिरिक्त मेडिकल टीम और चिकित्सा सहायता तैनात की गई है। धुंध वाले कूलिंग क्षेत्र (मिस्टिंग एरिया) और छायादार विश्राम स्थल बनाए गए हैं। प्रवेश को आसान बनाने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा जांच व्यवस्था की गई है। लोगों से हल्के रंग के ढीले कपड़े पहनने और पर्याप्त पानी पीने की अपील की गई है। समय-समय पर छांव या ठंडी जगह पर आराम करने की सलाह दी गई है। छोटे बच्चों, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष इंतजाम। गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों को खास सावधानी बरतने के लिए कहा गया है। स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम में क्या होगा खास? नेशनल मॉल के ऊपर सैन्य विमानों और हेलीकॉप्टरों का प्रदर्शन शुरू होगा। नासा के विमान भी हवाई प्रदर्शन का हिस्सा होंगे। अमेरिकी तटरक्षक बल (यूएस कोस्ट गार्ड) अपनी क्षमता का प्रदर्शन करेगा।

अमेरिकी सेना के हेलीकॉप्टर, वायुसेना के लड़ाकू और बमवर्षक विमान उड़ान भरेंगे। मरीन कॉर्प्स और अमेरिकी नौसेना के विमान भी हिस्सा लेंगे। मशहूर एरोबेटिक टीम ब्लू एंजेल्स और थंडरबर्ड्स प्रदर्शन करेंगी। एफ-22 रैप्टर, बी-1 बमवर्षक और एयर फोर्स वन भी फ्लाईपास्ट में शामिल होंगे। सैल्यूट टू अमेरिका' का मुख्य कार्यक्रम शुरू होगा।

नेतन्याहू के निशाने पर थे ईरानी वार्ताकार? न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट पर आ गया इस्राइल का बयान

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने उस मीडिया रिपोर्ट को सिरे से खारिज कर दिया है, जिसमें दावा किया गया था कि अमेरिका को आशंका थी कि इस्राइल ईरान के वरिष्ठ वार्ताकारों को निशाना बना सकता है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस रिपोर्ट को फेक न्यूज और हकीकत से पूरी तरह अलग बताते हुए कहा कि इसमें किए गए दावे वास्तविकता पर आधारित नहीं हैं। इस बयान के बाद एक बार फिर मध्य पूर्व की कूटनीतिक हलचल और इस्राइल-ईरान संबंध चर्चा के केंद्र में आ गए हैं। मामला उस रिपोर्ट से जुड़ा है, जिसमें दावा किया गया कि इस साल इस्लामाबाद वार्ता के दौरान अमेरिकी अधिकारियों को यह आशंका थी कि इस्राइल ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची और ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ को निशाना बना सकता है। रिपोर्ट के अनुसार कुछ मौजूदा और पूर्व अमेरिकी अधिकारियों का मानना था कि 8 अप्रैल के युद्धविराम के बाद के हफ्तों में इस्राइल ऐसी योजना पर विचार कर सकता था। इसी आशंका के चलते अमेरिका ने कथित तौर पर क्षेत्र के कुछ देशों के माध्यम से तेहरान तक अप्रत्यक्ष संदेश पहुंचाया, ताकि ईरानी नेतृत्व को संभावित खतरे से आगाह किया जा सके। हालांकि रिपोर्ट में इन दावों को अधिकारियों के हवाले से पेश किया गया था। इन दावों पर प्रतिक्रिया देते हुए इस्राइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर स्पष्ट शब्दों में कहा कि ईरानी वार्ताकारों को लेकर प्रकाशित रिपोर्ट पूरी तरह झूठी है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने लिखा, 'हमेशा की तरह ईरानी वार्ताकारों को लेकर प्रकाशित ताजा खबर फेक न्यूज है। यह वास्तविकता की पूरी तरह मनगढ़ंत कहानी है।'

मैं अपने बारे में लिखी रोचक खबर पढ़ता हूं, ट्रंप ने बताया कैसे बिताते हैं व्हाइट हाउस में समय?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका की द्वितीय महिला उषा वैंस के पॉडकास्ट में शामिल हुए। यहां वे अपने शरीर और व्हाइट हाउस में अपना समय कैसे बिता रहे हैं। इसके बारे में बताया। ट्रंप ने वैंस के 'स्टोरीटाइम विद द सेकंड लेडी' पॉडकास्ट में भाग लिया। जिसे शुक्रवार को ऑनलाइन पोस्ट किया गया था। इस दौरान राष्ट्रपति ने व्हाइट हाउस हिस्टोरिकल एसोसिएशन की बच्चों की किताब 'प्रेसिडेंट्स प्ले!' पढ़ी, जिसमें राष्ट्रपतियों को खेल का आनंद लेते हुए और व्हाइट हाउस और उसके मैदानों का मनोरंजन के लिए उपयोग करते हुए दर्शाया गया है। वहीं, जब वैंस ने ट्रंप से पूछा कि क्या राष्ट्रपति के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उन्हें मनोरंजन के लिए पढ़ने का पर्याप्त समय मिलता है, तो उन्होंने जवाब दिया कि वे ज्यादातर अखबार ही पढ़ते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं आमतौर पर अपने बारे में लिखी गई कहानियां पढ़ता हूं।' जैसे ही ट्रंप बच्चों की किताब के पन्ने पलट रहे थे। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपतियों के बारे में टिप्पणियां कीं। कुछ चुटकुले सुनाए और व्हाइट हाउस परिसर में बन रहे अपने विशाल भोज कक्ष का प्रचार भी किया। उन्होंने लिंडन जॉनसन को कठोर व्यक्तित्व, रोनाल्ड रीगन को उच्च गुणों वाला व्यक्ति और आपके पिता की तरह राष्ट्रपति बताया। वहीं, जॉन एफ. कैनेडी को दूसरे सबसे आकर्षक राष्ट्रपति के रूप में वर्णित किया। ट्रंप ने यह नहीं बताया कि उनके अनुसार सबसे आकर्षक राष्ट्रपति कौन था। रिचर्ड निक्सन, जो वाटरगेट कांड में फंसने के बाद पद से इस्तीफा देने वाले एकमात्र राष्ट्रपति थे, 'शायद खुद ही मुसीबत में फंस गए थे।' महामंदी के दौरान राष्ट्रपति रहे हर्बर्ट हूवर को पुस्तक में 'हूवर बॉल' नामक एक खेल खेलते हुए दर्शाया गया है, जिसे उन्होंने खुद बनाया था। ट्रंप ने चुटकी लेते हुए कहा। ' यह उनके लिए अर्थव्यवस्था से भी बेहतर साबित हुआ।' ट्रंप के लंबे समय से उपहास का निशाना रहे बराक ओबामा को बास्केटबॉल खेलते हुए चित्रित किया गया था। ट्रंप ने उन्हें 'बराक हुसैन ओबामा' कहकर संबोधित किया। उन्होंने कहा कि उन्हें संदेह है कि ओबामा एक अच्छे बास्केटबॉल खिलाड़ी हैं। फिर उन्होंने बताया कि ओबामा का पसंदीदा खेल गोल्फ है, लेकिन उन्होंने पेशेवर गोल्फ टूर्नामेंट मास्टर्स का जिक्र करते हुए कहा, वह जल्द ही इसमें हिस्सा नहीं लेंगे।

ब्रिटेन में हिंदू समुदाय को झटका, चर्च और मुस्लिम समूह को दी गई पूजा-अर्चना के लिए मिली जमीन; गैराज में रखीं मूर्तियां

लंदन, एजेंसी। कैम्ब्रिजशायर में रहने वाले ब्रिटिश हिंदुओं की उस कोशिश को झटका लगा है जिसके तहत वे काउंटी में अपनी पहली पूजा-स्थली बनाना चाहते थे। स्थानीय कार्जसिल ने नॉर्थस्टो शहर में धार्मिक कार्यों के लिए जमीन का एक टुकड़ा एक हिंदू चैरिटी को देने के बजाय एक चर्च और मुस्लिम समूह को दे दिया।

साउथ कैम्ब्रिजशायर डिस्ट्रिक्ट कार्जसिल ने नॉर्थस्टो चर्च नेटवर्क को 999 साल के लिए 0.2 हेक्टेयर जमीन लीज पर दी है, जिसके लिए उन्हें बहुत ही मामूली किराया देना होगा।

हिंदू समाज नॉर्थस्टो ने भी जमीन के लिए बोली लगाई थी और वहां एक मंदिर के साथ-साथ अलग-अलग धर्मों के लोगों के लिए एक सेंटर और वेलबीइंग सेंटर बनाने का प्रस्ताव दिया था लेकिन बोली का आकलन करने वाले कार्जसिल अधिकारियों ने हिंदू समाज की बोली को 65व और एनसीएन की बोली को 81व अंक दिए, इसलिए जमीन एनसीएन को मिलेगी।

एनसीएन के प्रस्ताव में नॉर्थस्टो के मुसलमानों को एक मुख्य किराएदार (एंकर टेनेंट) के तौर पर शामिल करने की बात है, जिनके लिए अपना इस्लामिक प्रार्थना कक्ष और शिक्षा केंद्र होगा।

कैम्ब्रिजशायर में एक भी मंदिर नहीं: कैम्ब्रिजशायर में कई चर्च और मस्जिदें हैं, लेकिन एक भी मंदिर नहीं है। पूजा-अर्चना के लिए हिंदुओं को बर्मिंघम या वेम्बली तक दो घंटे का सफर करना पड़ता है। वे ऐसी सामुदायिक जगहों को तुरंत किराए पर नहीं ले सकते, जिससे त्योहार मनाना मुश्किल हो जाता है। अक्सर मूर्तियों को कैरी बैग में भरकर गैरेज में रखा जाता है और एक जगह से दूसरी जगह ले जाने के दौरान उनमें से कई क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। एचएसएन ने क्या कहा? एचएसएन की चेयर अपर्णा निगम-सक्सेना ने कहा, हमें बहुत निराशा है कि फैसला हमारे पक्ष में नहीं आया। हमें इस प्रक्रिया की पारदर्शिता और मजबूती को लेकर कई सवाल हैं।

उन्होंने कहा कि वे अपील करने के बारे में सोच रहे हैं। एचएसएन की बोली को कई वजहों से कम आंका गया, जिसमें फाइनेंशियल ट्रैक रिकॉर्ड की कमी भी शामिल थी, लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें पता नहीं था कि यह एक अहम बात है। उन्होंने कहा, अगर वे हमारे आर्किटेक्ट से तैयार कोटेशन देखना चाहते थे तो उन्हें हमें गाइडलाइंस देनी चाहिए थीं।

नॉर्थस्टो में रहने वाले लगभग 150 हिंदू परिवार बहुत दुखी हैं। 16 साल की इवा का कहना है कि वह कभी भी रात भर शिवरात्रि नहीं मना पाई और न ही कभी हवन में शामिल हो पाई। इवा ने कहा, मैं अक्सर भारत में अपने कजिन्स को कोई त्योहार मनाते हुए देखती हूं और मेरी भी इच्छा होती है कि मैं उसी तरह मना सकूं लेकिन मैं ऐसा नहीं कर पाती। उत्तर प्रदेश के कानपुर से आए अभिषेक श्रीवास्तव ने कहा कि कभी-कभी उन्हें लगता है कि यूके आकर उन्होंने गलती की, क्योंकि उनके 9 और 12 साल के बच्चे हिंदू त्योहारों में शामिल नहीं हो पाते हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप के 'ईरान को भोजन चाहिए' बयान पर भड़के गालिबाफ, बोले- पहले अपने फूड स्टैम्प देखिए

तेहरान, एजेंसी। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने शुक्रवार को ईरान की अर्थव्यवस्था और खाद्य आवश्यकताओं पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टिप्पणियों की आलोचना की। उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप पर अमेरिका की घरेलू चुनौतियों को ईरान पर थोपने का आरोप लगाया। यह आरोप तब लगाया गया जब ट्रंप ने कहा कि अमेरिका संभावित राजनयिक सफलता के तहत ईरान को खाद्य पदार्थों का निर्यात करने की उम्मीद करता है। एक्स पर एक पोस्ट में गालिबाफ ने कहा, 'जरा सोचिए, आपके अपने ही चालीस मिलियन से ज्यादा नागरिक फूड स्टैम्प पर निर्भर हैं और आप दूसरे देश को भूखा कह रहे हैं। यह कोई घोषणा नहीं है, यह तो बस एक अनुमान है। अपनी स्वास्थ्यसलाह अपने पास रखिए।' उन्होंने आगे कहा, 'हमारी संपत्ति, हमारे विकल्प। कृपोषण की दर पर ध्यान दें।'

ये टिप्पणियां तब आईं जब ट्रंप ने सीएनबीसी को दिए एक साक्षात्कार में दावा किया कि ईरान की अर्थव्यवस्था बुरी तरह कमजोर हो गई है। ट्रंप ने कहा, 'वहां 300 प्रतिशत महंगाई है, वे कोई कमाई नहीं कर रहे हैं।' ट्रंप ने आगे कहा कि अमेरिका को उम्मीद है कि वह ईरान को खाद्य पदार्थों का निर्यात करेगा। उन्होंने कहा, 'उन्हें भोजन की आवश्यकता है। उन्हें मक्का, गेहूं और सोयाबीन की आवश्यकता है, और हम केवल अपने

अमेरिकी किसानों के माध्यम से इसकी आपूर्ति करेंगे। बस्तें हम उस स्थिति तक पहुंच जाएं जहां हमें पहुंचना चाहिए।'

ट्रंप ने यह भी दावा किया कि ईरान ने चल रही राजनयिक बातों में लगभग सभी अमेरिकी शर्तों को मान लिया है। इसके साथ ही इस बात पर जोर दिया कि चर्चा का प्राथमिक उद्देश्य तेहरान को परमाणु हथियार प्राप्त करने से रोकना है। ट्रंप ने कहा, 'मुझे लगता है कि वे हमारी लगभग सभी जरूरतों पर सहमत हो गए हैं।'

सीबीएस न्यूज के अनुसार, ट्रंप प्रशासन ने कहा है कि सप्लीमेंटल न्यूट्रिशन असिस्टेंस प्रोग्राम (एसएनएपी), जिसे फूड स्टैम्प के नाम से भी जाना जाता है। भुगतान संबंधी बंधी त्रुटियों के कारण अरबों डॉलर का नुकसान झेल रहा है। सीबीएस न्यूज के अनुसार वित्त वर्ष 2025 के दौरान अमेरिकी परिवारों को 95.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर का लाभ दिया। जिसका अर्थ है कि भुगतान त्रुटियों के कारण कार्यक्रम के कुल खर्च का लगभग दसवां हिस्सा हुआ। वहीं, अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने उज्बेकिस्तान की संसद के अध्यक्ष के साथ अपनी बैठक के दौरान कहा कि अमेरिका को यह स्वीकार करना होगा कि ईरान के साथ इस्राइल-अमेरिका संघर्ष के बाद वास्तविकताएं बदल गई हैं। उन्होंने ने कहा, 'हालात पहले से बेहतर हुए हैं। युद्ध के बाद के घटनाक्रमों ने अमेरिकियों को मौजूदा वास्तविकताओं को स्वीकार करने के लिए प्रेरित किया है। ऐसे माहौल में व्यापारिक संबंधों को और आगे बढ़ाया जा सकता है।

अमेरिका के मिशिगन में मॉल के अंदर अंधाधुंध फायरिंग, दो लोगों की मौत; मामले की जांच शुरू

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मिशिगन राज्य के डियरबॉर्न शहर में शुक्रवार को एक शॉपिंग मॉल में गोलीबारी की घटना हुई। पुलिस ने बताया कि युवाओं के दो गुटों के बीच हुई इस हिंसक झड़प में दो लोगों की जान चली गई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। यह घटना फेयरलेन टाउन सेंटर मॉल में हुई। मॉल में जब गोलियां चलीं, तो वहां मौजूद लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गई। लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। डियरबॉर्न पुलिस प्रमुख ईसा शाहीन ने जानकारी दी कि भागने की कोशिश में एक व्यक्ति मॉल के बाहर एक वाहन की टक्कर लगने से घायल हो गया। पुलिस ने झगड़े से जुड़े कुछ संदिग्धों से थाने में पूछताछ की है, लेकिन फिलहाल किसी को हिरासत में नहीं लिया गया है। पुलिस प्रमुख ने स्पष्ट किया कि यह कोई अचानक या रैंडम हमला नहीं था। दोनों गुट एक-दूसरे को पहले से जानते थे। मॉल में आमना-सामना होने पर उनके बीच झगड़ा शुरू हुआ, जो देखते ही देखते गोलीबारी में बदल गया। उन्होंने बताया कि दोनों गुटों के सदस्यों के पास पिस्तौल थीं। इस गोलीबारी में एक पीड़ित की मौत मॉल के अंदर ही हो गई, जबकि दूसरे व्यक्ति ने पास के अस्पताल में दम तोड़ दिया।

मेसी के विश्वकप में 20 गोल

एम्बाप्पे पर बनाई बढ़त गोल्डन बूट की दौड़ में आगे

मियामी, एजेंसी। अर्जेंटीना के स्टार खिलाड़ी लियोनल मेसी ने फिर गोल किया और केप वर्डे के खिलाफ फीफा विश्व कप का लगातार आठवां मैच था जिसमें अर्जेंटीना के कप्तान ने कम से कम एक गोल दागा है। मेसी ने केप वर्डे के खिलाफ 29वें मिनट में विश्व कप के अपने करियर का 20वां गोल किया। वह विश्व कप के इतिहास में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं जबकि, फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे उनसे दो गोल पीछे हैं।

मेसी ने दागा मौजूदा विश्व कप का सातवां गोल

इस साल टूर्नामेंट में मेसी का यह सातवां गोल था और गोल्डन बूट की दौड़ में एम्बाप्पे उनसे एक गोल पीछे हैं। पिछले आठ विश्व कप मैचों में मेसी 12 गोल कर चुके हैं। मेसी के साथ अर्जेंटीना और इंटर मियामी के लिए खेलने वाले रॉड्रिगो डि पॉल ने कहा, मेरे लिए मेसी की दोस्ती सबसे अहम चीज है और मैं खुशकिस्मत हूं कि इन पलों में उसके साथ मैदान पर हूं।मेसी ने मार्टिनेज के पास पर केप वर्डे के स्टार गोलकीपर वोजिन्हा को छकाते हुए यह गोल दागा। मेसी और एम्बाप्पे के अलावा नॉर्वे के एर्लिंग हालंद और इंग्लैंड के हैरी केन भी पांच-पांच गोल करके विश्व कप में सबसे ज्यादा गोल करने के गोल्डन बूट पुरस्कार की दौड़ में हैं। फ्रांस के उस्मान डेम्बेले, स्पेन के मिकेल ओयारजाबाल, ब्राजील के विनिशियस जूनियर और सेनेगल के इस्माइला सार ने चार-चार गोल किए हैं। सार दौड़ से बाहर हैं क्योंकि सेनेगल बाहर हो चुकी है।

कभी गोल्डन बूट नहीं जीत सके हैं मेसी

नॉर्वे, इंग्लैंड और फ्रांस अंतिम 16 में हैं। केप वर्डे को हराकर अर्जेंटीना भी अगले दौर में पहुंच चुका है। मेसी ने कभी गोल्डन बूट नहीं जीता। विश्व कप 2022 में सात गोल करके वह एम्बाप्पे से एक गोल पीछे रह गए थे, जबकि 2014 में चार गोल करके संयुक्त तीसरे स्थान पर थे। अगर टूर्नामेंट के बाद शीर्ष पर टाई रहता है तो फीफा पहले टाइब्रेकर के रूप में यह देखेगा कि कितने गोल में मदद की है और दूसरा टाइब्रेकर यह होगा कि मैदान पर किसने कम समय बिताया है। एमबाप्पे गोल में सहायता के मामले में मेस्सी से 2-0 से आगे हैं।

पेनल्टी शूटआउट में मिस्र का कमाल ऑस्ट्रेलिया को हरा राउंड ऑफ-16 में

डलास, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में मिस्र ने इतिहास रचते हुए ऑस्ट्रेलिया को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर पहली बार विश्व कप के नॉकआउट मुकाबले में जीत दर्ज की। निर्धारित समय और अतिरिक्त समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा, जिसके बाद मैच का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ। मिस्र ने अपनी चारों पेनल्टी सफलतापूर्वक गोल में बदली, जबकि ऑस्ट्रेलिया के हैरी साउटर और लुकास हेरिंगटन अपने प्रयासों में चूक गए।

मुकाबले की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया ने आक्रामक रुख अपनाया और क्रिस्टियन वोल्पाटो का लंबी दूरी का शॉट क्रॉसबार से टकराया। इसके कुछ ही मिनट बाद मिस्र ने 13वें मिनट में बढ़त बना ली। सेट पीस से बने मौके पर करीम हाफेज के क्रॉस को इमाम अशूर ने शानदार हेडर के जरिए गोल में बदल दिया। विश्व कप में अशूर का यह लगातार दूसरा गोल रहा।दूसरे हाफ में ऑस्ट्रेलिया ने बराबरी हासिल कर ली। 55वें मिनट में एडेन ओ'नील की फ्री-किक पर मिस्र के डिफेंडर मोहामेद हानी ने गेंद को क्लियर करने की कोशिश में अपनी ही टीम के गोल में पहुंचा दिया। इस आत्मघाती गोल के साथ स्कोर 1-1 हो गया और मुकाबला बेहद रोमांचक बन गया।

दोनों टीमों को मिले मौके

अतिरिक्त समय में मिस्र के पास मैच खत्म करने का सुनहरा अवसर था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के गोलकीपर पैट्रिक बीच ने रामी राबिया के दमदार हेडर पर शानदार एक हाथ से बचाव किया।इसके बाद मोहम्मद सलाह ने हैसम हसन के लिए मौका बनाया, लेकिन हैरी साउटर ने बेहतरीन ब्लॉक लगाकर ऑस्ट्रेलिया को बचा लिया।निर्धारित समय और अतिरिक्त समय में फैसला नहीं होने के बाद मैच पेनल्टी शूटआउट में पहुंचा।मिस्र ने अपनी सभी चार पेनल्टी सफलतापूर्वक गोल में बदली।स्टार खिलाड़ी मोहम्मद सलाह ने भी शानदार 'पानेन्का' शैली में पेनल्टी को गोल में बदल दिया।दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया के हैरी साउटर और लुकास हेरिंगटन पेनल्टी चूक गए, जिससे मिस्र ने 4-2 से जीत दर्ज कर ली।

अल-नासर को मिला नया कोच, एंजे को मिली कमान

सऊदी अरब के दिग्गज क्लब अल-नासर ने ऑस्ट्रेलियाई कोच एंजे पोस्टेकोग्लू को अपनी पहली फुटबॉल टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है।क्लब ने शनिवार को इसकी आधिकारिक घोषणा करते हुए बताया कि पोस्टेकोग्लू के साथ दो साल का अनुबंध किया गया है।एंजे पोस्टेकोग्लू पुर्तगाली कोच जॉर्ज जीसस की जगह लेंगे।क्लब ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, 'एक नए अध्याय की शुरुआत।एंजे पोस्टेकोग्लू को अल-नासर की पहली फुटबॉल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है।उनका अनुबंध दो सीजन के लिए है।हम उन्हें और उनके सहयोगी स्टाफ को क्लब के साथ सफल सफर की शुभकामनाएं देते हैं।'पोस्टेकोग्लू के सामने सबसे बड़ी चुनौती पांच बार के बैलन डी'ऑर विजेता क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ टीम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की होगी।इसके अलावा वह सादियो माने, किंग्सले कोमन और जोआओ फेलिक्स जैसे स्टार खिलाड़ियों को भी कोचिंग देंगे।इस समय 41 वर्षीय क्रिस्टियानो रोनाल्डो पुर्तगाल की ओर से फीफा विश्व कप 2026 में खेल रहे हैं।उन्होंने क्रोएशिया के खिलाफ राउंड ऑफ 32 मुकाबले में पेनल्टी के जरिए बराबरी का गोल दागा था।हालांकि बाद में उन्हें मैदान से बाहर बुला लिया गया और गोंकालो रामोस ने विजयी गोल कर टीम को बढ़त दिलाई।

विश्व कप से पहले भारत ने दिया बड़ा संदेश

फुल्टन बोले- गेम प्लान पर टिके रहे तो जीत हमारी होगी

नई दिल्ली, एजेंसी। एफआईएच प्रो लीग में कुल मिलाकर निराशाजनक अभियान के बावजूद आखिरी चरण में भारतीय टीम ने दमदार प्रदर्शन कर अपने इरादे साफ कर दिए। जर्मनी और नीदरलैंड जैसी मजबूत टीमों को हराने के बाद मुख्य कोच क्रेग फुल्टन का मानना है कि अगर टीम अपने गेम प्लान पर कायम रही तो दुनिया की किसी भी टीम को मात दे सकती है।

जर्मनी और नीदरलैंड पर जीत से बढ़ा टीम का आत्मविश्वास?

मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा कि प्रो लीग के दौरान टीम का आत्मविश्वास लगातार बढ़ा है। उन्होंने कहा कि जर्मनी और नीदरलैंड जैसी शीर्ष टीमों पर जीत और इंग्लैंड के खिलाफ कड़े मुकाबले ने साबित कर दिया कि भारतीय टीम अपने गेम प्लान पर अमल करे तो किसी भी टीम को चुनौती देने और हराने की क्षमता रखती है। उन्होंने इसे विश्व कप और एशियाई खेलों से पहले अच्छा संकेत बताया, हालांकि प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने की जरूरत भी बताई।

टीम दबाव में पहले से ज्यादा मजबूत हुई

फुल्टन ने कहा कि टीम ने दबाव की परिस्थितियों में संयम बनाए रखा, अलग-अलग टीमों की खेल शैली के अनुसार खुद को ढाला और करीबी मुकाबलों में जीत हासिल की। उनके अनुसार यही अनुभव विश्व कप और एशियाई खेलों जैसे बड़े टूर्नामेंट में टीम के काम आएगा और टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है।

प्रो लीग भारत के लिए मुश्किल रही थी

राउरकेला में खेले गए घरेलू चरण में भारत को बेल्जियम और अर्जेंटीना के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद होबार्ट चरण में टीम ने सुधार के संकेत दिए। स्पेन से शुरुआती हार के बाद भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-2 और स्पेन के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला, हालांकि दोनों मुकाबलों के शूटआउट में हार मिली। अंतिम मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-1 की बराबरी के बाद भारत ने शूटआउट 3-1 से जीत लिया।यूरोप चरण में भारतीय टीम का प्रदर्शन काफी बेहतर रहा। रॉटरडैम में भारत ने जर्मनी को 3-1 और नीदरलैंड को 3-2 से हराया। दुनिया की दो मजबूत रक्षात्मक टीमों के खिलाफ भारत ने चार मैचों में नौ गोल किए, जिनमें पांच फील्ड गोल और चार पेनल्टी कॉर्नर से आए। इसके बाद लंदन में पाकिस्तान और इंग्लैंड के खिलाफ चारों मुकाबलों में भारत निर्धारित समय तक अपराजित रहा।

हरमनप्रीत सिंह ने भी जताया भरोसा

होबार्ट चरण से बाहर रहने के बाद टीम की कप्तानी संभालने लौटे हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि शीर्ष रैंकिंग वाली टीमों को हराना हमेशा खास होता है और इससे पता चलता है कि टीम की मेहनत रंग ला रही है। उन्होंने कहा कि विश्व कप और एशियाई खेलों की तैयारी में टीम इन सकारात्मक पहलुओं को साथ लेकर आगे बढ़ेगी।

नोवाक जोकोविच ने रचा इतिहास

जोकोविच ने विंबलडन पुरुष एकल में रोजर फेडरर के 105 जीत के रिकॉर्ड की बराबरी की

नई दिल्ली, एजेंसी। सात बार के विंबलडन चैंपियन नोवाक जोकोविच ने तीसरे दौर में फ्रांस के आर्थर रिंदरकनेच को कड़े मुकाबले में 7-5, 6-4, 1-6, 7-6(4) से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल (चौथे दौर) में जगह बना ली। इस जीत के साथ जोकोविच ने विंबलडन पुरुष एकल में रोजर फेडरर के 105 जीत के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

फेडरर की बराबरी, अब सिर्फ एक खिलाड़ी आगे

39 वर्षीय सर्बियाई दिग्गज अब विंबलडन में पुरुष एकल के इतिहास में सबसे ज्यादा 105 मैच जीतने वाले खिलाड़ियों की सूची में रोजर फेडरर के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंच गए हैं। पूरे इतिहास में उनसे आगे सिर्फ महिला टेनिस की दिग्गज मार्टिना नवरातिलोवा हैं, जिन्होंने विंबलडन में 120 एकल मुकाबले जीते हैं।

जोकोविच बोले- इतिहास बनाना मेरे लिए सम्मान की बात

जीत के बाद जोकोविच ने कहा कि इस खेल में इतिहास रचना उनके लिए गर्व और सम्मान की बात है। उन्होंने कहा, 'इस खेल में इतिहास बनाना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान और सौभाग्य है। खासकर विंबलडन में, क्योंकि बचपन से यही मेरा सपना रहा है। मैं 105 या 106 जीत के बारे में नहीं सोच रहा, मेरा पूरा ध्यान हर मैच जीतने पर है।'उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'आज मैं सामान्य से ज्यादा दबाव में था। मुझे पता था कि मुकाबला आसान नहीं होगा। मैं खुश हूं कि इसे जीत पाया। अब मैं चाहता हूं कि 106वीं जीत के लिए मेरा मुकाबला रोजर फेडरर से ही हो जाए।'

रिंदरकनेच ने दी कड़ी टक्कर

दूसरे दौर में स्टेफानोस सित्सिपास को सीधे सेटों में हराने वाले जोकोविच इस बार अपनी सर्वश्रेष्ठ लय में नजर नहीं आए। फ्रांस के आर्थर रिंदरकनेच ने पहले दो सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए तीसरा सेट 6-1 से अपने नाम किया। चौथे सेट में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच लंबी और रोमांचक रैलियां देखने को मिलीं। रिंदरकनेच ने कई शानदार सर्विस और वॉली से दर्शकों को प्रभावित किया, लेकिन टाई-ब्रेक में जोकोविच के अनुभव ने बाजी पलट दी।

अब चौथे दौर में रोमन सफियुलिन से मुकाबला

अब जोकोविच का सामना चौथे दौर में क्वालिफायर रोमन सफियुलिन से होगा। सफियुलिन ने तीसरे दौर में ब्राजील के जोआओ फोन्सेका को 6-3, 6-3, 6-3 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। चोटों से जूझने वाले सफियुलिन ने इस साल विंबलडन से पहले टूर स्तर पर एक भी मैच नहीं जीता था।

विंबलडन में सबसे ज्यादा एकल मैच जीत

मार्टिना नवरातिलोवा	120 जीत
रोजर फेडरर	105 जीत
नोवाक जोकोविच	105 जीत

आखिरी दिन प्रज्ञानंद ने मारी बाजी, लगातार तीन जीत के दम पर संयुक्त नंबर-1 बने भारतीय स्टार

जैग्रेब (क्रोएशिया)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने ग्रैंड चेस टूर के क्रोएशियाई चरण के रैपिड सेक्शन के अंतिम दिन शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने आखिरी दिन लगातार तीन मैच जीतकर कुल 12 अंकों के साथ फ्रांस के फिरौज्जा अलीरेजा के साथ संयुक्त रूप से पहला स्थान हासिल कर लिया है। दूसरे दिन के खेल के बाद प्रज्ञानंद थोड़ा पिछड़ गए थे, लेकिन उन्होंने आखिरी तीन दौर के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ खेल बचाकर रखा था। उन्होंने क्रोएशिया के इवान सारिक, रोमानिया के डीक बोग्डन-डेनियल और नीदरलैंड के अनीश गिरी को शिकस्त देकर अलीरेजा की बराबरी की।

इस प्रतियोगिता के रैपिड सेक्शन में फ्रांस के मैक्सिम वाचिएर-लाग्रेव और उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने भी बेहतरीन अंत किया। ये दोनों खिलाड़ी 11 अंकों के साथ शीर्ष पर मौजूद दोनों लीडर्स के बेहद करीब बने हुए हैं। वहीं, भारत के विश्व चैंपियन डी गुकेश और जर्मनी के विंसेंट कीमर भी 10-10 अंकों के साथ उनके ठीक पीछे मजबूती से डटे हुए हैं।ब्लिट्ज सेक्शन में अभी 18 दौर के मुकाबले खेले जाने बाकी हैं। फिलहाल, अनीश गिरी आठ अंकों पर हैं और वह डीक बोग्डन-डेनियल तथा नीदरलैंड के जॉर्डन वैन फोरेस्ट से एक पूरा अंक आगे हैं। इसके विपरीत, इवान सारिक के खाते में केवल दो अंक हैं और वह अंक तालिका में सबसे आखिरी स्थान पर हैं।

प्रज्ञानंद ने आखिरी तीन राउंड में विपक्षी दिग्गजों को कैसे मात दी

प्रज्ञानंद के लिए दिन की शुरुआत बेहद सकारात्मक रही। टूर्नामेंट में संघर्ष कर रहे इवान सारिक के खिलाफ शुरुआती चालों के बाद ही भारतीय खिलाड़ी मजबूत स्थिति में आ गए थे। कारो-कैन डिफेंस की वजह से प्रज्ञानंद को शुरुआत से ही सक्रिय स्थिति मिल गई थी। हालांकि इसे जीत में बदलने में लंबा समय लगा, लेकिन प्रज्ञानंद का खेल पर पूरा नियंत्रण बना रहा। दूसरे मुकाबले में प्रज्ञानंद ने पेट्रोफ डिफेंस का सामना करते हुए डीक बोग्डन-डेनियल की रक्षापंक्ति को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। खेल की 15वीं चाल तक ही परिणाम की तस्वीर साफ होने लगी थी। रोमानियाई खिलाड़ी ने जल्द ही अपना एक मोहरा गंवा दिया और वह मुकाबले में दोबारा वापसी नहीं कर सके।दिन के आखिरी मैच में प्रज्ञानंद ने आम तौर पर मजबूत माने जाने वाले अनीश गिरी के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने कैटलन ओपनिंग के जरिए एक प्यादा जीता और फिर बेहतरीन टैक्टिकल सूझबूझ दिखाते हुए मैच को कुशलता से समाप्त किया। यह मुकाबला महज 34 चालों में ही खत्म हो गया।

विश्व चैंपियन डी गुकेश के लिए यह दिन कुछ अलग साबित हुआ

प्रज्ञानंद के विपरीत, सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन डी गुकेश के लिए यह दिन थोड़ा अलग और मिलाजुला रहा। वह अपने तीनों मुकाबले ड्रॉ ही खेल सके, जिसके कारण वह शीर्ष रेस में थोड़े पीछे रह गए। अब्दुसत्तोरोव, कीमर और अलीरेजा इन तीनों ही खिलाड़ियों ने गुकेश के साथ अंक बांटे।

रैपिड सेक्शन के 9 दौर के बाद क्या है अंक तालिका की स्थिति

पहला-दूसरा स्थानः फिरौज्जा अलीरेजा (फ्रांस), आर प्रज्ञानंद (भारत)- 12 अंक प्रत्येक

तीसरा-चौथा स्थानः मैक्सिम वाचिएर-लाग्रेव (फ्रांस), नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव (उज्बेकिस्तान)- 11 अंक प्रत्येक

पांचवां-छठा स्थानः डी गुकेश (भारत), विंसेंट कीमर (जर्मनी)- 10 अंक प्रत्येक

सातवां स्थानः अनीश गिरी (नीदरलैंड)- 8 अंक

आठवां-नौवां स्थानः डीक बोग्डन-डेनियल (रोमानिया), जॉर्डन वैन फोरेस्ट (नीदरलैंड)- 7 अंक प्रत्येक

दसवां स्थानः इवान सारिक (क्रोएशिया)- 2 अंक